तापमान
अधिकतम 27.9 डिग्री
न्यूनतम 16.4 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, मंगलवार 2 दिसंबर 2025

पेज फाइव

निजी अस्पताल में ज्यादा शुल्क, एम्स में वेटिंग

मरीजों को निजी अस्पतालों में जाकर यह जांच करने के लिए 20 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। मध्यम और धनाढ्य वर्ग तो किसी तरह इस राशि की व्यवस्था कर लेता है मगर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह जांच काफी मुश्किल होता है। शासकीय स्तर पर इस जांच की सुविधा रियायती दर पर एम्स में मिलती है मगर वहां काफी दबाव होने की वजह से लोगों को अपनी जांच कराने के लिए डेढ़ से दो महीने इंतजार करना पड़ता है। इस बीच रिपोर्ट के अभाव में चिकित्सकों के अभाव में उनके इलाज में काफी देर होती है।

ठंडे बस्ते में चली गई थी फाइल

सालभर पहले इस मशीन को प्रारंभ करने के लिए गतिविधि शुरू हुई थी। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन द्वारा एक कंपनी के इंजीनियरों की टीम से मशीन की वास्तविक स्थिति की जांच कराई गई थी। इंजीनियरों ने रिपोर्ट दी थी हल्के-फुल्के मेंटेनेंस और पार्ट्स बदलने के बाद मशीन का उपयोग किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार इसके लिए करीब दो लाख खर्च बताया गया था। अस्पताल प्रबंधन की ओर से मरम्मत की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा गया था जो ठंडे बस्ते में चला गया था।

छह साल से पेटियों में बंद 22 करोड़ की मशीनों से झाड़ी जाएगी धूल, एजेंसी तय करने जल्द टेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वर्ष 2018 में 22 करोड़ की लागत से खरीदी गई थी पैट सीटी मशीन और गामा कैमरा, तब से बंद पड़ी हैं मशीनें

पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के कैंसर विभाग में लगभग 9 साल से डंप पैट सीटी मशीन और गामा कैमरा से जांच शुरू होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से मिले निर्देश के बाद मशीन के संचालन के लिए एजेंसी तय करने टेंडर जारी करने की तैयारी है। दोनों मशीनों 22 करोड़ की लागत से वर्ष 2018 में खरीदी गई थी। खरीदी के बाद विवादों की वजह से इसके जरिए मरीजों की जांच शुरू ही नहीं हो पाई थी। पैट सीटी मशीन के माध्यम कैंसर से प्रभावित अंगों की सटीक तरीके से पहचान होती है। इसी तरह गामा कैमरा हड्डी के कैंसर की जांच में सहायक होता है। आंबेडकर अस्पताल के कैंसर विभाग में दोनों मशीनें हैं, मगर इसका उपयोग पिछले नौ साल से एक बार भी नहीं हुआ है। खरीदी के बाद शुरू हुए विवाद की वजह से इसे शुरू नहीं किया जा सका है। कैंसर विभाग में प्रतिदिन की ओपीडी में ढाई से तीन सौ मरीज आते हैं, जिनमें से पचास से साठ प्रतिशत मरीजों को इस तरह की जांच के लिए निजी अस्पतालों की राह पकड़नी पड़ती है। काफी इंतजार के बाद स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की संवेदनशीलता के बाद इसके जरिए मरीजों की जांच शुरू होने की उम्मीद है। मेडिकल कालेज ⏭शेष पेज 13 पर

अलग खबर

इसलिए शुरू करना जरूरी है पैट सीटी मशीन

1. कैंसर विभाग में आने वाले 30 से 40 मरीजों को प्रतिदिन पैट सीटी टेस्ट की जरूरत
2. निजी अस्पतालों में 20 हजार तक शुल्क, यहां आने वाले ज्यादातर मरीज मध्य एवं गरीब वर्ग
3. एम्स में रियायती दर पर जांच मगर मरीजों का दबाव अधिक, बारी आने दो माह तक इंतजार
4. कैंसर प्रभावित हिस्से की सटीक पहचान, इससे इलाज करने में डाक्टरों को भी सहूलियत
5. जनहित में जांच शुरू होने से 22 करोड़ की दोनों मशीन के खराब होने की खत्म होगी आशंका

शीघ्र जारी किया जाएगा टेंडर

पैट सीटी मशीन के संचालन के लिए मिले निर्देश के आधार पर विचार मंथन किया जा रहा है। आने वाले दिनों में एजेंसी तय करने के लिए टेंडर जारी किया जाएगा। जांच शुरू होने से निश्चित तौर पर मरीजों को इसका लाभ मिलेगा।
- डॉ. **विवेक चौधरी,** अधिष्ठाता शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार कार पलटने से चार घायल

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के फुंडहर चौक के पास सोमवार शाम कार पलटने से कार चालक सहित चार लोग घायल हो गए। घायलों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। साथ ही कार पलटने की किसी ने अब तक थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार कार फुंडहर टर्निंग में कार की गति पर कंट्रोल नहीं कर पाया। मोड़ने के दौरान कार पलट गई। घायलों को निजी वाहन से उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। कार में सवार ड्राइवर सहित सभी को चोटें आई है।

चापड़ मारकर लूट, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई पुलिस ने गुमटी में चाय-नाश्ता का दुकान लगाने वाले के साथ लूट के आरोप में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जनक यादव की शिकायत पर पुलिस ने वीरेंद्र तथा महेश निर्मलकर को गिरफ्तार किया है। जनक ने 5 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी गुमटी में आए एक युवक ने सिगरेट खरीदी। इसके बाद एक अन्य युवक ने बिरगांव के एक युवक के बारे में जानकारी मांगी। जानकारी नहीं होने की बात कहने पर बदमाश ने जनक के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की। इस दौरान एक युवक जेब से चापड़ निकालकर जनक के कंधे पर वार कर उसकी जेब से नकदी तीन हजार रुपए सहित अन्य सामान लूटकर फरार हो गया।

सास की हत्या के आरोप में दामाद गिरफ्तार

रायपुर। माना पुलिस ने घरेलू विवाद के चलते बुजुर्ग महिला की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसके दामाद को गिरफ्तार किया है। बरौद, फोकटपारा निवासी राजा बाई बांधे की हत्या के आरोप में पुलिस ने वीरेंद्र कुर्रे को गिरफ्तार किया है। वीरेंद्र ने 4 नवंबर को अपनी सास के चेहरे पर मुक्कों से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया था। घटना दिनांक को वीरेंद्र अपने ससुराल में किसी की लाश गिराने की बात कहते हुए गाली-गलौज कर रहा था। राजा बाई ने वीरेंद्र को गाली-गलौज करने से रोका तो वीरेंद्र ने अपनी सास के बाल पकड़कर उसके नाक, मुंह तथा आंख के पास मुक्कों से ताबड़तोड़ वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

बंद होंगी नेकी की दीवारें, पुराने कपड़े-जूते और अन्य सामान इकट्ठा करने घूमेंगी गाड़ियां

नेकी करने वाले कम नहीं, पर अव्यवस्था से सिस्टम नहीं चल पाया, जरूरतमंदों की मदद के लिए अब दूसरा प्लान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के अनुपम गार्डन और गांधी उद्यान के समीप बनाई गई नेकी की दीवार बंद होगी। अब नगर निगम प्रत्येक वार्ड में एक दिन तय कर दान में सामग्री देने वालों के पास उनके वार्ड तक गाड़ी भेजेगा, ताकि लोग अपनी सुविधा अनुसार जरूरतमंदों के लिए पुरानी व बिना उपयोग में आ रही सामग्री दान कर सकें। लोगों की सुविधा के लिए निगम अलग से एक एप तैयार करेगा। एकत्र की गई सामग्री को आरआर सेंटर में स्वसहायता समूह की महिलाएं उपयोग लायक बनाकर इस गाड़ी के माध्यम से जरूरमतमंदों तक पहुंचाने का माध्यम बनेंगी। दस जोन के लिए 10 नई गाड़ियां क्रय की जाएंगी, यानी हरेक जोन के पास एक गाड़ी रहेगी, जो सात वार्ड में अलग-अलग दिन लोगों तक पुरानी जीवन उपयोगी वस्तुएं कलेक्ट करने आएगी।

- दस जोन के लिए 10 इलेक्ट्रिक कमर्शियल व्हीकल खरीदेगा निगम

हरिभूमि सरोकार

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा 38-38 लाख खर्च कर शहर के अनुपम उद्यान और गांधी उद्यान के समीप विकसित की गई नेकी की दीवार 4 साल में ही अव्यवस्था की भेंट चढ़ गई। हालत ये है कि जिस स्पॉट को बहुरंगे लैंड स्कैपिंग और प्रचार-प्रसार के साथ जनता के बीच प्रचारित किया गया, उसकी देखरेख और एकत्र सामग्री को व्यवस्थित करने न नगर निगम ने दिलचस्पी ली, ना ही स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने प्रबंध किया। हालत ये है, नेकी की दीवार अब बंद की जा रही है। महापौर मीनल चौबे का कहना है पूववर्ती कांग्रेस शासन काल में स्मार्ट सिटी ने नेकी की ⏭शेष पेज 13 पर

आरआर सेंटर का कांसेप्ट वार्ड तक पहुंचेगी गाड़ी

नेकी की दीवार की जगह आरआर सेंटर का कंसेप्ट ला रहे हैं। शहरभर में रहने वाले दानदाता अपनी सुविधा अनुसार ऐसी वस्तुएं जो दूसरे के काम आ सकती हों, उसे दान स्वरूप दे सकेंगे। नगर निगम सामग्री एकत्र करने 10 गाड़ी क्रय करेगा। निर्धारित शेडयूल के साथ पूरी पारदर्शिता के साथ काम होगा।
- **मीनल चौबे,** महापौर, नगर निगम रायपुर

आरआर सेंटर तक पहुंचेगी सामग्री, 10 गाड़ियां शहर में, दानदाताओं से वार्ड में ही सामग्री लेंगे

स्वच्छ भारत मिशन के सहायक नोडल अधिकारी योगेश कडू ने बताया कि पंद्रहवें वित्त आयोग मद से रायपुर नगर निगम को 10 ईएलवी वाहन क्रय करने राशि स्वीकृत हुई है। 11 लाख की एक गाड़ी होगी, इस तरह की 10 गाड़ियां क्रय की जाएगी। 10 जोन के 70 वार्डों में यह गाड़ी घूम-घूमकर निर्धारित स्पॉट पर इच्छुक दानदाताओं से उनके घरों से निकलने वाली अनुपयोगी सामग्री कलेक्ट उसे स्व सेवी महिला समूह के सदस्यों से व्यवस्थित स्वरूप देकर जरूरतमंदों तक वितरित कराएगी।

हरेक जोन में 1 गाड़ी, 7 वार्ड को सप्ताहभर में करेगी कवर

शहरभर में ऐसे दानदाता जो स्वेच्छा से अपने घर के पुराने कपड़े, स्वेटर, कंबल, चादर, जूते, चप्पल, बैग सहित अन्य सामग्री दान में देना चाहते हैं, उनकी सुविधा के लिए प्रत्येक जोन को 1 गाड़ी मिलेगी। यह गाड़ी हर दिन अलग-अलग वार्ड में जाकर निर्धारित शेड्यूल के अनुसार सामग्री एकत्र करने का कार्य करेगी। इस एकत्र सामग्री को आरआर सेंटर पहुंचाया जाएगा, जहां से मांग के आधार स्लम बस्तियों में वितरण किया जाएगा। इस तरह सात दिन में सात वार्ड कवर होंगे।

सूदखोर रोहित तोमर भगोड़ा, पता बताने वाले को पांच हजार का ईनाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मारपीट, सूदखोरी, जबरन वसूली, अपहरण तथा हत्या जैसे संगीन अपराधों में शामिल वीरेंद्र के साथ रोहित तोमर की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही। वीरेंद्र तोमर के दबोचे जाने के बाद पुलिस ने रोहित तोमर को भी भगोड़ा घोषित कर दिया है। एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने रोहित तोमर का पता बताने वाले को पांच हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की है। पूर्व में पुलिस ने वीरेंद्र तोमर के लिए भी पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। वीरेंद्र को पुरानी बस्ती थाना की पुलिस ने ग्वालियर से गिरफ्तार किया था। पुरानी बस्ती ⏭शेष पेज 13 पर

- दूसरे भाई की तलाश में पुलिस ने सर्चिंग तेज की

- नरेश सचदेवा को 2.5 लाख देकर 20 लाख रुपए वसूले
- हरीश कछवाहा को 3.5 लाख देकर 50 लाख रुपए वसूले
- गोपाल कुमार को 2 लाख देकर 28 लाख रुपए वसूले
- जयदीप बैनर्जी को 16 लाख देकर 52 लाख रुपए वसूले

5 गुना से ज्यादा रकम वसूली

सूदखोर तोमर भाइयों के खिलाफ कर्ज देकर लोगों से 15 गुना से ज्यादा रकम वसूली करने का आरोप है। कर्ज की राशि नहीं देने पर तोमर भाई पर लोगों के साथ मारपीट तथा प्रापर्टी कब्जा करने के आरोप हैं। कर्ज के बदले जिन लोगों से 10 से 15 गुना ज्यादा राशि वसूली की है, उनमें प्रमुख रूप से इन पीड़ितों का नाम शामिल है।

पुराने प्रकरण रीओपन

सूदखोर तोमर भाइयों के खिलाफ अलग-अलग थानों में जितने प्रकरण दर्ज हैं, पुलिस उन पुराने प्रकरणों को एक बार रीओपन कर नए सिरे से जांच करने की बात कह रही है। इनमें वित्तीय लेन-देन की शिकायतें ज्यादा हैं। पुलिस के अनुसार सूदखोर भाई छोटे कारोबारियों को शिकार बनाकर पैसा वसूलने के साथ उनकी प्रापर्टी तक कब्जा करते थे। बताया जा रहा है, वीरेंद्र तोमर के समर्थन में क्षत्रिय करणी सेना सात दिसंबर को प्रदर्शन करने की जो तैयारी कर रही है, इसके पूर्व पुलिस ने रोहित तोमर के खिलाफ कार्रवाई तेज की है।

15 गुना से ज्यादा की रकम वसूली

सूदखोर तोमर भाइयों के खिलाफ कर्ज देकर लोगों से 15 गुना से ज्यादा रकम वसूली करने का आरोप है। कर्ज की राशि नहीं देने पर तोमर भाई पर लोगों के साथ मारपीट तथा प्रापर्टी कब्जा करने के आरोप हैं। कर्ज के बदले जिन लोगों से 10 से 15 गुना ज्यादा राशि वसूली की है, उनमें प्रमुख रूप से इन पीड़ितों का नाम शामिल है।

हरिभूमि
जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा
सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 297. खुशी नायक पिता\पति संदीप नायक पता - रावन भाटा रायपुर, 298. भारत लाल चतुर्वेदी पिता\पति स्व. तारा चंद चतुर्वेदी पता- रावतपुरा कॉलोनी फेज 01 मठपुरेना रायपुर, 299. भावना वर्मा पिता\पति खोमन वर्मा पता- जागृति नगर बीरगांव, 300. प्रियंका ठाकरे पिता\पति सचिन ठाकरे पता- संजय नगर रायपुर, 301. श्रीकांत वैष्णव पिता\पति संतोष कुमार वैष्णव पता- डिरापारा रायपुर, 302. इन्द्राणी रमेश शर्मा पिता\पति व्यास नारायण मिश्रा पता - ब्राम्हण पारा रायपुर, 303. भाविका साहू पिता\पति गौतम साहू पता - वेद्यता सिटी कांदुल रोड, 304. लक्ष्मीकान्त यादव पिता\पति जे.एल. यादव पता - मठपारा रायपुर, 305. संतोषी यादव पिता\पति सतीश यादव पता- पुरानी बस्ती रायपुर, 306. प्रेमचंद साहू पिता\पति टेटकू राम साहू पता – पिपरौद, 307. खुमेश साहु पिता\पति प्रेम लाल साहु पता- तर्रा पोस्ट -सुरसाबाँधा, 308. चुन्नी निर्मलकर पिता\पति पुनीतराम निर्मलकर पता-सेमरा भखारा, 309. तोवा राम साहू पिता\पति स्व. पंचराम साहू पता- नगरी, 310.कुनाल साहू पिता\पति डोमेन्द्र साहू पता- सांकरा , नगरी, 311. अमन कन्नौजे पिता\पति एस.आर. कन्नौजे पता- वार्ड न. 43 बसंतपुर राजनादगांव, 312. रेणुका श्रीवास्तव पिता\पति एस .एल श्रीवास्तव पता- रेवाडीह वार्ड न. 21, 313. प्रज्वल पाटिल पिता\पति जसवंत पाटिल पता- वार्ड न.-16, बैलापसरा राजनादगांव, 314. यशवंत कुमार सप्रे पिता\पति ईतवारी राम सप्रे पता- बेमेतरा, 315. टीकाराम सेन पिता\पति सुकदेव राम सेन पता- बरदेभाठा चौक कांकेर, 316. दुलेश्वरी पिता\पति मुकेश कुमार पता- डौंडी नगर भंडारी पारा वार्ड न. 08, 317. सुमन ठाकुर पिता\पति शैलेन्द्र ठाकुर पता- जगदलपुर, 318. खोमराज पटेल पिता\पति भवर लाल पटेल पता- नर्रा, 319. महेश आमदे पिता\पति भुलऊराम आमदे पता- कवर्धा, 320. तेजनाथ साहू पिता\पति राधेश्याम साहू पता- कमल कॉलोनी बलौदाबाजार, 321. सुयश आचार्य पिता\पति प्रशांत आचार्य पता- अस्पताल खार्ड कोंडागांव, 322. पंकज कुमार साहू पिता\पति छत्रपाल साहू पता-पोटियाकला दुर्ग, 323. बलदाऊ लाल साहू पिता\पति स्व. रामलू लाल साहू पता- आदर्श स्ट्रीट रामनगर भिलाई, 324. डिम्पल चौधरी पिता\पति नन्द जंघेल पता-दुर्गा पारा मुकम खडान सुपेला, 325. जानवी टंडन पिता\पति M.L.टंडन पता-वेदांत नगर फेज-2 उमरपोटी, 326. अथर्व विकास बेहेरे पिता\पति विकास विनायक बेहेरे पता- सुभाष नगर, 327. ईशा राजपूत पिता\पति अशोक राजपूत पता-सुभाष नगर वार्ड 42 दुर्ग, 328. पंकज कुमार पटेल पिता\पति स्व. नन्द कुमार पटेल पता- पटेल पारा वार्ड क्र.57 उरला दुर्ग, 329. स्वीकृति चौहान पिता\पति बिरेन्द्र चौहान पता- साहू पारा रामनगर भिलाई, 330. गजरा सोनी पिता\पति ननकू प्रसाद सोनी पता-दुर्ग, 331. रितिका साहू पिता\पति तामध्वज साहू पता- कोहिका भिलाई, **बिलासपुर संस्करण-** 332. अफरोज बानो, पिता/पति- मुनव्वर खान पता- आदर्श चौक मंगला, बिलासपुर 333. राजकुमारी साहू पिता/पति- बाबू लाल साहू पता- बहतराई, बिलासपुर, 334. सुलोचना कुर्रे पिता/पति- राजाराम कुर्रे पता- बंधवा पारा सरकंडा, बिलासपुर, 335. कुसय हुसैन पिता/पति-मुश्ताक हुसैन पता- खपरगंज बिलासपुर, 336. आरती शर्मा पिता/पति- स्व.एम.एल.शर्मा पता- गुरूनानक चौक, बिलासपुर, 337. मनोज नाथानी पिता/पति- माधसव दास नाथानी पता- रामा वैली आर-8-11, बिलासपुर, 338. साक्षी साहू पिता/पति-चंद्रशेखर साहू पता- तोरवा बिलासपुर, 339. प्रियंका शर्मा पिता/पति- श्री पवन शर्मा पता- ईदगाह रोड, बिलासपुर, 340. राकेश सिंह राजपूत पिता/पति- विजय सिंह राजपूत, पता- साईं नगर, उस्लापुर बिलासपुर 341. मालती साहू पिता/पति-देवलाल साहू पता- बाजार चौक, यदुनंदन नगर, तिफरा बिलासपुर, 342. सतीश कुमार साहू पिता/पति- बुधराम साहू पता- तिफरा बिलासपुर, 343. अर्थव यादव पिता/पति-सुदर्शन यादव पता- कस्तूरबा नगर, बिलासपुर, 344. माही यादव पिता /पति - सूरज यादव, पता- पड़ावपारा कोटा, 345. सुशील कुमार पिता /पति - धनना लाल पता - जरौधा जिला बिलासपुर, 346.सुमन सूर्यवंशी पिता /पति - धनना लाल पता - जरौधा जिला बिलासपुर, 347. जानवी कौशिक पिता /पति - सनत कौशिक, पता - खमरिया काठाकोनी, 348. साधना भगत पिता /पति - गोपाल राम भगत , पता – रतनपुर, 349. नरेश गोयल पिता /पति - नैवत राम गोयल, पता -पेण्ड्रा रोड , 350. किरण पांडे पिता /पति - रवि शंकर पांडे पता - पुरानी बस्ती मस्तूरी, 351. हर्षिता कौशिक पिता /पति - उमाशंकर कौशिक पता - सिचाई कालोनी सकरी, 352. दीपक कुमार यादव पिता /पति - जीवन लाल यादव पता - करां सीपत, 353. प्रियंका सूर्यवशी , पिता /पति - नारायण प्रसाद सूर्यवंशी, पता - भरारी जांजगीर जिला, 354 दिनेश कुमार यादव, पिता /पति - नर्मदा प्रसाद यादव, पता- शकुल पारा खरौद **भोपाल संस्करण-** 355. शिवन्या जाटव पिता\पति - स्व मोनू जाटवमकान न. 2597 राजीव नगरकोटरा, 356. हर्षिता तोमर पिता\पति - देवेन्द्र सिंह तोमर नेहरू नगर भोपाल, 357. साबरा बी पिता\पति - मो. जोएब 126 इंद्रा नगर टीला जमालपुरा, 358. जाकिया आमिर पिता\पति - मो. आमिरबाग मुफ्ती साहबकबीटपुरा, 359. पवन यादव पिता\पति - मांगीलाल ग्राम नून्या हेड़ीराजगढ़, 360. मधु दांगी पिता\पति - सोमराज दांगीशर्मा कॉलोनी प्रताप वार्डबीना, 361. पूनम दांगी पिता\पति - नीरज सिंह दांगीसागौ-नीगुरू सागर, 362. फैजान खान पिता\पति - आतिफ खान सीहोर नाका सीहोर, **जबलपुर संस्करण-** 363. निधि अग्रवाल पिता\पति- रतन अग्रवाल लाल कुआं हनुमानताल जबलपुर, 364. भारती मिश्रा पिता\पति – स्व. राजकुमार दुबे रिछाई जबलपुर, 365. रजनी सुदीक्षा पिता\पति- उत्तम कुमार सुदिक्षा बिरसिंहपुर पाली उमरिया, 366. शरद विश्वकर्मा पिता\पति - हरलाल विश्वकर्मा छपारा सिवनी, 367. मनीष विश्वकर्मा पिता\पति - इंद्रजीत विश्वकर्मा प्रेम नगर इसाई मोहल्ला मदन महल, 368. नरेश नाईक पिता\पति - स्वर्गीय पंढरीनाथ नाईक शिवनगर गढ़ा जबलपुर, 369. राजेंद्र अहिरवार पिता\पति - नारायण प्रसाद अहिरवार मकान नंबर 113 छिंवला ग्वारीघाट जबलपुर, 370. श्रुति शुक्ला पिता\पति - सुधीर कुमार शुक्ला मकान नंबर 361 दुर्गा कॉलोनी शीतला माई खार्ड घमापुर जबलपुर।

नियम एवं शर्तें लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

फॉर्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ही तय करती है सीटों की संख्या

52 फॉर्मेसी कॉलेजों को वापस मिली सीटें, प्राध्यापकों की कमी बताकर यूनिवर्सिटी ने घटाई थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि को अब उन फॉर्मेसी कॉलेजों की सीट संख्या फिर से पहले की तरह करनी पड़ी है, जिनमें कटौती यह कहकर कर दी गई थी कि यहां प्राध्यापकों की कमी है। ऐसा डबल बेंच के आदेश के बाद किया गया है। इसके पूर्व उच्च न्यायालय बिलासपुर ने भी महाविद्यालयों के पक्ष में ही आदेश दिया था। सत्र प्रारंभ होने के पूर्व तकनीकी विवि ने 52 फॉर्मेसी कॉलेजों की सीटें आधी कर दी थी। विवि का तर्क था कि इन कॉलेजों में प्राध्यापकों की कमी है। कॉलेजों ने कोर्ट में याचिका दायर की थी। महाविद्यालयों का तर्क था कि फॉर्मेसी संस्थानों में सीट संख्या निर्धारित करने, उन्हें घटाने या बढ़ाने का अधिकार केवल फॉर्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया को ही है। काउंसिल ⏭शेष पेज 13 पर

अब संस्थावार प्रवेश

प्रदेश में फॉर्मेसी की 11 हजार 635 सीटें हैं। इनके लिए प्रथम चरण की काउंसिलिंग 13 अक्टूबर से 4 नवंबर तक चली। रिक्त सीटों पर दूसरे चरण की काउंसिलिंग 7 से 19 नवंबर तक आयोजित की गई। तीसरा चरण संस्थागत प्रवेश का है। प्राप्त आवेदनों के आधार पर मेरिट लिस्ट 27 नवंबर को जारी की गई। इसके आधार पर आवंटन एक दिसंबर को किया गया। जिन छात्रों के नाम सूची में हैं, उन्हें 5 दिसंबर तक प्रवेश लेना होगा। इसके बाद भी रिक्त रह गई सीटें 6 दिसंबर को पात्र छात्रों के लिए ओपन टू ऑल कर दी जाएंगी।

प्रदेश का पहला प्रकरण

कॉलेजों की सीटों को पुनः फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया द्वारा दी गई सीट संख्या के आधार पर काउंसलिंग करवाने का निर्देश भी दिया गया। ऐसा बहुत कम देखने में आया है कि किसी विश्वविद्यालय ने हारने के बाद अपने सम्बद्ध कॉलेज के विरुद्ध अपील की हो। जानकारों के मुताबिक, यह संभवतः प्रदेश का पहला प्रकरण है। राहत केवल उन्हीं महाविद्यालयों को मिली है, जिन्होंने कोर्ट में याचिका दायर की थी। 52 महाविद्यालयों की सीटों को आधा किया गया है, इनमें से याचिका दायर करने वाले 30 कॉलेजों की सीटें ही पूर्ववत हुई हैं।

खबर संक्षेप

धरसींवा में विशाल मुफ्त नेत्र जांच शिविर 9 को

धरसींवा। धरसींवा क्षेत्र के आमजन के लिए एक बड़े स्वास्थ्य लाभ के अवसर के रूप में गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड, सिलतरा तथा एम.जी.एम. आँख का अस्पताल, रायपुर के तकनीकी सहयोग से विशाल निःशुल्क नेत्र एवं मोतियाबिंद जाँच तथा उपचार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर 09 दिसंबर को महिला सिलाई प्रशिक्षण केंद्र, स्टेडियम के पास, ग्राम धरसिंवा में आयोजित होगा। यह शिविर सुबह 9:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक चलेगा। आयोजन समिति ने बताया कि इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के उन लोगों तक नेत्र चिकित्सा सेवाएं पहुँचाना है, जो आर्थिक या अन्य कारणों से समय पर उपचार नहीं करा पाते। शिविर में मोतियाबिंद के मरीजों की जाँच की जाएगी तथा जाँच के उपरांत योग्य मरीजों को उसी दिन एम.जी.एम. आँख का अस्पताल रायपुर ले जाकर मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराया जाएगा। मरीजों के आने-जाने, भोजन एवं ठहरने की समुचित व्यवस्था आयोजकों द्वारा की गई है, ताकि किसी भी व्यक्ति को असुविधा न हो। शिविर में पाए गए मोतियाबिंद के मरीजों का उपचार आधुनिक तकनीक से किया जाएगा। इसमें नवीनतम IOL लेंस का प्रत्यारोपण भी शामिल है, जिससे ऑपरेशन के बाद बेहतर दृष्टि प्राप्त हो सकेगी। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह ऑपरेशन पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। इससे ग्रामीण एवं जरूरतमंद परिवारों को काफी राहत मिलेगी।

सत्य सनातन संगठन ने गौसेवा की मिसाल दी

आरंग। ग्राम पंचायत उमरिया में सत्य सनातन संगठन के सदस्यों ने मंगलवार शाम गौसेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। जानकारी के अनुसार गौरा-गौरी चौक के पास एक बछड़े का निधन हो गया था। सूचना मिलते ही समिति के सदस्य मौके पर पहुँचे और बछड़े का सम्मानपूर्वक देह-संस्कार किया।इसी दौरान नेशनल हाईवे-53 पर एक गाय घायल अवस्था में मिली। संगठन के कार्यकर्ताओं ने तत्काल उपचार की व्यवस्था कर पशुचिकित्सक को बुलवाकर उसका इलाज कराया। दोनों घटनाओं में समिति की त्वरित सक्रियता सराहनीय रही।संगठन का दावा है कि अब तक लगभग 300 गौमाताओं की देखभाल व देह-संस्कार किया जा चुका है। उक्त सेवा कार्य की पहल युवा अध्यक्ष तेजराम निषाद द्वारा की गई, जिसमें उपाध्यक्ष सागर यादव, कोषाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी यशवंत भारती, उपकोषाध्यक्ष बिरबल, सचिव तानेश, सहसचिव रिंकू यादव, संचालक चंदू निर्मलकर सहित निकेश, अमन, योगेश, लोकेश, मानिकपुरी लोकेश, लकी, करन, हेमराज, जय सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री से प्रशिक्षु आईपीएस अफसरों की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सोमवार शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। भेंट के दौरान राज्य में प्रशासनिक व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और सजगता के साथ कार्य करने की सलाह दी।

निधन

जीवराखन धीवर

आरंग। सोमवार को ग्राम चरौदा निवासी 68 वर्षीय जीवराखन धीवर का निधन हो गया। वह लीला मंडली में लंबे समय से जोकर की भूमिका निभाते रहे। वह युधिष्ठिर और युवराज धीवर के पिता और नाचा कलाकार माखन धीवर के भाई व शिक्षक दीनदयाल व चुरामन धीवर के चाचा थे। स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन व कलाकार संगठन ने इनके निधन पर शोक जताया है। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्ति धाम में किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित होकर उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

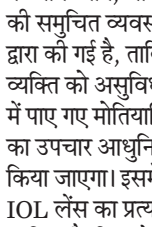

नारा उपार्जन केंद्र में किसानों ने धान खरीदी लिमिट बढ़ाने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

धान उपार्जन केंद्र नारा से जुड़े किसान सन्तराम साहू, बलदाऊ वर्मा, रामशरण यादव, फिरन्ता अश्वनी वर्मा, शम्भु, शिवकुमार, एवन साहू, नन्दकुमार सहित 2 दर्जन से ज्यादा किसानों ने जिला सहकारी बैंक रायपुर के शाखा प्रबंधक के नाम त्रिलोचन साहू प्राधिकृत अध्यक्ष को संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन शौपकर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की दैनिक सीमा बढ़ाने की मांग जोरशोर से उठाई है।

वर्तमान में उपार्जन केंद्र में प्रतिदिन 1200 क्विंटल धान खरीदा जा रहा है, जबकि किसानों की आवक इससे कहीं अधिक है, जिसके कारण कई किसानों को देर तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। सोसायटी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 1 दिसंबर तक केंद्र में कुल 10 हजार 533 क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। इनमें सरना धान 10,344 क्विंटल, मोटा धान 189 क्विंटल, तथा पतला धान मात्र 2 क्विंटल 80 किलो शामिल है।

खरीदी की यह मात्रा अब तक 2 करोड़ 95 लाख 32 हजार 6 रुपये के भुगतान के बराबर है। इसके साथ ही सोसायटी द्वारा किसानों के ऋण मद के विरुद्ध 55 लाख 90 हजार 80 रुपये की वसूली भी की गई है। भुगतान की दृष्टि से भी सोसायटी अग्रणी रही है। अब तक 223 किसानों को 1 करोड़ 78 लाख 12 हजार 497 रुपये का शुद्ध भुगतान सीधे खातों में किया जा चुका है।

किसानों ने ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग की

खरीदी लिमिट बढ़ाना आवश्यक

खरीदी की सीमित क्षमता के कारण किसानों को हो रही परेशानी को देखते हुए सोसायटी के अधिकृत अध्यक्ष त्रिलोचन साहू ने व्यवस्था बेहतर करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को कतारों में अधिक समय तक न बैठना पड़े, इसके लिए खरीदी प्रक्रिया तेज की जा रही है। धान की बढ़ती आवक को देखते हुए दैनिक खरीदी लिमिट बढ़ाना बेहद आवश्यक है ताकि सभी किसान समय पर धान बेच सकें। सोसायटी ने जिला प्रशासन से खरीदी लिमिट बढ़ाने पर शीघ्र निर्णय की अपेक्षा जताई है, ताकि किसानों को राहत मिल सके और उपार्जन कार्य बिना अवरोध के गति पकड़ सके।

समाज : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे शामिल, तैयारी जोरों पर

धीवर-ढीमर समाज का प्रदेश स्तरीय युवक-युवती सम्मेलन 7 को धमतरी में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तरीय धीवर समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन 7 दिसंबर को सुबह 10 बजे धमतरी के आयोजन स्थल स्व. विष्णु प्रसाद हिरवानी एकलव्य खेल परिसर में आयोजित किया गया है।

■ योग्यता उम्र और गोत्र की जानकारी देना जरूरी

इस प्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन में पूरे छत्तीसगढ़ के स्वजातीय, विवाह-योग्य युवक व युवती अपने पालक के साथ उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं। छत्तीसगढ़ धीवर (ढीमर) समाज महासभा युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पुरुषोत्तम धीवर ने जानकारी दी है कि एक ही मंच पर युवक-युवती अपना परिचय दे सकेंगे, जिसमें उनकी शैक्षणिक योग्यता, उम्र, रोजगार, पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं गोत्र की जानकारी शामिल रहेगी। तलाकशुदा एवं विधवा-विवाह हेतु भी पंजीयन किया जाएगा। परिचय सम्मेलन का शुभारंभ भगवान रामचंद्र की पूजा के पश्चात होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन, अध्यक्षता डॉ. रमन सिंह स्पीकर छत्तीसगढ़ शासन, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम, टंकराम वर्मा, रूप कुमारी चौधरी सांसद, नवीन मार्कंडेय प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व विधायक आरंग, रामू रोहरा महापौर धमतरी, प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार धीवर, महासभा कोषाध्यक्ष पवन कुमार धीवर, महासचिव महासभा रामलाल पेंडरिया, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष संध्या हिरवानी, कर्मचारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष बसंत निषाद व मुख्य रूप से समस्त प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ धीवर (ढीमर) समाज महासभा रायपुर के प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी तथा 33 परगना अध्यक्षगण उपस्थित रहेंगे। इस परिचय सम्मेलन में पालक-गण अपने विवाह-योग्य पुत्र-पुत्रियों के लिए योग्य वर-वधु की तलाश कर सकेंगे। महासभा युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पुरुषोत्तम धीवर ने सभी स्वजातीय भाई-बहनों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सम्मेलन को सफल बनाएं।

मार्शल आर्ट स्पर्धा में समोदा के खिलाड़ियों ने जीते पदक

आरंग। आरंग युवा एवं खेल संगठन द्वारा संचालित समोदा मार्शल आर्ट क्लब के 14 खिलाड़ियों ने अंबिकापुर में आयोजित 3वीं राज्य स्तरीय क्वान-की-डो चैंपियनशिप में भाग लिया। सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 7 खिलाड़ियों यज्ञश्री सिन्हा, रोशनी साहू, गीतांजलि साहू, किरण साहू, कुमकुम यादव, पूनम बंजारे, अपर्णा साहू ने स्वर्ण पदक जीता।

वहीं 7 खिलाड़ियों जागृति साहू, रोशनी साहू, खुशी साहू, गीतिका साहू, मंजूषा साहू, नेहा जांगड़े, अंजली साहू ने रजत पदक हासिल कर आरंग विधानसभा के साथ-साथ समोदा नगर पंचायत को गौरवान्वित किया। समोदा मार्शल आर्ट क्लब की प्रशिक्षिका रानी सगरवंशी ने बताया कि ये सभी खिलाड़ी आगामी जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम का नेतृत्व करेंगे। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर समोदा के पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष नंद कुमार साहू, आरंग युवा एवं खेल संगठन अध्यक्ष अमन साहू, तथा समोदा मार्शल आर्ट क्लब से रानी सगरवंशी एवं विमल गिधौरे ने शुभकामनाएं दीं।

ग्राम सकरी में शराब की अवैध बिक्री जोरों पर

चंदखुरी। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के ग्राम सकरी में पिछले कई महीनों से अवैध शराब की बिक्री जोरों पर है। गांव के कुछ कुख्यात शराब कोचिया दिन-रात खुलेआम देशी व विदेशी शराब की बिक्री कर रहे हैं, जिससे गांव का माहौल बिगड़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि शाम ढलते ही गांव के विभिन्न मोहल्लों, खेतों और सुनसान जगहों पर शराब की होम डिलीवरी तक होने लगी है। ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ये शराब माफिया पुलिस की मिलीभगत से बेखौफ होकर धंधा चला रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चे और युवा इसकी चपेट में आ रहे हैं। आए दिन शराब के नशे में झगड़े, मारपीट और दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन थाना प्रशासन कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा। एक ग्रामीण ने बताया, "रात 8 बजे के बाद तो गांव में शराब की महक ही आने लगती है। बाइक पर बोतलें लटकाकर कोचिए बेधड़क घूमते हैं। कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

गीता जयंती पर गीता की प्रतियां बांटी व चर्चा की

आरंग। सोमवार को मोक्षदा एकादशी श्रीगीता जयंती की अवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा के शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल ने अपने विद्यालय के लाइब्रेरी के लिए बच्चों को श्रीमद्भागवत गीता भेंट किये। साथ ही बच्चों को कक्षा सातवीं में संस्कृत के गीता अमृतमपाठ के श्लोकों व भावार्थ बताते हुए गीता जयंती मनाए जाने के बारे में जानकारी दिए। वहीं आरंग में आयोजित बीआरसीसी मातली नंदन वर्मा के विदाई सह सम्मान समारोह मे पधारे

जिला शिक्षा अधिकारी हिंमाशु भारतीय, डीएमसी अरूण शर्मा, एपीसी पूनम तिवारी, एपीसी माया वर्मा, बीआरसीसी वर्मा व शिक्षक मनोज मुझावड को श्रीमद्भागवत गीता भेंट किये। उन्होंने बताया अब तक वे अपने पिता स्वर्गीय शिवचरण पटेल के स्मृति में करीब चार हजार श्रीमद्भागवत गीता वितरण कर चुके हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने बताया वह विभिन्न अवसरों पर साहित्य वितरण करते हैं। जिससे कि अधिक से अधिक लोग हमारे धर्म ग्रंथों का अध्ययन करें। शिक्षक पटेल द्वारा श्रीमद्भागवत गीता व साहित्य वितरण की पहल की सभी अधिकारियों ने मुक्त कंठ से सराहना किए हैं।

जन्मदिन पर शिक्षक ने कराया न्योता भोज

आरंग। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना अंतर्गत शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला खपरी, संकुल केंद्र भिलाई में आओ खुशियां बॉटो न्योता भोज का आयोजन किया गया। बच्चों को मध्याह्न भोजन में निर्धारित मीनू के अलावा पोषण आहार के रूप मे मिठाई, बिस्कुट पाकेट, चाकलेट व सेव का वितरण किया गया।

साथ में बच्चो को पेन भी प्रदान किया गया। उक्त आयोजन प्राथमिक शाला के शिक्षक मनोजकुमार साहू के जन्मदिन अवसर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अधिक से अधिक पोषण आहार मिल सके, जिससे कि उनका शारीरिक व बौद्धिक विकास हो सके। साथ ही बच्चों, शिक्षकों व पालकों के बीच सौहार्द्र पूर्ण वातावरण का निर्माण हो सके। इस अवसर पर उच्च प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक खम्मन साहू, शिक्षक देवऋषि पात्रे, प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक गोपाल राम चंद्राकर, शिक्षिका ईश्वरी बंजारे, रसोइया सुलोचनी यादव, जानकी यादव व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

धरसींवा विसं में 400 करोड़ का विकास कार्य, विधायक ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनुज शर्मा ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट जारी कर सुशासन और जवाबदेही का नया अध्याय लिख दिया है। 'विकास की नई मिसाल - सेवा के 2 साल' में लिखे विकास की नई राह को सोमवार को एक विशाल प्रेस कांफ्रेंस में रख कर जनता के सामने पेश किया अपना रिपोर्ट कार्ड। इस रिपोर्ट में विधायक ने विभागवार, मदवार और निधिवार विकास कार्यों का लेखा-जोखा सार्वजनिक किया है। क्षेत्र के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी विधायक ने अपने कार्यकाल की कार्यकुशलता की रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखी है। विधायक अनुज शर्मा ने बताया कि पिछले दो वर्षों में धरसींवा विधान सभा की धरती पर लगभग 400 करोड़ के विकास कार्य मूर्तरूप ले चुके हैं, जिनमें वित्तीय वर्ष 2024-25 में ही 240 करोड़ से अधिक का ऐतिहासिक निवेश हुआ है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के 156 करोड़ की तुलना में लगभग 80 करोड़ की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जो स्पष्ट करता है कि धरसींवा अब विकास के एक्सप्रेसवे पर अग्रसर है।

आधारभूत संरचना की मजबूती पर विशेष ध्यान

विकास कार्यों की धुरी आधारभूत संरचना की मजबूती रही है। लोक निर्माण विभाग के माध्यम से 62 करोड़ 17 लाख खर्च कर क्षेत्र में लगभग 65 किलोमीटर सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन किया गया है। विधायक की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि सांकरा-धनेली अंडरपास परियोजना की स्वीकृति रही, जिसे उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी से मिलकर प्राप्त किया। यह परियोजना धरसींवा के यातायात और सुरक्षा के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

269 दीप जलाकर गुरु घासीदास जयंती समारोह का किया शुभारंभ

आरंग। नवा रायपुर सेक्टर-29 स्थित मंदिर प्रांगण में प्रेरणा महिला सेवा समिति की ओर से बाबा गुरु घासीदास जी की 269वीं जयंती पर श्रद्धा और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला। समिति की महिलाओं ने बाबा के 269वें प्राकट्य पर्व पर 269 दीप प्रज्ज्वलित कर गुरु पर्व की शुरुआत की। कार्यक्रम में प्रवक्ता आशा पात्रे ने कहा कि दीप प्रज्ज्वलन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि ज्ञान, शांति और सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि गुरु घासीदास बाबा के "सत्य के मार्ग पर चलो, मनखे-मनखे एक समान" के संदेशों को घर-घर तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर दीपों से सजे परिसर में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए गुरु पंथ की गौरवशाली परंपरा को नमन किया। इस अवसर पर समिति कीअध्यक्षा अश्वनी टंडन, उपाध्यक्ष शारदा बंजारे, महासचिव आशा पात्रे, कोषाध्यक्ष साक्षी बंजारे, सचिव वेणु बांधे, सह-सचिव बबिता पाटले, कार्यकारिणी सदस्य इंदु डहरिया, सुनीता बंजारे, राजकुमारी पाटीला सहित बड़ी संख्या में समाज की महिलाएँ उपस्थित रहीं। गुरु पर्व का यह प्रकाशमय आयोजन पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, सामूहिकता और आध्यात्मिक उत्साह का संदेश दे गया।

कांग्रेस में असभ्य भाषा के प्रयोग करने की होड़ : संतोष पाण्डेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने बिलासपुर में कांग्रेस नेताओं द्वारा जूते-चप्पल दिखाकर असभ्य भाषा के प्रयोग को कांग्रेस की पतित होती जा रही राजनीतिक संस्कृति का परिचायक बताया है। श्री पांडेय ने कहा, लगातार हार से बौखलाई कांग्रेस के लोग अब सार्वजनिक रूप से अपने संस्कारों, आचरण और विचारों के पतन की पराकाष्ठा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस को अपने इस अलोकतांत्रिक व अमर्यादित आचरण के लिए प्रदेश की जनता से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि कांग्रेसियों ने संवैधानिक गरिमा को तार-तार कर जन भावनाओं को अपमानित किया है। श्री पांडेय ने कहा, छत्तीसगढ़ के कांग्रेसियों ने अपने उन्हीं राजनीतिक संस्कारों का प्रदर्शन बिलासपुर में किया।

समारोह में डीईओ, बीईओ सहित शिक्षा जगत से जुड़े कई लोग शामिल हुए

बीआरसीसी वर्मा को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई, पेंशन अदायगी पत्र सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

विकासखंड शिक्षा विभाग में कार्यरत बीआरसीसी मातली नंदन वर्मा की सेवानिवृत्ति पर एक भावभीनी विदाई समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें पेंशन अदायगी पत्र भी सौंपा गया। कार्यक्रम विकासखंड शिक्षा अधिकारी आरंग दिनेश शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। जिसमें समस्त संकुल समन्वयकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर हिमांशु भारतीय की उपस्थिति रहे। संयोगवश उनका जन्मदिन भी इसी दिन पड़ा, जिसे उत्साहपूर्वक केक काटकर सेलिब्रेट किया गया। विदाई समारोह में शिक्षा विभाग, प्रशासन और स्थानीय निकाय के कई प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे, जिन्होंने श्री वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। इनमें प्रमुख रूप से डीएमसी अरुण शर्मा, जिला मिशन रायपुर से पूनम तिवारी और माया वर्मा, प्राचार्य शिरीष तिवारी, पूर्व बीईओ पी. डी. कोसले, तथा पूर्व बीआरसीसी गण राकेश साहू और बघेल सर, धर्मपत्नी तेजवती वर्मा शामिल रहे। इस अवसर को और भी खास बनाने के लिए नगर पालिका परिषद आरंग अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शारदा देवी वर्मा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और श्री वर्मा को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। सभी उपस्थित लोगों ने मातली नंदन वर्मा के शिक्षा के क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण योगदान को याद किया और उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।

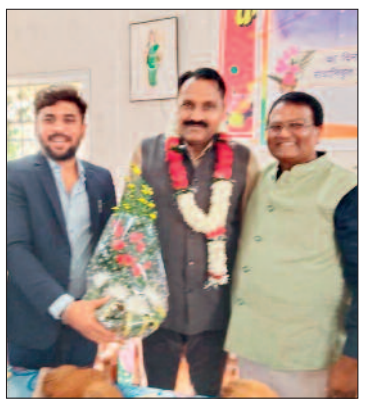

इस अवसर पर डीईओ रायपुर ने विदाई कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए बीआरसीसी वर्मा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बीईओ शर्मा ने अपने वक्तव्य में समन्वयक वर्मा को जागरूक, नेतृत्वक्षम, कार्यकुशल एवं समर्पित व्यक्तित्व बताया। संकुल समन्वयक गण हरीश दीवान, जितेंद्र शुक्ला, प्रहलाद शर्मा, प्रफुल्ल मांझी, मनोज मुछावर, राजमोहन श्रीवास्तव, दीपक दुबे, अभिषेक तिवारी, धनंजय साहू, शिक्षक हरेंद्र साहू, महेंद्र पटेल, ताराचंद जायसवाल आदि ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बीआरसीसी वर्मा शिक्षा एवं संगीत के सशक्त हस्ताक्षर हैं। ज्ञात हो कि मातली नंदन कुशल बांसुरी वादक भी हैं। इस अवसर पर स्वयं बीआरसीसी वर्मा ने कहा कि विदाई एक पावन पल है, और इस पल को सार्थक करने के लिए उन्होंने कुछ नया और रचनात्मक करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि बीते हुए पल उनकी स्मृतियों में सदैव ताज़ा रहेंगे। उपस्थित अनेक शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी उपहारों के माध्यम से उन्हें अग्रिम जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधान पाठक अरविंद कुमार वैष्णव ने किया एवं आभार नए बीआरसीसी आरंग सुरेंद्र सिंह चंद्रसेन (पूर्व समन्वयक लखोली) द्वारा व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लाखेश्वर रात्रे, एडिशनल सीईओ मारुति राव, तथा शिक्षा जगत से प्राचार्य राज्यश्री गुप्ता, माणिक लाल मिश्रा, हरीश शर्मा, संकुल समन्वयक एवं शिक्षक गण – शेख मोहम्मद, नूतन मंडले, पोखन साहू, अनिल चतुर्वेदी, धरम दास पाटिल, छोटूराम साहू, तृप्ति शर्मा, डार्थी टांडी, राजकुमार नारंग, अमित अग्रवाल, कुसुमलता कुर्रे, लखमेंदर बौद्ध, दीनदयाल साहू, उगेश साहू, सुनील पटेल, कुलेश्वर प्रसाद उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय गुरु दर्शन मेले के लिए हुई बैठक

मंदिर हसौद। राजधानी रायपुर के पास स्थित बारा डेरा तुलसी में गुरु अमर दास दर्शन मेला को लेकर छेरछेरा पुन्नी में 3 दिवसीय लगने वाले गुरू दर्शन मेला को लेकर 1दिसंबर को गुरुद्वारा परिसर में गुरु अमर दास संत संघ समिति द्वारा बैठक आयोजित किया । जिसमें मेला में बाजार का ठेका नरेंद्र कुर्रे व पंडाल माइक सेट का काम सौंपा गया। वही अगले बैठक में पंथी, मंगल भजन चौक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा भंडारे की व्यवस्था पर चर्चा करने की बात हुई। जहां बैठक में मेला समिति के अध्यक्ष नारायण प्रसाद कुर्रे रामेश्वर चतुर्वेदी उपाध्यक्ष, सावल दास डहरिया राजमहंत ,विजय डहरिया राजमहंत बिरेंद्र कोसले महासचिव, जनक लाल खेलवार सर्वाकार लक्ष्मण घृतलहरे ,टामेश बघेल, प्रकाश , नरेंद्र कुर्रे जनपद प्रतिनिधि आरंग, घससु घृतलहरे , बिसत घृतलहरे, , पुरुषोत्तम कुर्रे और अन्य समाज के लोग बैठक में उपस्थित हुए।

13 नगर निगमों को मिले 429 करोड़, 26 आइकॉनिक कार्यों से होगा नगरोत्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य शासन ने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत प्रदेश के 13 नगर निगमों में 26 आइकॉनिक कार्यों की योजना को मंजूरी दी है। इसके साथ ही इन कार्यों के लिए 429 करोड़ रुपयों की मंजूरी दी गई है। इसके तहत शहरों में मजबूत अधोसंरचना के विकास के बड़े काम मंजूर किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद योजना के अंतर्गत अब तक 13 नगर निगमों में 26 कार्यों के लिए 429 करोड़ 45 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

इनमें मरीन ड्राइव विस्तार, ऑक्सीजोन-कम-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, अंतरराज्यीय बस टर्मिनल, रोड जंक्शन, हाईटेक बस स्टैंड, ऑडिटोरियम, तालाब सौंदर्यीकरण, उद्यान विकास, जलापूर्ति सुदृढ़ीकरण, कॉरीडोर निर्माण, गौरव पथ निर्माण, सड़क बाइपास एवं चौड़ीकरण जैसे वृहद कार्य शामिल हैं। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के लिए 500 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। स्वीकृत कार्यों में से पांच कार्यों के लिए संबंधित फर्म्स को कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। वहीं पांच कार्यों का भूमिपूजन भी हो गया है।

साय ने कहा- योजना प्रभावी साबित होगी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के बारे में कहा कि इस योजना से शहरों के अधोसंरचना विकास में बड़ा बदलाव आएगा। शहरों के सतत विकास और नागरिक केंद्रित समाधानों को ध्यान में रखते हुए यह योजना तैयार की गई है। छत्तीसगढ़ के शहरों को आधुनिक, सुंदर और जीवंत बनाने में यह योजना प्रभावी साबित होगी। शहरों की सूरत और सीरत बदलने में इसकी अहम भूमिका होगी।

सभी निकायों में लागू होगी योजना

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि जीवंत शहरों के निर्माण और इज ऑफ लीविंग के लिए इस साल के बजट में शामिल कार्ययोजना के अनुसार मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना प्रारंभ की गई है। पहले चरण में राज्य के सभी नगर निगमों को इसमें शामिल किया गया है। चरणबद्ध रूप से इसे सभी नगरीय निकायों में लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से होंगे ये काम

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से प्रमुख रूप से मुख्य सड़क निर्माण एवं मुख्य सड़क चौड़ीकरण कार्य, बाइपास रोड निर्माण, मुख्य सड़क में सर्विस रोड निर्माण कार्य, फ्लाई-ओव्हर निर्माण कार्य, अंडर-पास सड़क निर्माण कार्य,

जलप्रदाय योजना के कार्य, सीवरेज नेटवर्क निर्माण कार्य, एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य, मुख्य सड़कों में रोटरी चौक निर्माण पुनर्व्यवस्था कार्य, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण, हाइटेक बस स्टैण्ड निर्माण, ऑडिटोरियम निर्माण, भव्य उद्यान विकास एवं रिवर-फ्रंट डेवलपमेंट कार्य तथा पर्यटन स्थलों के विकास के कार्य किए जाएंगे। इनके साथ ही शहर की जरूरत के अनुसार अन्य विशिष्ट कार्य भी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के कार्यों की मॉनिटरिंग और निगरानी कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा की जाएगी।

रायपुर को 91 करोड़ 27 लाख

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से रायपुर नगर निगम में कुल 91 करोड़ 27 लाख रुपए के चार कार्यों की स्वीकृति दी गई है। इनमें नौ करोड़ दो लाख रुपए की लागत से 18 रोड जंक्शन्स के विकास, 23 करोड़ 38 लाख रुपए से जल आपूर्ति व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, 18 करोड़ 86 लाख रुपए के महादेव घाट पुनरूद्धार योजना फेज-1 और तेलीबांधा में 40 करोड़ रुपए के टेक्नीकल टॉवर का निर्माण शामिल है। रायगढ़ नगर निगम में कुल 64 करोड़ 66 लाख रुपए के तीन कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 29 करोड़ 57 लाख रुपए का न्यू शनि मंदिर से छठघाट तक मरीन ड्राइव विस्तार, 12 करोड़ 81 लाख रुपए का एफ.सी.आई. के पास ऑक्सीजोन-कम-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकास कार्य और 22 करोड़ 28 लाख रुपए से अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का उन्नयन कार्य शामिल है। बीरगांव नगर निगम में दो कार्यों के लिए 24 करोड़ 75 लाख रुपए से अधिक की राशि मंजूर की गई है। इनमें सात करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से उरला नाला निर्माण (5.08 किलोमीटर) तथा 16 करोड़ 85 लाख रुपए का शनि मंदिर से फिल्टर प्लांट होते हुए कन्हेरा मोड़ तक सड़क निर्माण शामिल है।

बिलासपुर में 57.92 करोड़ के होंगे काम

बिलासपुर नगर निगम में योजना के तहत कुल 57 करोड़ 92 लाख रुपए की लागत के नौ कार्य मंजूर किए गए हैं। इनमें 17 करोड़ रुपए का अशोक नगर-बिरकोनी रोड चौड़ीकरण, नौ करोड़ 74 लाख रुपए का अरपा इंद्रा सेतु से राम सेतु तक अटल पथ निर्माण, पांच करोड़ नौ लाख रुपए का मंगला चौक से आजाद चौक तक सड़क निर्माण, पांच करोड़ 26 लाख रुपए का गुरुनानक चौक से मोपका,राजकिशोर नगर तिराहा तक डामरीकरण एवं नाला निर्माण, दो करोड़ 22 लाख रुपए का रकबंधा तालाब उसलापुर का सौंदर्यीकरण, छह करोड़ 82 लाख रुपए का सिरगिट्टी क्षेत्र में सीसी रोड एवं नाली निर्माण तथा एक करोड़ 70 लाख रुपए का जोन-7 के अंतर्गत सीसी रोड विकास कार्य शामिल हैं। तिफरा में सीसी रोड और नाली निर्माण के लिए छह करोड़ 48 लाख रुपए तथा शहर में स्ट्रीट लाइट व विद्युत लाइट पोल के प्रतिस्थापन के लिए तीन करोड़ 62 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। कोरबा में सीएसईबी चौक से जैन चौक – आईटीआई चौक से कोसाबाड़ी चौक तक गौरव पथ के निर्माण के लिए 36 करोड़ 55 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री से प्रशिक्षु आईपीएस अफसरों की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सोमवार शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। भेंट के दौरान राज्य में प्रशासनिक व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और सजगता के साथ कार्य करने की सलाह दी। श्री साय ने सभी प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें राज्य की कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आईजी अजय यादव, एसपी अभिषेक पल्लव, एएसपी पंकज शुक्ला तथा प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी आदित्य कुमार, अंशिका जैन, प्रतिक दादा साहेब और मानषी उपस्थित थीं।

गिरीश बने कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक

रायपुर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ओबीसी विभाग में उपाध्यक्षों, राष्ट्रीय समन्वयकों और संयुक्त समन्वयकों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रभारी महामंत्री गिरीश देवांगन को एआईसीसी ओबीसी विभाग का राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर बनाया गया है। जारी सूची में 3 उपाध्यक्ष, 60 राष्ट्रीय समन्वयक और 6 संयुक्त समन्वयक बनाए गए हैं।

एसआईआर की सीमा 3 महीने बढ़ाने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों को लेकर कांग्रेस ने आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मुलाकात की। पार्टी का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान ग्रामीणों, किसानों, मजदूरों और दूसरे राज्यों से आई महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने समय सीमा 3 महीने बढ़ाने की मांग रखी। कांग्रेस नेता शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा, इस समय धान कटाई का दौर चल रहा है, ऐसे में किसान और मजदूर घरों से बाहर रहते हैं, जिसके कारण वे एसआईआर की प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पा रहे। दूसरे राज्यों से शादी के बाद छत्तीसगढ़ आई महिलाओं को भी दस्तावेज और पहचान संबंधी औपचारिकताओं में मुश्किलें हो रही हैं।

ये थे शामिल : इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, कुलदीप जुनेजा, जिला अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, ग्रामीण अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, प्रमोद दुबे, गिरीश दुबे, आकाश तिवारी, आकाश शर्मा, उधो राम वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

हर उपार्जन केंद्र में जमा हो रहा है बड़ी मात्रा में धान

अब तक साढ़े 13 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी, लेकिन कहीं से भी उठाव नहीं, उपार्जन केंद्रों में हो रहा है बफर स्टॉक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से शुरू हुई धान खरीदी के बाद अब तक राज्यभर में साढ़े 13 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदा जा चुका है। दूसरी ओर प्रदेश के किसी भी धान उपार्जन केंद्र से धान का एक दाना भी नहीं उठाया गया है। सोसाइटी प्रबंधकों और खरीदी प्रभारियों के लिए यह परेशानी की बात इसलिए है कि अगर उठाव में देर से धान सूखा या किसी तरह से खराब हुआ, तो इसकी जिम्मेदारी उनके सिर आएगी।

राज्य के सभी 33 जिलों की 2 हजार 739 सोसाइटियों और उनके खरीदी केंद्र में 15 नवंबर से धान खरीदी की जा रही है। हर सोसाइटी में धान की आवक भी तेजी से बढ़ रही है। जैसे-जैसे कटाई-मिंजाई तेज होगी और किसानों की उपज तैयार होगी, वे टोकन हासिल कर धान बेचने आएंगे। अभी की स्थिति में ही सोसाइटियों के उपार्जन केंद्रों में धान का स्टॉक बड़ी मात्रा में जमा दिख रहा है।

72 घंटे में परिवहन का नियम बदला

सहकारी धान खरीदी के जानकारों के मुताबिक पिछले साल हुई खरीदी के लिए बनी नीति में यह प्रावधान था कि खरीदी के 72 घंटों बाद से धान का उठाव या परिवहन

72 घंटे में परिवहन का नियम इस साल लागू नहीं

सोसाइटियों में बफर लिमिट हो रही है पार

धान खरीदी के दौरान सोसाइटियों के उपार्जन केंद्रों में धान जमा रखने की एक लिमिट होती है। इसे बफर लिमिट कहा जाता है। जानकारों के अनुसार बड़ी संख्या में सोसाइटियों में भारी मात्रा में धान जमा होने के कारण बफर लिमिट पार हो रही है। सूत्रों के अनुसार अब ये नियम बनाया गया है कि बफर लिमिट से ज्यादा जितना धान होगा उसका डीओ यानि डिलीवरी आर्डर जारी किया जाएगा। बताया गया है कि सरकार ने अब सोसाइटियों की बफर लिमिट को बढ़ाकर करीब दो-गुना कर दिया है।

कराया जाएगा। यह धान स्थानीय मिलरों को मिलिंग के लिए दिया जाता है। इसके साथ ही मार्कफेड के संग्रहण केंद्र में भी ले जाया जाता है, लेकिन इस बार सरकार ने नीति में बदलाव करते हुए 72 घंटे में धान उठाने का प्रावधान हटा दिया है।

पिछले सीजन में शार्टेज का संकट सोसाइटियों पर

खास बात ये है कि पिछले सीजन में राज्य की सैकड़ों सोसाइटियों में धान की मात्रा में सूखत के कारण कमी आई थी। इन मामलों को लेकर सोसाइटी प्रबंधकों को नोटिस जारी कर बकाया धान या उसकी कीमत अदा करने कहा गया था। कई सोसाइटियों के प्रबंधकों के खिलाफ एफआईआर भी करवाए जाने की जानकारी मिली है। इस बार भी प्रबंधकों को इसी बात का डर परेशान कर रहा है।गरमी से आती है धान के वजन में कमीराज्य में खरीदी के समय धान में 17 प्रतिशत नमी मान्य की जाती है। इतनी नमी वाला धान खरीदने के बाद सोसाइटियों में उसे रखा जाता है। लेकिन जब धूप तेज होती है तो धान सूखता है, उसका वजन कम होता है। यही नहीं बारिश होने पर भी धान भीगकर खराब हो जाता है। इसकी जिम्मेदारी भी सोसाइटी प्रबंधक पर ही आती है।

सरकारी अफसर अब मीडिया से बनाएंगे बेहतर संबंध, इसी काम से तय होगी रैंकिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब सरकारी अफसर मीडिया से संबंधों की बेहतरी के लिए काम करेंगे। इस प्रक्रिया के तहत कलेक्टर और सचिव स्तर के अधिकारियों को हर दिन का टारगेट दे दिया है। किस जिले और विभागों को दिन में कितने प्रेस रिलीज जारी करनी है, एक्स, फेसबुक और यूट्यूब पोस्ट करना है, तय कर दिया गया है। सभी में नंबर रखे गए हैं। उसी से रैंकिंग बनेगी और अधिकारियों के परफार्मेंस का मूल्यांकन किया जाएगा।

प्रक्रिया की हो चुकी है शुरुआत

कलेक्टरों को हर महीने प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी होगी तो सचिवों को तीन महीने में। इसकी शुरुआत हो गई है। 26 नवंबर को खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने मीडिया को संबोधित किया, वह इसी योजना का हिस्सा था। 3 दिसंबर को नगरीय प्रशासन के सचिव एस. बसव राजू मीडिया को संबोधित करेंगे। बताया गया है कि जनसंपर्क विभाग ने 47 विभागों के सचिवों की लिस्ट बनाई है। इसमें सचिव के साथ पीआरओ का नाम है। हर सचिव को उनके विभाग को वीकली तीन प्रेस रिलीज, दो सक्सेस स्टोरी, सात फेसबुक पोस्ट और सात एक्स पर ट्वीट का टारगेट दिया गया है। इसी क्रम में कलेक्टरों को भी लक्ष्य दिया गया है। रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग छत्तीसगढ़ के तीन बड़े जिले हैं, इसलिए इनका टारगेट सबसे बड़ा है। इन तीनों जिलों को महीने में 150 प्रेस विज्ञप्ति, 15 मंथली सक्सेस स्टोरी, महीने में चार नेशनल न्यूज, महीने में चार स्टेट लेवल की खबर, महीने में 30 फेसबुक पोस्ट, महीने मे 15 एक्स पर ट्वीट और महीने में एक प्रेस कांफ्रेंस करनी होगी। बाकी जिलों को उनके साइज के आधार पर मीडिया को खबरें देने और सोशल मीडिया पोस्ट का टारगेट मिला है। सभी कलेक्टरों को महीने में एक पीसी करना अनिवार्य होगा।

कांग्रेस में असभ्य भाषा के प्रयोग करने की होड़ : संतोष पाण्डेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने बिलासपुर में कांग्रेस नेताओं द्वारा जूते-चप्पल दिखाकर असभ्य भाषा के प्रयोग को कांग्रेस की पतित होती जा रही राजनीतिक संस्कृति का परिचायक बताया है। श्री पांडेय ने कहा, लगातार हार से बौखलाई कांग्रेस के लोग अब सार्वजनिक रूप से अपने संस्कारों, आचरण और विचारों के पतन की पराकाष्ठा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस को अपने इस अलोकतांत्रिक व अमर्यादित आचरण के लिए प्रदेश की जनता से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि कांग्रेसियों ने संवैधानिक गरिमा को तार-तार कर जन भावनाओं को अपमानित किया है।

श्री पांडेय ने कहा, छत्तीसगढ़ के कांग्रेसियों ने अपने उन्हीं राजनीतिक संस्कारों का प्रदर्शन बिलासपुर में किया जो उन्हें केंद्रीय से लेकर प्रदेश नेतृत्व से विरासत में मिले हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को मौत का सौदागर कहकर जिस असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया, उन्हीं शब्दों का प्रयोग आगे चलकर मोदी की मौत, मोदी की बोटी बोटी काटने तक जा पहुंची और अब राहुल गांधी लगातार प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति अशिष्टता की सारी हदें लांघ रहे हैं और इसकी पराकाष्ठा तब हुई जब बिहार में श्री मोदी की माताजी को दी गई अपशब्दों का प्रयोग पूरे देश ने देखी और सुनी। श्री पांडेय ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व की चापलूसी करके आलाकमान की नजर में अव्वल बने रहने के लिए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसी असंसदीय परंपरा को आगे बढ़ाया और उनकी देखा-देखी प्रदेश के कांग्रेस नेता और पदाधिकारी भी न केवल भाषा का संयम खो रहे हैं अपितु अशिष्ट आचरण की हदें पार कर रहे हैं।

संविधान निर्माण में भूमिका निभाने वाली छग की विभूतियों पर प्रकाशित होगा आधार ग्रंथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारत के संविधान निर्माता के तौर पर हम सभी बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को जानते हैं. लेकिन क्या हम यह भी जानते हैं कि छत्तीसगढ़ की कितनी विभूतियों ने संविधान निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाई है? दुर्ग निवासी रहे घनश्याम गुप्त ने कितना बड़ा योगदान दिया है? अधिकतर लोगों के पास इसकी जानकारी नहीं होगी, क्योंकि इस पर न तो कहीं कोई विस्तारित किताब है और न ही कहीं कोई शोधग्रंथ, न ही कहीं इसे पढ़ाया जा रहा है।

इस विषय को डॉ. रमन सिंह ने अपने निवास (स्पीकर हाउस) में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में रेखांकित किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज निर्माण और छत्तीसगढ़ी राजभाषा बनाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले जागेश्वर प्रसाद की ओर से लिखित किताब 'संविधान निर्माण में छत्तीसगढ़ का योगदान' का विमोचन करते हुए कहा कि यह बहुत ही गौरव की बात है कि हमारे छत्तीसगढ़ की महान विभूतियों ने अपना अतुल्यनीय योगदान दिया है। संविधान का हिंदी अनुवाद करने वालों में घनश्याम गुप्त से लेकर पं. रविशंकर शुक्ल, ठाकुर छेदीलाल बैरिस्टर, ठाकुर रामप्रसाद पोटाई, पं. किशोरी मोहन त्रिपाठी, ठाकुर रघुराज सिंह सहित अगम दास और अन्य शामिल रहे हैं। विमोचन समारोह के मुख्य वक्ता डॉ. देवधर महंत ने कहा कि संविधान निर्माण में छत्तीसगढ़ का जो योगदान रहा है, उसे स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक तिवारी ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर शशांक शर्मा मौजूद रहे। संचालन विजय मिश्रा ने किया और आभार जागेश्वर प्रसाद ने जताया। समारोह में बड़ी संख्या में साहित्यकार, रंगकर्मी, लेखक, पत्रकार भी शामिल हुए।

अब नहीं चलेगी सरकारी कर्मचारियों की लेटलतीफी मंत्रालय में लागू हुआ बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के कर्मचारियों की लेटलतीफी रोकने की तैयारी पूरी हो गई है, क्योंकि आज से मंत्रालय में बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम लागू हो जाएगा, नए सिस्टम के तहत हर कर्मचारी को दिन में दो बार आते-जाते समय अपनी एंट्री दर्ज करानी होगी और अब ड्यूटी पर देर से आने वाले और ऑफिस से जल्दी निकलने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कंट्रोल होगा। सोमवार से मंत्रालय में बायोमेट्रिक अटेंडेंस शुरू हो गई। मंत्रालय के बाद 1 जनवरी से संचालनालय में भी बायोमेट्रिक अटेंडेंस जरूरी हो जाएगी। दरअसल, छत्तीसगढ़ में मंत्रालय में सरकारी कर्मचारियों की लेटलतीफी पर प्रभावी नियंत्रण लगाने के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली आज से पूरी तरह से लागू कर दी गई है। यह कदम सरकारी कार्यप्रणाली में समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। नई व्यवस्था के तहत, मंत्रालय के प्रत्येक कर्मचारी के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे दिन में दो बार अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं।

20 नवंबर से चल रहा था ट्रायल रन

उपस्थिति को सरल और प्रभावी बनाने के लिए मोबाइल ऐप आधारित फेसियल ऑथेंटिकेशन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे कर्मचारी अपने स्मार्टफोन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। अधिकारियों के लिए आधार-सक्षम थंब-बेस्ड बायोमेट्रिक डिवाइसेज का विकल्प भी रखा गया है, जिससे उनकी पहचान सत्यापित होगी और डेटा सीधे सर्वर पर रिकॉर्ड होगा। 20 नवंबर से इस प्रणाली का ट्रायल रन चल रहा था, जिसमें तकनीकी और प्रैक्टिकल पहलुओं की जांच की गई। सफल परीक्षण के बाद इसे आज से मंत्रालय स्तर पर बाध्यतापूर्वक लागू कर दिया गया है।

सभी प्रवेश द्वारों पर बायोमेट्रिक मशीनें लगीं

सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी प्रवेश द्वारों पर बायोमेट्रिक मशीनें स्थापित कर दी हैं। नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दे दिया गया है, ताकि प्रणाली सुचारू रूप से लागू की जा सके। कर्मचारियों को अपने आधार और सेवा संबंधी डेटा पोर्टल पर सही ढंग से अपडेट रखने के निर्देश दिए गए हैं। नई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा।

प्रशासनिक पारदर्शिता की दिशा में कदम

एईबीएएस को लागू करना राज्य सरकार की पारदर्शी, जवाबदेह और आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे मंत्रालयों में समय पालन, अनुशासन और कार्यकुशलता को नई दिशा मिलेगी। सरकार का कहना है कि यह तकनीक-आधारित प्रणाली विभागीय कार्यों को सरल और पारदर्शी बनाएगी और शासन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाएगी।

नेशनल हेराल्ड मामला : सोनिया-राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर का विरोध

कांग्रेस ने किया ईडी कार्यालय का घेराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज होने पर देशभर में कांग्रेस, सरकार और केंद्रीय जांच एजेंसियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भी कांग्रेसियों ने ईडी के दफ्तर का घेराव कर उग्र प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में नेता-कार्यकर्ताओं ने मिलकर ईडी दफ्तर के बाहर केंद्र सरकार और ईडी का पुतला फूंका। सुरक्षा के मद्देनजर मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात था। दरअसल, दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने 30 नवंबर को

सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज की है। इसमें आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और विश्वासघात जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एफआईआर में कुल नौ आरोपी बनाए गए हैं, जिनमें छह व्यक्ति और तीन कंपनियां शामिल हैं। यह एफआईआर ईडी की 3 अक्टूबर की शिकायत पर आधारित है, जिसमें पीएमएलए की धारा के तहत अनुसूचित अपराध दर्ज करने का आग्रह किया गया था।

ये थे मौजूद

प्रदर्शन के दौरान शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन, ग्रामीण अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, शैलेश नितिन त्रिवेदी, कुलदीप जुनेजा, विकास उपाध्याय, प्रमोद दुबे, गिरीश दुबे, उधोराम वर्मा, आकाश तिवारी, प्रवीण साहू, आकाश शर्मा, दिनेश ठाकुर, सुंदर जोगी, सतनाम पराग, देवेंद्र यादव, प्रशांत ठेंगड़ी, देव कुमार साहू, संजय सोनी, दीपा बग्गा, दाऊलाल साहू ,अशोक ठाकुर, अविनय दुबे, जी श्रीनिवास, बंशी कन्नौजे, माधव छुरा, कमल धृतलहरे, आकाश दीवान, प्रवीण चंद्राकर, अनिल रायचुरा, राज देवांगन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सोनिया, राहुल के खिलाफ एफआईआर को कांग्रेस ने बताया भाजपा की खीझ

■ ईडी सत्ता की गुलाम बन चुकी है, इसे भंग कर दिया जाना चाहिए : बैज

नेशनल हेराल्ड केस में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली ईओडब्ल्यू द्वारा एफआईआर किये जाने को कांग्रेस ने भाजपा की खीझ बताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि ईओडब्ल्यू ने ईडी और भाजपा के षड्यंत्र के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। ईडी सत्ता की गुलाम बन चुकी है, इसे भंग कर दिया जाना चाहिये। सोनिया गांधी, राहुल गांधी के खिलाफ रिपोर्ट मोदी के डर को दिखाता है। जिस मुखरता से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मोदी सरकार को लगातार कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। जनता की आवाज उठा रहे हैं, उससे घबरा कर मोदी सरकार ने ईडी के माध्यम से यह षड़यंत्र रचा है। भाजपा की केंद्र सरकार सोच रही है कि ईडी, सीबीआई, आईटी और सुरक्षाबलों को आगे कर कांग्रेस द्वारा जनता के हित में उठाई जाने वाली आवाज को दबा देंगे। कांग्रेस पार्टी और उसका नेतृत्व भाजपा की इन दमनकारी नीति से डरने वाला नहीं। कांग्रेस देश की जनता के हित में देश के लोकतंत्र को बचाने के लिये संघर्ष करती रहेगी। जनता देख रही है कि विपक्ष की आवाज को दबाने के लिये संवैधानिक रूप से बनी संस्थाओं का मोदी सरकार असंवैधानिक उपयोग कर रही है।

खबर संक्षेप

साहित्य सदन में कवियों ने दी प्रस्तुति, बांधा समां

रायपुर। नव छत्तीसगढ़ साहित्य संस्कृतिक संस्थान द्वारा चौबे कॉलोनी स्थित साहित्य सदन में सोमवार को छत्तीसगढ़ स्तरीय काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार कवि संजीव ठाकुर ने की। इसकी शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई। इसके बाद कवयित्री सुमन शर्मा बाजपेई, डॉ. मीता अग्रवाल, युवा कवि ऋषभदेव साहू, कवयित्री भारती यादव, कवि रामजी ध्रुव ने एक संवेदनशील रचना, विवेक कुमार रहटगांवकर ने सुनाकर तालियां बटोरीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार संजीव ठाकुर ने एक छोटी सी बात रखकर तरन्नुम में गजल सुनाई। गजल सुनाकर संजीव ठाकुर ने समां बांध दिया। इस अवसर पर भिलाई से पधारे साहित्यकार कवि नितेश ठाकुर ने भी अपने सुझाव दिए। इस दौरान कवि-साहित्यकार महेश पालीवाल, पत्रकार शशांक खरे उपस्थित थे।

आईएमडी लालपुर में मौसम विज्ञान संबंधी प्रदर्शनी आज

रायपुर। हरियाणा में 6 से 9 दिसंबर को आयोजित इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ) 2025 के अवसर पर भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम विज्ञान केंद्र लालपुर में पूर्वावलोकन कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार 2 दिसंबर को किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत, स्कूल के छात्र-छात्राओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई नवीनतम प्रगति के विषय में परिचित कराया जाएगा। इसमें मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए आवश्यक विभिन्न उपकरणों की कार्यप्रणाली से संबंधित जानकारी भी उन्हें दी जाएगी। कार्यक्रम का विषय विज्ञान से समृद्धि- आत्मनिर्भर भारत के लिए है, जो भारत की समृद्धि एवं आत्म निर्भरता को गति देने हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर बल देता है। इस कार्यक्रम में भारत मौसम विभाग की उपलब्धियों तथा मौसम संबंधी सेवाओं के प्रचार-प्रसार में इस कार्यालय की भूमिका पर भी प्रकाश डाला जाएगा।

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का समापन, बच्चों ने दी सुआ नृत्य की प्रस्तुति

रायपुर। सरस्वती शिशु मंदिर इंद्रावती कॉलोनी में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मणिकर्णिका नृत्य और छोटे बच्चों का सुआ नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता सुमन मुथा और दीक्षा अग्रवाल रहीं एवं अध्यक्षता सविता शर्मा ने की। इस कार्यक्रम में सरस्वती शिक्षा संस्थान के पदाधिकारी बद्रीनाथ केशरवानी, विभाग समन्वयक मोहन पवार, सरस्वती शिशु मंदिर देवेंद्र नगर, टिकरापारा, इंद्रावती कॉलोनी के आचार्य दीदियां, अभिभावक माताएं और मातृ शक्तियां उपस्थित थीं।

स्वास्थ्य कर्मियों ने ली जागरूकता की शपथ

रायपुर। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान एचआईवी/एड्स की रोकथाम, भेदभाव समाप्त करने तथा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी नियमित रूप से प्राप्त करने हेतु सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं एवं मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के रूप में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने वाली आयुक्त सह संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला को विदाई दी गई।

निधन

गोवर्धन लाल यदु

रायपुर। पुरानी बस्ती निवासी गोवर्धन लाल यदु का 1 दिसंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे मारवाड़ी शमशान घाट में किया जाएगा। वे जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के सहायक लेखापाल विनय यदु के पिता थे।

राजधानी एक्सप्रेस में अब आधार ओटीपी से ही मिलेगा तत्काल टिकट, नया नियम लागू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे बोर्ड ने तत्काल टिकट योजना में संशोधन करते हुए आधार आधारित ओटीपी के वेरीफिकेशन को अनिवार्य कर दिया है।

नए नियम से अब यात्रियों को तत्काल बुकिंग के समय आधार ओटीपी सत्यापन पूरा करना आवश्यक होगा। ट्रेन नंबर 12441 बिलासपुर–नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की अगली यात्रा सोमवार 2 दिसंबर को है। इस ट्रेन में यात्रा के लिए तत्काल बुकिंग रविवार को हुई, जिसमें प्रमाण मांगे गए। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रबंधन ने यात्रियों से अपील की है कि वे निर्देशों का पालन करें और बुकिंग के समय आधार ओटीपी का प्रमाण दें, जिससे आगे किभी तरह की परेशानी न आए। तत्काल टिकटों में हो रही गड़बड़ी के मद्देनजर रेलवे प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। फिलहाल रेलवे बोर्ड ने अभी प्रीमियम ट्रेनों के तत्काल टिकट में यह व्यवस्था शुरू की है। भविष्य में इसे सभी ट्रेनों में लागू करने की योजना है।

खास खबर

■ नए नियम से अब यात्रियों को तत्काल बुकिंग के समय आधार ओटीपी सत्यापन पूरा करना आवश्यक होगा

आरक्षण केंद्र में यात्रियों को जागरूक भी किया जा रहा

रेलवे स्टाफ द्वारा आरक्षण केंद्र में यात्रियों को जागरूक भी किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को इस संबंध में सूचना प्राप्त हो सके। साथ ही आवश्यकता अनुसार इस संबंध में यात्री उद्घोषणा प्रणाली से अनाउंसमेंट के भी निर्देश दिए गए हैं। इस सुविधा की प्रक्रिया के अंतर्गत तत्काल आरक्षण की सुविधा लेते समय तत्काल आरक्षण के लिए मांग पत्र में मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य होगा। तत्काल आरक्षण करते समय मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा जिसे आरक्षण काउंटर पर कार्यरत कर्मचारियों को बताना होगा इसके उपरांत ही तत्काल टिकट बन सकेगा।

मैच सुरक्षा के लिए दो हजार जवानों की होगी तैनाती

क्रिकेट मैच के लिए रोड मैप, पार्किंग के साथ स्टेडियम में प्रतिबंधित वस्तु नहीं ले जाने सूची जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहीद वीर नारायण क्रिकेट स्टेडियम में बुधवार को भारत तथा दक्षिण अफ्रीका के बाद वन डे क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन होना है। मैच देखने राज्य के साथ अलग-अलग राज्यों सहित विदेश से लोग आएंगे। मैच देखने 70 हजार से ज्यादा लोगों के आने की संभावना है। स्टेडियम में 65 हजार दर्शक संख्या है। ऐसे में मैच समाप्त होने के बाद भीड़ के साथ ट्रैफिक कंट्रोल करना पुलिस के साथ ट्रैफिक पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। मैच के सुचारू रूप संचालन के लिए आईजी अमरेश मिश्रा, डीआईजी गिरिजाशंकर जायसवाल ने सभी पुलिस अधिकारियों की बैठक ली, साथ ही उन्हें बीसीसीआई की गाइड लाइन के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था करने निर्देश दिए। मैच की सुरक्षा में दो हजार पुलिस जवानों की तैनाती की जाएगी। मैच देखने आने वाले दर्शकों की सुगम आवाजाही तथा खिलाड़ियों के सुरक्षित आवागमन के लिए यातायात पुलिस द्वारा मार्ग एवं जो पार्किंग व्यवस्था निर्धारित की है, वह इस प्रकार से है ।

इन वस्तुओं को ले जाने पर रोक

0 शराब, बीड़ी-सिगरेट, गुटखा तंबाखू, माचिस-लाइटर्स व अन्य ज्वलनशील पदार्थ ।
0 बॉटल, डिब्बे, टिफिन, वाद्य यंत्र।
0 कुर्सी-स्टूल, छाता, रूल, ब्लैड्स, स्केट्स, बोर्ड, डंडा, हॉकी स्टिक, झंडा।
0 आग्नेय अस्त्र, पटाखा, चाकू, कटार, तलवार,कैंची, काटने वाले तेज धारदार व अन्य खतरनाक वस्तु ।
0 खाद्य पदार्थ (बच्चों के खाद्य छोड़कर), कांच का कंटेनर ।
0 हैंड बैग, सूटकेश, लेडीज बैग, कागज का पैकेट
0 लैपटॉप, हैंडीकेम कैमरा, लेजर लाइट, सूचनात्मक लाइट, फ्लैश लाइट ।
0 फरफ्यूम, स्प्रे (सांस का स्प्रे छोड़कर) सीरिंज, पेन, पेंसिल, फुग्गे, खेलने वाले गेंद ।
0 लाउड हैलर, सिटी, हार्न रेडियो, मड़काउ व संकट पैदा करने वाले संकेत, जानवर ।
0 प्रचार उत्पाद सामग्री, सभी प्रकार का सिक्का।

आपात स्थिति से निपटने से सात 108 एंबुलेंस भी तैनात

पासधारी के लिए ऐसी रहेगी पार्किंग

जिन लोगों को मैच देखने जाने के लिए वाहन पार्क करने पास मिला है, उन लोगों के लिए पार्किंग व्यवस्था कुछ इस तरह से है- जिन्हें ए से जी तक अंग्रेजी अल्फाबेट में पास मिला है, वे सेरीखेड़ी ओवरब्रिज होकर नया रायपुर प्रवेश मार्ग से स्टेडियम टर्निंग, डॉ खूबचंद बघेल चौक, कयाबांधा चौक (सेक्टर 15/21) कोटराभांठा चौक (सेक्टर-17/20) से ग्राम सेंध सेक्टर-04/10 होकर स्टेडियम पार्किंग में वाहन पार्क करेंगे।

रायपुर शहर से होकर क्रिकेट स्टेडियम जाने - स्टेडियम जाने के लिए तेलीबांधा थाना तिराहा एनएच-53 होकर सेरीखेड़ी ओवरब्रीज से नया रायपुर मार्ग होकर स्टेडियम तिराहा, साईं अस्पताल रोड होकर साईं अस्पताल पार्किंग व सेंध तालाब पार्किंग में अपना वाहन पार्क कर पैदल स्टेडियम पहुंचेंगे।

बिलासपुर की ओर से स्टेडियम आने वाले - बिलासपुर-रायपुर मार्ग से होकर धनेली नाला से रिंग रोड नंबर- 3 होकर विधानसभा चौक, राजू ढाबा, रिंग रोड नंबर -3 जंक्शन होकर एनएच -53 से मंदिर हसौद होकर नवागांव से स्टेडियम टर्निंग होकर स्टेडियम के पूर्व दिशा स्थित परसदा पार्किंग एवं कोसा पार्किंग में वाहन पार्क करेंगे

बलौदाबाजार-खरोरा- बलौदा बाजार-खरोरा मार्ग से आने वाले दर्शक बलौदाबाजार-रायपुर मार्ग में विधानसभा ओवरब्रीज चौक से रिंग रोड नंबर-3 होकर विधानसभा चौक, राजू ढाबा रिंग रोड नंबर- 3 जंक्शन होकर एनएच- 53 से मंदिर हसौद होकर नवागांव से स्टेडियम टर्निंग होकर स्टेडियम के पूर्व दिशा स्थित परसदा पार्किंग एवं कोसा पार्किंग में अपना वाहन पार्क करेंगे।

जगदलपुर-धमतरी - धमतरी-जगदलपुर की ओर से आने वाले दर्शक अमनपुर से केंद्री, उपरवारा, मंत्रायल चौक, कोटराभाठा, सेंध तालाब होकर साईं अस्पताल पार्किंग व सेंध तालाब पार्किंग में वाहन पार्क करेंगे।

दुर्ग-भिलाई - दुर्ग-भिलाई की ओर से आने वाले दर्शक टाटीबंध से रिंग रोड- 1 होकर पचपेड़ी नाका, तेलीबांधा थाना तिराहा एनएच - 53 होकर सेरीखेड़ी ओवरब्रीज से नया रायपुर मार्ग होकर स्टेडियम तिराहा से साईं अस्पताल रोड होकर सत्य साईं अस्पताल पार्किंग व सेंध तालाब पार्किंग में वाहन पार्क करेंगे।

महासमुंद-सरायपाली - महासमुंद सरायपाली की ओर से आने वाले आरंग से सीधे स्टेडियम टर्निंग होकर स्टेडियम के पूर्व दिशा स्थित परसदा पार्किंग एवं कोसा पार्किंग में वाहन पार्क करेंगे।

मालवाहक वाहनों का प्रवेश निषेध

मैच के दिन नया रायपुर के सभी प्रवेश मार्गों पर सभी तरह के मालवाहक वाहनों का प्रवेश दोपहर 12 बजे से रात 1 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। असुविधा से बचने वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग कर सकते हैं।

क्रिकेट मैच, स्टेडियम के बाहर भीड़ का ख्याल रखने मौजूद रहेंगी डाक्टरों की दर्जनभर टीमें

रायपुर। नवा रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले क्रिकेट मैच के दौरान जुटने वाली भीड़ की सेहत का ख्याल रखने के लिए डाक्टरों की दर्जनभर टीम तैनात रहेगी। स्टेडियम के बाहर 108 संजीवनी एंबुलेंस भी मौजूद रहेगी जो आपात स्थिति होने पर मरीजों को अस्पताल तक ले जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम सुबह से लेकर मैच खत्म होने तक वहां जुटने वाली भीड़ के स्वास्थ्य का ध्यान रखेगी। क्रिकेट स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बुधवार 3 दिसंबर को मैच खेला जाएगा। मैच के दौरान स्टेडियम में हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद रहेंगे। एकत्रित होने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए वहां स्वास्थ्य विभाग की टीम को भी तैनात किया जाएगा। इसके लिए चिकित्सा अधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ की दर्जनभर टीम बनाई गई है, जो विभिन्न गेट के साथ पार्किंग स्थल एवं अन्य स्थानों पर तैनात रहेंगी। इसके साथ ही किसी तरह की अप्रिय स्थिति होने पर जरूरतमंदों को अस्पताल पहुंचाने के लिए अलग-अलग जगह पर एंबुलेंस को तैनात किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की एक विशेष टीम स्टेडियम के भीतर मौजूद रहेगी, जो दर्शकों के साथ खिलाड़ियों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखेगी। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि सभी टीम को प्राथमिक उपचार के बॉक्स के साथ जीवनरक्षक आवश्यक दवा साथ रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मौसम में तीन दिन ठहराव फिर लगेगी ठंड, आज भी छाए रहेंगे हल्के बादल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हवा के साथ आने वाली नमी के असर से मौसम में अगले तीन दिन तक ठहराव रहने की उम्मीद है। इसके बाद तापमान में गिरावट आने से पुनः ठंड लगेगी। छाए हल्के बादलों का प्रभाव बुधवार तक रहने की संभावना है। पिछले चौबीस घंटे में अंबिकापुर का न्यूनतम पारा 11 और रायपुर का 17 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है।

श्रीलंका के तट पर बना चक्रवाती तूफान समाप्त हो गया है मगर इसके प्रभाव से आने वाली नमी का दौर जारी है जिससे छाए बादलों के कारण न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हुई है और ठंड का प्रभाव थोड़ा कम हुआ है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले दो दिन तक बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। इसके बाद पुनः हवा अपना रास्त बदलकर प्रदेश में प्रवेश करेगी जो शुष्क होने की वजह से अपने साथ ठंड लेकर आएगी। पिछले महीने यानी नवंबर में पड़ी ठंड ने कई क्षेत्रों में अपना पिछला रिकार्ड तोड़ा है वहीं रायपुर में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के रिकार्ड तक पहुंचा है।

- अंबिकापुर का न्यूनतम पारा 11, रायपुर का 17 डिग्री के करीब
- शहर की तुलना में नवा रायपुर और माना इलाके में ठंड का प्रभाव काफी ज्यादा है

दिसंबर में भी ठंड का प्रभाव बढ़कर बने रहने की उम्मीद है। ठंड का प्रभाव रिहायशी के बजाए खुले इलाकों में अधिक होता है इसलिए शहर की तुलना में नवा रायपुर और माना इलाके में ठंड का प्रभाव काफी ज्यादा है। वही दिन का मौसम भी अभी सामान्य से कम होने की वजह से ठंडकता लिए हुए है।

परसेंटाइल शून्य करने का प्रस्ताव

नर्सिंग प्रवेश की तारीख 31 दिसंबर करने डीएमई की चिट्ठी रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नर्सिंग एडमिशन की तारीख को 31 दिसंबर करने के लिए चिकित्सा शिक्षा संचालक की चिट्ठी इंडियन नर्सिंग काउंसिल को रवाना कर दी गई है। पत्र में परसेंटाइल के नियम के कारण पात्र बच्चों के प्रवेश से वंचित होने का हवाला दिया गया है। इसमे परसेंटाइल के नियम को भी शिथिल किए जाने का प्रस्ताव दिया गया है। पत्र में निजी नर्सिंग महाविद्यालय संघ के निवेदन और स्वास्थ मंत्री के छात्रहित की भावनाओं का भी जिक्र किया गया है। संचालक चिकित्सा डा. यूएस पैकरा ने भेजे गए पत्र में तर्क दिया गया है कि आईएनसी द्वारा नर्सिंग प्रवेश के लिए सामान्य वर्ग के लिए फीजिक्स, केमेस्ट्री, बायोलॉजी में 45 तथा आरक्षित वर्ग के लिए 40 फीसदी अंक निर्धारित किया गया है। इसके बाद प्रवेश परीक्षा में परसेंटाइल का कटऑफ सामान्य वर्ग के लिये 50 एवं आरक्षित वर्ग के लिये 40

■ परसेंटाइल के नियम के कारण प्रवेश से वंचित बच्चों का दिया हवाला

परसेंटाइल है। इस बाध्यता के कारण प्रतिवर्ष अधिकतर बच्चे जो आईएनसी की पात्रता की योग्यता को पूरा करते हैं, प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के छात्रों को प्रवेश परीक्षा में न्यूनतम परसेंटाइल को अर्जित करना अत्यंत कठिन है। पिछले कई वर्षों से नर्सिंग पाठ्यक्रमों सीट रिक्त होने के बाद इंडियन नर्सिंग काउंसिल तथा राज्य शासन परसेंटाइल को कम कर, प्रदेश के विद्यार्थियों को राहत दे रहे हैं। वर्तमान में बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में कुल 7811 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें काउंसिलिंग के विभिन्न चरणों के बाद 4147 सीटें रिक्त हैं।

क्रेशर खदानों की निगरानी नहीं, इसलिए सुरक्षा मानकों और गाइडलाइन को ठेंगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले में संचालित क्रेशर की कई खदानों में एनजीटी और खनिज विभाग की गाइड लाइन को ताक पर रखकर खनन कराया जा रहा है। हरिभूमि ने सोमवार को जिले के धनसुली सहित आसपास लगे ग्रामों में क्रेशर खदानों की लाइव पड़ताल की। इस दौरान कई चालू खदानों में सुरक्षा मानकों, खनिज विभाग की गाइड लाइन तथा पर्यावरण संबंधित निर्धारित गाइड लाइन के विरुद्ध खनन करते पाया। यहां की क्रेशर खदानों में निर्धारित जमीन के मीटर से कई गुना अधिक मीटर तक बारूद बिछाकर विस्फोट कराया जा रहा है। इस विस्फोट के दौरान सुरक्षा मानकों का भी पालन नहीं हो रहा है, जिससे जनहानि की जहां संभावना बनी रहती है, वहीं विस्फोट करने में अधिकतम कितनी मात्रा में बारूद का उपयोग किया जाना है, इस संबंध में भी कोई निगरानी नहीं की जा रही है। इस तरह क्रेशर खदानों की निगरानी नहीं किए जाने का फायदा खदानों के संचालक उठा रहे हैं।

अलग खबर

सुरक्षा मानकों का भी पालन नहीं : श्रमिकों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) जैसे कि नाक के मास्क, सुरक्षा जूते और हेलमेट प्रदान किए जाने चाहिए। इन खदानों में इसका भी पालन नहीं किया जा रहा है। कई खदानों में लोग बिना सुरक्षा उपकरण के काम करते मिले। सूत्रों के अनुसार जमीन से 6 मीटर से अधिक खुदाई नहीं की जानी चाहिए, लेकिन यहां ऐसी कई खदानें हैं जो 15 मीटर से अधिक गहरी हो चुकी है। कुछ खदानें तो 50 मीटर से अधिक गहरी हैं। इन खदानों में अभी भी खनन का कार्य जारी है।

अनुमति से कई गुना अधिक खनन, राजस्व का नुकसान

जिन क्रेशर खदानों को लीज पर दिया गया है, उन सभी खदानों का दायरा सीमित है। खसरा और रकबा के आधार पर इन खदानों को लीज पर दिया गया है। गाइड लाइन के अनुसार निर्धारित रकबा से अधिक जमीन पर उत्खनन नहीं किया जा सकता, लेकिन सूत्रों की मानें तो यहां ऐसी कई खदानें हैं, जहां निर्धारित से अधिक रकबा में खनन किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि लीज पर देने के बाद कई सालों से इन खदानों के रकबा का सीमांकन ही नहीं हुआ है। ऐसे में कई संचालक निर्धारित से अधिक रकबा में अवैध रूप से खनन कराकर शासन को लाखों-करोड़ों रुपए के राजस्व की क्षति पहुंचा रहे हैं।

जानकारी नहीं

धनसुली क्षेत्र का प्रभार दो इंस्पेक्टर के बीच बंटा हुआ है। अभी तक कोई शिकायत नहीं आई है और न ही क्षेत्र का दौरा किया है। इसीलिए अभी कुछ भी बता नहीं पाऊंगा।
- **हेलेंद्र स्वर्णपाल**, खनिज निरीक्षक रायपुर

शिकायत नहीं मिली

क्रेशर खदानों में नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।
- **स्तुति निगम**, खनिज निरीक्षक

निर्धारित से कई गुना अधिक होल एवं मीटर तक बारूद बिछाकर कर रहे ब्लास्टिंग: *धनसुली में खदानों की पड़ताल के दौरान टीम एक क्रेशर खदान पहुंची। खनिज विभाग ने यहां 3.62 हेक्टेयर में क्रेशर खनन करने की अनुमति दी है। इस खदान में जब टीम पहुंची, उस समय विस्फोट करने के लिए बारूद बिछाने का कार्य विस्फोटक संबंधी एक एजेंसी के कर्मचारी कर रहे थे। खनिज विभाग के सूत्रों के अनुसार खदान में एक बार में 20 से ज्यादा होल नहीं किए जा सकते, वहीं होल की गहराई भी एक मीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके बाद भी इस खदान में 50 से अधिक जगह पर होल किए गए थे, वहीं होल की गहराई भी 6 मीटर से अधिक थी। पूछने पर कर्मचारियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया कि उन्हें जो आदेश मिला है, उसके अनुसार बारूद बिछा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बारूद बिछाने में कई घंटे लग जाते हैं, इस कारण विस्फोट शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच करते हैं।*

क्रेशर से उड़ रही डस्ट से ग्रामवासी परेशान

क्रेशर खदानों में पर्यावरण विभाग के नियमों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। खदानों में धूल उत्सर्जन को रोकने के लिए क्रशिंग और लोडिंग-अनलोडिंग पॉइंट्स पर पानी के छिड़काव की व्यवस्था होनी चाहिए। कन्वेयर सिस्टम और क्रशर मशीनरी को उचित कवर या शेड से ढका जाना चाहिए, वहीं धूल के फैलाव को सीमित करने के लिए प्लांट के चारों ओर पहुंच मार्गों के किनारे घने पेड़-पौधे लगाकर हरित पट्टी विकसित करना है। इन सभी नियमों में से एक भी नियम का क्रेशर खदानों में पालन होता नहीं पाया गया। इसके कारण इन खदानों से उड़ रही धूल इस क्षेत्र के ग्रामों तक पहुंच रही है, जिससे इस क्षेत्र के रहवासी परेशान हैं।

कार सवार से लूट, चंद घंटे के भीतर पुलिस ने बदमाशों को धर-दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खम्हारडीह थाना क्षेत्र में रविवार कार सवार युवक तथा उसके साथी से मारपीट कर सोने की चेन तथा नकदी लूट करने वाले चार बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कार सवार युवक तथा उसके साथी से लूट के आरोप में पुलिस ने जिन बदमाशों को गिरफ्तार किया है, वे सभी आदतन बदमाश हैं। बदमाशों ने कचना रेलवे फाटक के पास कार को बूलेट से ओवरटेक कर रोका, इसके बाद विवाद कर चाकू की नोक पर लूट की। राजेश महिलांगे की शिकायत पर पुलिस ने खम्हारडीह निवासी कामरान अली, रवि साहू, अंकित विभार तथा देवेंद्र नगर निवासी गजेंद्र चौहान को गिरफ्तार किया है। राजेश ने पुलिस को बताया है कि घटना दिनांक को वह अपने दोस्त के साथ कचना जा रहा था। रेलवे फाटक बंद होने की वजह से राजेश ने कार की रफ्तार धीमी कर दी। इस दौरान बूलेट सवार दो युवक कार के पास पहुंचे और कार को ओवरटेक कर रोक लिया।

■ बदमाश ने बुलेट से कार ओवरटेक कर मारपीट कर युवक तथा उसके साथी से की लूटपाट

दोनों बदमाशों ने राजेश पर कार ठीक से नहीं चलाने का आरोप लगाते हुए विवाद किया। इसके बाद दोनों युवक कार का दरवाजा खुलवाकर कार के अंदर सवार हो गए। इस दौरान बदमाशों के दो साथी और पहुंच गए। इसके बाद चारों बदमाश ने मिलकर राजेश तथा उसके साथी से मारपीट कर सोने की चेन तथा कैश लूटकर फरार हो गए।

बढ़ी गाइडलाइन का विरोध दबाने क्रूरता पर उतरी सरकार

रायपुर । जमीन गाइड लाइन में बेतहाशा बढ़ोतरी के अपने तानाशाहीपूर्ण फैसले का विरोध करने वालों के दमन के लिए भाजपा सरकार क्रूर और आतंकी रवैये पर उतर आई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, जमीन गाइड लाइन को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ पूरे प्रदेश में आक्रोश है। बढ़ी हुई गाइड लाइन की दर को लेकर प्रदर्शन कर रहे कारोबारियों, आम नागरिकों पर भाजपा सरकार द्वारा दुर्ग में बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज और महिलाओं तक को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। सरकार ने अपना फैसला जनता पर जबरिया थोपा है, जब जनता उसका विरोध कर रही, तो सरकार दमनात्मक कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जवाब दें कि वे अपनी सरकार द्वारा जनता पर थोपे गये इस फैसले को लेकर चुप क्यों हैं? जनता को मुख्यमंत्री के जवाब का इंतजार है। मुख्यमंत्री अपने वित्तमंत्री के तुगलकी फैसले के बारे में मौन व्रत छोड़कर सामने आएं। उन्होंने कहा, न किसी से चर्चा, न सुझाव, न ही दावा आपत्ति का अवसर, अचानक अनुचित फैसले थोप दिये गये।

पेज 11 के शेष ...

छह साल से पेटियों में बंद 22 ...

प्रबंधन दोनों मशीनों के संचालन और मेंटनेंस की एजेंसी तय करने आउटसोर्सिंग करेगा। इसके लिए टेंडर जारी करने की तैयारी की जा रही है। इस दौरान दोनों मशीनों की जांच के लिए शुल्क का निर्धारण किया जाएगा और आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के हितग्राहियों को उनकी पात्रता के अनुसार इन मशीनों से जांच का लाभ मिलेगा। दोनों मशीनों को फरवरी 2018 में कैंसर के मरीजों की बढ़ती संख्या और जांच के बाद सटीक इलाज के लिए मशीन खरीदी की प्रक्रिया पूरी की गई थी। दोनों मशीनों को कैंसर विभाग में स्थापित किया गया था। इसके बाद इसके संचालन के लिए एजेंसी तय करने का काम शुरू किया जाना था इसी दौरान बिना अनुमति इसकी खरीदी का विवाद शुरू हो गया और मशीन को एक कमरे में बंद कर दिया गया।

बंद होंगी नेकी की दीवारें, पुराने...

दीवार लाखों खर्च कर बनवा तो दी, पर सालों तक देखरेख नहीं होने, आगजनी और चोरी जैसी घटनाओं के कारण नेकी की दीवार बदरंग हो गई। स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने अपने इस प्रोजेक्ट में न वहां कैमरा लगवाया, न किसी एजेंसी को देखरेख की जिम्मेदारी दी। स्थिति ये है कि नेकी की दीवार में न लोग पुरानी सामग्री देने आगे आ रहे, न ही जरूरतमंदों तक सामग्री पहुंचाने की व्यवस्था है। इसीलिए अब निगम खुद दानदाताओं के पास जरूरतमंदों के लिए सामग्री दान लेने पहुंचेगा।

सूदखोर रोहित तोमर भगोड़ा...

सीएसपी राजेश देवांगन के अनुसार वर्ष 2013 में हत्या के मामले में वीरेंद्र तोमर का बिलासपुर हाईकोर्ट ने रीव्यू पिटीशन खारिज कर दिया है। हत्या के प्रकरण में वीरेंद्र तोमर की निचली अदालत में अंतिम सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। सूदखोरी के विवाद में वीरेंद्र तोमर पर एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या करने का आरोप है। दोनों भाइयों के खिलाफ अलग-अलग थानों में 16 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

52 फॉर्मेसी कॉलेजों को वापस...

निर्धारित मापदंड के आधार पर सीटों की अनुमति देता है। ऐसे में सीटों की संख्या घटाना या बढ़ाना विवि के अधिकार क्षेत्र के बाहर है। उसे केवल संबद्धता संबंधित अन्य शर्तों के आधार पर संबद्धता प्रदान करने का ही अधिकार है। कोर्ट ने विवि के निर्णय को नियमविरूद्ध पाते हुए महाविद्यालयों की सीट संख्या पूर्ववत करने आदेश दिया था। इस आदेश को सीएसवीटीयू ने डबल बेंच में चुनौती दी थी, लेकिन पुनः महाविद्यालयों के पक्ष में फैसला सुनाया गया है।

खबर संक्षेप

छग सिंधी महापंचायत का नाट्य मंचन 'जर्नी आफ सिंधीस' 7 को

रायपुर। पूज्य छग सिंधी महापंचायत द्वारा एक जीवंत नाट्य मंच जर्नी आफ सिंधीस का आयोजन किया जा रहा है। महापंचायत के प्रवक्ता दिनेश अठवानी एवं पवन प्रीतवानी ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि नाट्य मंचन 7 दिसंबर को शाम 5 बजे से मेकाहारा स्थित अटल सभागृह में आयोजित है। निर्देशक मोहित सेवानी एवं कलाकार नाट्य मंचन की प्रस्तुति देंगे, जिसमें ब्रिटिश हुकूमत की गुलामी से मुक्त भारतवर्ष का चंद राजनीतिक दलों ने सत्ता सुख भोगने हेतु विभाजन किया और इसका दुष्परिणाम यह देखने मिला कि सदियों से सिंध में रहने वाले लाखों सिंधी-हिंदू परिवारों को अपनी मिट्टी से दूर जाना पड़ा। नाट्य मंच में आगे बताया गया है कि तत्कालीन समयकाल में भारतीय सिंधी समाज के प्रबुद्धजन आचार्य जेबी कृपलानी, जयरामदास दौलतराम आलिमचंदानी, चोइथराम गिदवानी, लालकृष्ण आडवाणी, विधिक गुरु राम जेठमलानी ने इस पर काफी कुछ लिखा है।

तैयारियों में जुटे समाजजन : पहले आओ-पहले पाओ की तर्ज पर समूची टीम पूर्व विधायक रायपुर उत्तर व संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी, अध्यक्ष अमर गिदवानी, कार्यकारी अध्यक्ष द्वय राजेश वासवानी, इंदर डोडवानी, महामंत्री द्वय राधाकिशन सुंदरानी, जीतू बडवानी, कोषाध्यक्ष रवि ग्वालानी, महिला अध्यक्ष भावना कुकरेजा व टीम, युवा अध्यक्ष महेश आहूजा व टीम, सुदेश मंध्यान, अशोक मलानी, अमरदास खट्टर, संजय मंधान आदि तैयारियों में जुटे हैं।

जिले में अब तक 9.52 लाख क्विंटल धान खरीदी

रायपुर। रायपुर जिले के 139 उपार्जन केंद्रों में तेजी से धान की खरीदी की जा रही है। इसके तहत सोमवार को 2267 किसानों से 1 लाख 13 हजार 981.60 क्विंटल धान की खरीदी की गई। इस प्रकार अब तक जिले में कुल 20155 किसानों से 9 लाख 52 हजार 089.60 क्विंटल की खरीदी हुई है।

जिला स्तरीय युवा उत्सव के लिए पंजीयन शुरू

रायपुर। राज्य में कला और संस्कृति के क्षेत्र में युवाओं को अधिक अवसर प्रदान करने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025-26 का आयोजन करने जा रहा है। इसके तहत 15 से 29 आयु वर्ग के युवा लोकनृत्य, पंथी नृत्य, राउत नाचा, सुवा नृत्य, करमा नृत्य, लोकगीत, वाद-विवाद, कहानी लेखन, चित्रकला, कविता लेखन, नवाचार, एकांकी, पारंपरिक वेशभूषा तथा रॉकबैंड आदि खेलों में भाग लेने के लिए 5 दिसंबर तक पंजीयन करा सकते हैं। जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को आगे राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय युवा उत्सवों में प्रतिनिधित्व का अवसर प्रदान किया जाएगा। आरंग, अभनपुर, तिल्दा एवं धरसींवा के प्रतिभागी कलाकार अपनी प्रविष्टियों का पंजीयन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कार्यालय में करा सकेंगे।

टीम इंडिया और साउथ अफ्रीका के क्रिकेटर्स का स्वागत

रायपुर। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से बाहर निकलने के बाद टीम इंडिया और साउथ अफ्रीका के खिलाड़ी जैसे ही मे-फेयर होटल पहुंचे, वहां उनका पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया। खिलाड़ियों को तिलक लगाकर फूलों का गुलदस्ता भेंट किया गया। होटल को विशेष रूप से सजाया गया है, जहां ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच खिलाड़ियों की एंट्री हुई। धूमधाम से हुए स्वागत से खिलाड़ी बेहद प्रसन्नचित्त नजर आ रहे थे।

गेट पास के माध्यम से दो बार बेचा था धान, वहीं पकड़ाया

फसल खेत में खड़ी, सोसाइटी में बिक गया धान, एप से पकड़ाया कोचिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

धान खरीदी पूरे प्रदेश में चल रही है। सभी सोसाइटियों में किसान स्वयं अपने पंजीयन नंबर के आधार पर धान लाकर बेचते हैं। डोंगरगांव के मेढा बिक्री केंद्र में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें किसान के खेत में फसल खड़ी है, लेकिन सोसाइटी में उसके नाम से धान बिक्री किया जाना पाया गया।

- सतर्क एप से पकड़ा गया कोचिया, भेजा गया जेल

मिली जानकारी के मुताबिक एक दिसंबर को धान उपार्जन केंद्र मेढा का औचक निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं नायब तहसीलदार द्वारा किया गया। ग्राम राका के फुटकर व्यापारी लालजी सिन्हा द्वारा कृषक लिखन कंवर निवासी पिपरिया तहसील डोगरगढ़ को धोखे में रखकर उनकी कृषक धान पंजीयन के विरुद्ध 28 नवंबर को 260 क्विंटल धान उपार्जन केंद्र मेढा में बिक्री किया जाना पाया गया। उसके बाद पुनः 1 दिसंबर को 244 क्विंटल धान

अवैध विक्रय किए जाने का प्रयास भी किया गया। सत्यापन के दौरान कृषक के खेत में धान कटाई नहीं होना पाया गया। कृषक द्वारा बयान में बताया गया कि लालजी सिन्हा द्वारा झूठी जानकारी एवं प्रलोभन देकर अवैध धान को धान उपार्जन केंद्र में अवैध तरीके से विक्रय के लिए लाया गया था। सत्यापन में यह पुष्टि हो जाने पर व्यापारी द्वारा बार-बार अवैध रूप से धान विक्रय किए जाने का प्रयास किया गया है। ग्राम राका के फुटकर व्यापारी लालजी सिन्हा के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की गई है।

सतर्क ऐप से पकड़ा गया कोचिया : सतर्क ऐप की सतर्कता के चलते किसान के नाम पर धान बेच रहे कोचिए को पकड़ा गया है। जिला प्रशासन द्वारा कोचियों के खिलाफ की जा रही कार्यवाही का व्यापक असर पड़ा है, इससे कोचियों में हड़कंप मचा हुआ है। राजनांदगांव कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश पर धान के अवैध परिवहन और कोचिंयों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर स्वयं इसकी निगरानी कर रहे है। आज इसी बड़ी कार्यवाही में सतर्कता ऐप के माध्यम से यह पता चला है कि राजनांदगांव जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम राका के फुटकर व्यापारी लालजी सिन्हा द्वारा सोसाइटी में दो-दो बार धान बेचा गया है।

एसडीएम ने जांच में पाया सही

एसडीएम डोंगरगढ़ ने शिकायत पर जांच की और अवैध धान बेचे जाने पर उसके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की। कार्रवाई सतर्क एप की टीम की सतर्कता के चलते कार्रवाई सुनिश्चित हुई है। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गेट पास के माध्यम से कोचिया ने दो बार सोसाइटी में धान बेचते नजर आया। इस पर जांच शुरू की गई और जांच को सही पाया गया।

कोचिया भेजा गया जेल

ग्राम राका के फुटकर व्यापारी लालजी सिंन्हा के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की गई है। सत्यापन में यह पुष्टि हो जाने पर व्यापारी द्वारा बार-बार अवैध रूप से धान विक्रय किए जाने का प्रयास किया गया है। लालजी सिन्हा निवासी ग्राम राका के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई कर जेल भेजा गया।

निगम की तंगहाली पर महापौर ने लिया संज्ञान खबर के बाद राजस्व विभाग की मैराथन बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

निगम की आर्थिक तंगहाली, कर्मचारी, अधिकारी के वेतन-पेंशन के पड़े लाले शीर्षक से रायपुर भूमि में प्रकाशित खबर का असर हुआ है। महापौर मीनल चौबे ने सोमवार को महात्मा गांधी सदन में राजस्व विभाग के अधिकारियों, उपायुक्त, आईटी विशेषज्ञ सहित सभी राजस्व अधिकारियों और राजस्व निरीक्षकों की बैठक ली। 4 घंटे तक चली मैराथन बैठक में राजस्व वसूली का मुद्दा जोर-शोर से छाया रहा। महापौर मीनल चौबे दस जोन 10 के राजस्व अधिकारियों से प्रत्येक जोन के 20 बड़े बकायादारों से टैक्स वसूली और नोटिस की जानकारी ली। इस दौरान उन्हें जानकारी मिली कि बड़े बकायदारों से करीबन 150 करोड़ से ज्यादा का प्रापर्टी टैक्स बकाया है। महापौर ने दिसंबर, जनवरी और फरवरी इन तीन माह में 120 करोड़ की राजस्व वसूली करने निर्देश दिए। यानी हर जोन को 20 बड़े बकायादार से प्रति माह कम से कम 40 करोड़ की टैक्स वसूली टारगेट दिया गया है। इसी तरह ऐसे बड़े करदाता जो किस्तों में संपत्ति कर का भुगतान नगर निगम को करना चाहते हैं, उनके लिए पार्टली पेमेंट की सुविधा दिए जाने विभागीय अधिकारियों निर्देशित किया।

- 70 वार्डो के 1400 बड़े बकायादारों के टैक्स वसूली की समीक्षा

नगर निगम का राजस्व महकमा अब राजस्व वसूली के 375 करोड़ के बकाया राशि वसूलने जोर लगाएगा। एसआईआर कार्य में निगम के राजस्व अधिकारियों व कर्मचारियों की डयूटी की वजह से प्रभावित हुए राजस्व वसूली को पूरा करने निगम मुख्यालय के अधिकारी अब जोन के राजस्व महकमा का सहयोग करेंगे। सूत्रों के मुताबिक जोन स्तर पर जिन बड़े बकायादारों से टैक्स वसूली में दिक्कत आ रही है उसके लिए निगम मुख्यालय स्तर पर आला अफसरों की एक टीम बनेगी।

विभाग का दावा- पक्षियों के साथ वन्यजीवों को तीन माह में शिफ्ट करने मिला है निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नंदनवन पक्षी विहार से चोरी छिपे 38 पक्षियों को जंगल सफारी ले जाए जाने पर सफारी प्रबंधन ने स्पष्टीकरण जारी किया है। सफारी प्रबंधन द्वारा जारी स्पष्टीकरण में बताया गया है सीजेडए ने तीन माह के भीतर नंदनवन के सभी जीवों को सफारी में शिफ्ट करने निर्देश दिया है। उसी निर्देश के आधार पर नंदनवन पक्षी विहार से पक्षियों को रविवार को शिफ्ट किया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि नंदनवन से सभी पक्षियों के साथ वन्यजीवों को शिफ्ट करना था तो फिर नंदनवन पक्षी विहार के नाम पर हर साल लाखों रुपए क्यों खर्च किए गए। नंदनवन में चूहों द्वारा पक्षियों का दाना चट करने के साथ चूहों द्वारा पक्षियों के मारे जाने की हरिभूमि में लगातार खबर प्रकाशित होने के बाद नंदनवन पक्षी विहार से आनन-फानन में रविवार को पक्षियों को छोटे से पिंजरे में कैद कर आनन-फानन में जंगल सफारी शिफ्ट किया गया। ग्रामीणों के विरोध के कारण अन्य पक्षियों को नहीं ले जा पाए। चोरी छिपे पक्षी ले जाए जाने से नाराज हथबंद के सरपंच तथा ग्रामीण थाने में पक्षी चोरी की शिकायत दर्ज कराने पहुंचे।

- बड़ा सवाल यह कि फिर नंदनवन के पक्षी विहार में हर वर्ष लाखों रुपए खर्च क्यों किया जा रहा

नौ साल बाद जागा सफारी प्रबंधन : नवा रायपुर में जंगल सफारी का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक नवंबर 2016 को किया गया था। नया जंगल सफारी बनने के बाद सीजेडए ने नंदनवन के वन्यजीवों के साथ पक्षियों को तीन महीने के भीतर शिफ्ट करने निर्देश दिए थे। सफारी प्रबंधन को 2016 के इन्वेंट्री के पक्षियों को ले जाना था। वर्ष 2016 के बाद नंदनवन को नया पक्षी विहार का दर्जा मिला। ऐसे में वर्तमान में पक्षी विहार के पक्षियों को ले जाने का क्या औचित्य। वर्ष 2016 के समय नंदनवन में जो पक्षी रहे होंगे, उनकी अब तक मौत हो गई होगी।

चूहों के हमले से पक्षियों की मौत, घबराए सफारी प्रबंधन ने आनन-फानन में 38 पक्षियों को शिफ्ट किया

सीजेडए के निर्देशों का कितना पालन कर रहा विभाग : सफारी प्रबंधन ने सीजेडए के निर्देशों का हवाला देकर अपने बचाव के लिए स्पष्टीकरण जारी किया है। धरातल में सफारी प्रबंधन सीजेडए के निर्देशों के प्रति कितना गंभीर है, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। जंगल सफारी को जू का दर्जा मिलने के बाद आठ साल तक नंदनवन जू में चार तेंदुआ तथा एक हाइना (लकड़बग्घा) को कमरे में बंद कर रखा गया था। वन्यजीवों को बंधक बनाए जाने की जानकारी सामने आने पर विभागीय अफसरों ने आनन-फानन में तेंदुआ तथा लकड़बग्घा को नंदनवन से सफारी शिफ्ट किया।

वन विभाग का स्पष्टीकरण : केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा नंदनवन जू एवं जंगल सफारी के मान्यता विस्तार के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुसार, यह स्पष्ट रूप से अनिवार्य किया गया है कि पक्षी विहार में कोई भी वन्यजीव नहीं रखा जाएगा तथा सभी पशुओं को 3 माह के भीतर नंदनवन जू एवं जंगली सफारी, नवा रायपुर में स्थानांतरित किया जाएगा।

विभाग का दावा मरने के बाद चूहों ने कुतरा पक्षियों को

विभाग के दावों के मुताबिक पक्षियों की मौत चूहों के कुतरने से नहीं हुई है। मरने के बाद चूहों ने पक्षियों को कुतरा है। ऐसे में सवाल उठता है कि मरने के बाद क्या पक्षियों को जमीन में गाड़ा नहीं जाता, उसे ऐसे ही इनक्लोजर में छोड़ दिया जाता है।

पक्षियों की मौत घोर लापरवाही

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने बयान जारी कर कहा कि नंदनवन पक्षी विहार में चूहों के हमले से लगातार पक्षियों की मौत, अंडों का नष्ट होना और वन्यजीव संरक्षण नियमों का उल्लंघन और घोर लापरवाही का परिणाम है। पूर्व विधायक ने नंदनवन पक्षी विहार से गलत तरीके से पक्षी शिफ्ट किए जाने की आलोचना की है। साथ ही उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एक्सपर्ट व्यू

पक्षी या किसी भी प्रजाति के वन्यजीव की मौत होने के कारणों का पता लगाकर डेड बॉडी निष्पादन करना चाहिए। बीमारी अथवा संक्रमण से मौत होने पर जला देना चाहिए। सामान्य मौत होने पर दफनाना चाहिए, वह भी ऐसी जगह जहां पानी का स्रोत न हो। साथ ही इतनी गहराई में गाड़ना चाहिए कि कोई अन्य जीव बॉडी को खोदकर निकाल न पाए।

- मोहित साहू, पक्षी विशेषज्ञ

62 युवाओं को मिला रोजगार, कलेक्टर ने सौंपा सभी को जॉब ऑफर लेटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने तथा छत्तीसगढ़ के पर्यटन को नई पहचान देने के लिए जिला प्रशासन रायपुर एवं ईज माई ट्रिप के बीच हुए एमओयू के तहत नवाचार प्रोजेक्ट पर्यटन साथी के माध्यम से 62 स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला है। ये सभी युवा शासकीय आईटीआई सड्डू रायपुर में दो माह तक चले विशेष कौशल प्रशिक्षण में शामिल हुए थे। प्रशिक्षण के बाद इन युवाओं को ईज माई ट्रिप प्लानर नई दिल्ली की ओर से जॉब ऑफर किया गया है। कलेक्टर गौरव सिंह ने सभी युवाओं को यह जॉब ऑफर लेटर देते हुए उनका हौसला बढ़ाते हुए कहा कि मेहनत कीजिए, अपने हुनर से दुनिया जीतिए। नए-नए कौशल सीखते रहें और अपने व्यवसाय में नवाचार जोड़ते रहें।

1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चला प्रशिक्षण कार्यक्रम : शासकीय आईटीआई सड्डू रायपुर में प्रारंभ हुए इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम एक अक्टूबर से 30 नवंबर तक आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में कुल 123 युवाओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया था, जिनमें से 62 युवाओं को जॉब ऑफ मिला है। कलेक्टर ने युवाओं को प्रमाण पत्र

वितरण के अवसर पर कहा कि ज्ञान आवश्यक है, लेकिन आपका व्यवहार ही आपका व्यवसाय तय करता है। टूरिस्ट गाइड के रूप में आपका सकारात्मक व्यवहार आपको आगे बढ़ाएगा और नए अवसर प्रदान करेगा। पर्यटन क्षेत्र रिलेशन बिल्डिंग पर आधारित है, इसलिए विशेषज्ञता और विनम्रता दोनों आवश्यक हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से भोरमदेव, राजिम और सिरपुर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर प्रश्न पूछकर उनका प्रायोगिक ज्ञान भी परखा।

पर्यटन उद्योग से संबंधित विषयों पर दिया गया प्रशिक्षण : इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत युवाओं को पर्यटन उद्योग से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें स्थानीय संस्कृति, खान-पान एवं ऐतिहासिक महत्व, सांस्कृतिक संवेदनशीलता एवं व्यवहार, डिजिटल प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन बुकिंग एवं साइबर सुरक्षा, आपातकालीन प्रोटोकॉल व सुरक्षा नियम, ग्राहक सेवा उत्कृष्टता एवं संचार कौशल, व्यावसायिक नैतिकता एवं आचरण शामिल है।

एजेंट लॉगिंग आईडी मिलेगी, शुरू कर सकेंगे स्वयं का पर्यटन व्यवसाय

ईज माई ट्रिप के एकेडमिक हेड सुनील अरोरा ने बताया कि प्रशिक्षुओं को एजेंट लॉगिन आईडी उपलब्ध कराई गई है, जिससे वे स्वयं के पर्यटन व्यवसाय की शुरुआत भी कर सकते हैं। इस दौरान रायपुर के प्रशिक्षणार्थी गोविंद कुमार कोशले ने कहा कि इस प्रशिक्षण ने उन्हें प्रोफेशनल टूरिस्ट गाइड बनने का आत्मविश्वास दिया है। बलौदाबाजार की कुमारी रंजना कश्यप ने बताया कि प्रशिक्षण में साइबर सुरक्षा, डिजिटल प्लेटफॉर्म और गाइडिंग के व्यावहारिक तरीकों की उत्कृष्ट जानकारी मिली है, जो मेरे लिए फायदेमंद रही। उल्लेखनीय है कि एक अक्टूबर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में जिला प्रशासन और ईज माई ट्रिप के मध्य एमओयू हुआ था, जिसके अनुरूप यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित हुआ।

अवैध दवा भंडार, कोर्ट ने सुनाई सजा

रायपुर। जांजगीर-चांपा जिले में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अंतर्गत बिना वैध लायसेंस के दवाओं के भंडारण एवं संचालन से संबंधित दो महत्त्वपूर्ण मामलों में विशेष न्यायालय द्वारा कठोर दंड सुनाया गया है। पहले प्रकरण में आरोपी मनीष पूरन विश्वास को दोषी पाते हुए 6 माह सश्रम कारावास एवं 20 हजार जुर्माना लगाया गया है। वहीं दूसरे विशेष प्रकरण में आरोपी प्रणव दत्त पांडेय को कुल 3 वर्ष एवं 6 माह सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। विभाग ने स्पष्ट किया कि बिना वैध औषधि अनुज्ञप्ति के दवाओं का भंडारण या बिक्री करना दंडनीय अपराध है। साथ ही विभाग द्वारा कोटपा एक्ट के तहत रायपुर के साथ महासमुंद, मनेन्द्रगढ़–भरतपुर–चिरमिरी जिले के औषधि निरीक्षकों द्वारा विगत सप्ताह धारा 4 एवं 6 के तहत विशेष कार्रवाई की गई।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

दलदलसिवनी के 203 पीएम आवासीय कालोनी में पानी की किल्लत भुक्तभोगी बिफरे जोन दफ्तर का किया घेराव, घंटों प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ठंड के मौसम में भी पेयजल की समस्या हो सकती है, सुनने में यह भले अटपटा लगे पर राजधानी रायपुर के दलदल सिवनी के प्रधानमंत्री आवास परिसर में रहने वाले 203 परिवार इससे त्रस्त हैं। परेशानी सुनने वाला कोई नहीं, ऐसे में प्रभावित परिवारों ने सोमवार को मोवा स्थित जोन 9 दफ्तर का घेराव किया। जोन दफ्तर के सामने भुक्तभोगियों ने पानी संकट से राहत दिलाने की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। लोगों का गुस्सा इस

- जमकर नारेबाजी, जोन 9 दफ्तर के सामने प्रदर्शन, टैंकर की ट्रिप बढ़ाने की मांग

बात को लेकर रहा कि पीएम आवासीय परिसर की पानी टंकी को लोगों के यहां पाइप लाइन से कनेक्ट नहीं किया गया है। पानी आपूर्ति के लिए जोन 9 द्वारा जो पानी टैंकर उपलब्ध कराया जा रहा है, उसकी ट्रिप बढ़ाई जाए।

छत्तीसगढ़ सोसाइटी पीएम आवास 203 दलदल सिवनी के अध्यक्ष रविंद्र तिड़के, उपाध्यक्ष दिनेश पटेल, कोषाध्यक्ष कौशल सिन्हा और सचिव मूलचंद धीवर के साथ रहवासियों ने पानी की समस्या दूर करने जोन दफ्तर में प्रदर्शन किया। मेन गेट के बाहर से 203 परिवारों को पानी की किल्लत से हो रही परेशानी की जोन कमिश्नरी द्वारा अनदेखी करने से नाराज दिखे। उनका कहना है कि नगर निगम अपने ही रहवासी इलाकों में पीने का पर्याप्त साफ पानी उपलब्ध नहीं करा पा रहा है, इससे गरीब परिवारों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। शिकायत के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री आवासीय परिसर में पानी की समस्या एक गंभीर विषय है, इसका स्थायी समाधान तत्काल किया जाए।

टैंकर ट्रिप बढ़ाएंगे

जल संकट की समस्या से राहत दिलाने प्रभावितों ने पानी टैंकर प्रतिदिन 5 से 6 ट्रिप करने की मांग की है। आवश्यकता अनुसार पेयजल की डिमांड को देखते हुए पानी टैंकर का ट्रिप बढ़ाया जाएगा। टंकी को पाइप लाइन से कनेक्ट करने टेंडर किया है।

- अंशुल शर्मा सीनियर, कमिश्नर, जोन 9, नगर निगम रायपुर

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 2 दिसंबर 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

अर्जुन को दिए गए उपदेश में निहित...

एजुकेशन अलर्ट

छत्तीसगढ़ में असिस्टेंट प्रोफेसर पदों पर भर्ती के लिए अंतिम तिथि 24 दिसंबर तक

रायपुर। महाविद्यालय (चिकित्सा शिक्षा विभाग) के रिक्त पदों पर भर्ती हो रही है। भर्ती के लिए आवेदन स्टार्ट हो चुके हैं जो निर्धारित अंतिम तिथि 24 दिसंबर 2025 तक जारी रहेंगे। जो भी अभ्यर्थी इस भर्ती के लिए पात्रता पूरी करे हैं वे इसमें शामिल होने के लिए ऑनलाइन माध्यम से सीजीपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट psc.cg.gov.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किये जायेंगे। इस भर्ती में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी ने MD/ MS/ DNB/ MSc Medical आदि किया हो। इसके अलावा 1 जनवरी 2025 को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 25 साल से कम और 40 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी से आने वाले अभ्यर्थियों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी। पद के अनुसार पात्रता की विस्तृत डिटेल के लिए एक बार ऑफिशियल नोटिफिकेशन का अवलोकन अवश्य कर लें।

एप्लिकेशन प्रोसेस

इस भर्ती में आवेदन के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट **psc.cg.gov.in** पर विजिट करें।वेबसाइट के होम पेज पर आपको **Latest** में जाकर **Online Application** पर क्लिक करना है।नए पेज पर **ASSISTANT PROFESSOR [DEPT. OF MEDICAL EDUCATION]**-2025 पर क्लिक करना है।पहले रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल भरकर पंजीकरण कर लेना है। रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन के माध्यम से अन्य डिटेल दर्ज करके फॉर्म भर लें।अब केटेगरी के अनुसार निर्धारित फीस जमा करके फॉर्म को सबमिट कर दें।आवेदन का एक प्रिंटआउट निकालकर अपने पास सुरक्षित रख लें।

आवेदन शुल्क

इस भर्ती में आवेदन के साथ जनरल एवं छत्तीसगढ़ राज्य से बाहर के अभ्यर्थियों को फीस के रूप में 500 रुपये जमा करना होगा। एससी, एसटी, ओबीसी एवं पीडब्ल्यूबीडी (केवल छत्तीसगढ़ के अभ्यर्थी) वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए फीस 400 रुपये तय की गई है। इस भर्ती के माध्यम से विभिन्न विभागों के तहत कुल 125 रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी।

● सस्ती करेंसी वैल्यू, ऑन अराइवल वीजा और 80 हजार से 1 लाख रुपए तक में फॉरेन हॉली-डे पैकेज का उठा रहे फायदा

विदेशी धरती पर नए साल का जश्न मनाने पर्यटकों में उत्साह

दुबई, हांगकांग, इंडोनेशिया, वियतनाम के लिए भरेंगे उड़ान

नए साल का जश्न इस बार राज्य के पर्यटक विदेशी धरती पर सेलिब्रेट करने एक्साइटेड हैं। सबसे ज्यादा उड़ानें टूरिस्टों की दुबई के लिए बुक हो रही हैं। इसके बाद हांगकांग-मकाऊ, वियतनाम, इंडोनेशिया के लिए सबसे ज्यादा नए साल के लिए टूर पैकेज राज्य के पर्यटक बुक करा रहे हैं। व्यास हॉलीडे के प्रबंध संचालक कीर्ति व्यास ने बताया कि राज्य के लोगों में विदेश में हॉली-डे मनाने का क्रेज में भारी बढ़ोतरी देखने मिल रही है।

देश के भीतर गोवा, केरल एमपी, राजस्थान पहली पसंद

रायपुर। खासकर इस नए साल पर सबसे ज्यादा फॉरेन टूर डेस्टिनेशन देशी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। इसकी वजह इन देशों में सस्ते करेंसी मूल्य और 80 हजार रुपए से 1 लाख रुपए तक के पैकेज में फुल लग्जरी हॉली-डे पैकेज बिना किसी वीजा झंझट के उपलब्ध होना है। हांगकांग-मकाऊ, इंडोनेशिया, वियतनाम के लिए तो अराइवल वीजा की सुविधा है। इसमें यात्रियों को यहां पहुंचने पर, हवाई अड्डे या सीमा पर ही वीजा मिल जाता है, बजाय इसके कि उन्हें पहले से आवेदन करना पड़े। वहीं देश और राज्य के अंदर भी अपने-अपने बेस्ट डेस्टिनेशन के लिए नए साल व शीतकालीन छुट्टियों को परिवार, दोस्तों व रिश्तेदारों के साथ यादगार बनाने लोग टूर पैकेज बुक करा रहे हैं।

वहीं बात करें देश के बेस्ट टूर डेस्टिनेशन की तो उसमें गोवा, केरल, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ की पर्यटन स्थल सैलानियों को भा रहा है। इसमें गोवा के लिए प्रति व्यक्ति के लिए 60 से 70 हजार रुपए में टूर पैकेज बुक हो रहे हैं। वहीं केरल के लिए 10 से 12 दिन का टूर पैकेज 80 से 90 हजार रुपए में बुकिंग करा रहे हैं। राजस्थान के उदयपुर, जयपुर तो मध्यप्रदेश का पेंच अभयारण्य, कान्हा किसली, उज्जैन, अमरकंटक, पचमढ़ी आकर्षित कर रहे हैं।

इंडोनेशिया का सबसे पसंदीदा स्थल

इंडोनेशिया का सबसे पसंदीदा और लोकप्रिय पर्यटन स्थल बाली है, जो अपने खूबसूरत समुद्र तटों, सांस्कृतिक मंदिरों और हरियाली के लिए जाना जाता है। इसके अलावा पर्यटक सुमात्रा के ज्वालामुखियों और वन्यजीवों, जावा के ऐतिहासिक मंदिरों और फ्लोरेस के कोमोडो ड्रैगन और क्रेटर झीलों जैसे प्राकृतिक अजूबों के लिए भी यात्रा करते हैं।

राज्य में बस्तर की सुंदरता और संस्कृति विदेशियों को लुभा रही : छत्तीसगढ़ के भीतर सैलानियों की बात करें तो बस्तर का वाटरफॉल, प्राकृतिक सुंदरता और जनजातीय गांव, संस्कृति को देखने बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटकों के साथ-साथ अब प्रदेश व देश के पर्यटक भी बस्तर की खूबसूरती को निहारने खिंचे चले आते हैं।

सैलानियों को दुबई के लिए 4 घंटे में ई-वीजा

दुबई के लिए भारतीय पर्यटकों को 4 घंटे में ई-वीजा उपलब्ध हो जा रहा है। प्रति व्यक्ति 80 हजार रुपए से 1 लाख रुपए तक पैकेज में हॉली-डे टूर मिल रहा है। यहां भारतीय पर्यटकों को दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा, दुबई मॉल में शॉपिंग, मनोरंजन और दुबई एक्वेरियम, डेजर्ट सफारी में ऊंट की सवारी, रेगिस्तानी कैंप में पारंपरिक शो और डिनर का अनुभव, मिरेकल गार्डन में लाखों फूलों से बना एक खूबसूरत बगीचा, पाम जुमेरा में समुद्र में बने एक मानव निर्मित द्वीप पर स्थित लग्जरी होटल और घर, दुबई क्रीक में पारंपरिक अब्रा नावों की सवारी और पुराने बाजार का अनुभव, जो आधुनिक शहर के बीच पारंपरिक दुबई की झलक आकर्षित कर रही है।

वियतनाम की खूबसूरत वादियां बुला रहीं

वियतनाम भारतीय पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय हो रहा है। पर्यटकों का मुख्य आकर्षण हालोंग बे में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, जो चूना पत्थर के द्वीपों और गुफाओं से भरी है। वहीं होई एन एक प्राचीन बंदरगाह शहर है, जो अपनी पीली दीवारों, लालटेन वाली सड़कों और ऐतिहासिक वास्तुकला, सापा में 'बादलों का स्वर्ग' कहा जाने वाला यह स्थान ट्रेकिंग, खूबसूरत चावल के खेतों और जातीय समुदायों के लिए मशहूर है। हो ची मिन्ह सिटी और मेकांग डेल्टा में शहर पुराने और नए आकर्षणों का मिश्रण है, जबकि मेकांग डेल्टा अपने तैरते बाजारों, नहरों और हरियाली के लिए प्रसिद्ध है, जो प्रकृति प्रेमियों और रोमांच चाहने वालों को आकर्षित कर रहा है।

हांगकांग और मकाऊ का आकर्षण

मकाऊ के लिए सेंट पॉल के खंडहर, मकाऊ टॉवर, वेनिसियन मकाऊ और सेनाडो स्क्वायर शामिल हैं। हांगकांग में विक्टोरिया पीक, वोंग ताई सिन मंदिर और विक्टोरिया हार्बर लोकप्रिय हैं। दोनों स्थान अपनी मिश्रित यूरोपीय-एशियाई संस्कृति, आधुनिक आकर्षण और ऐतिहासिक विरासत के लिए प्रसिद्ध हैं। सेंट पॉल के खंडहर, जो 16वीं शताब्दी में बना एक भव्य चर्च का अग्रभाग, मकाऊ के इतिहास का प्रतीक है।

सिटी इवेंट

आस्था के 269 दीपों से श्रद्धालुओं ने जैतखाम को किया रोशनी से जगमग

रायपुर। सतनामी समाज ने 269 दीपों से जैतखाम को रोशन करके अपनी आस्था व्यक्त की। यह एक पारंपरिक और पवित्र कार्यक्रम है, जो सतनामी समाज के आराध्य गुरु बाबा घासीदास की जयंती या किसी विशेष अवसर पर आयोजित किया जाता है। जैतखाम सत्य और पवित्रता का प्रतीक है और समाज के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतीक है। दिसम्बर माह के लगते ही सतनामी समाज के लोग अपने सबसे बड़े त्योहार गुरु घासीदास जयंती की तैयारियां प्रारंभ कर दिए हैं। इस वर्ष गुरुजी की 269वीं जयंती है, जिसे बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके पूर्व राजधानी में 16 दिसंबर को आमापारा से आकर्षक झांकियां के साथ भव्य शोभायात्रा निकलेगी। इसी कड़ी में 1 दिसंबर को गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के प्रदेश अध्यक्ष केपी खण्डे, महासचिव डॉ. जेआर सोनी, उपाध्यक्ष सुंदरलाल जोगी, चंपादेवी गेंदले एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल आदि ने गुढ़ियारी, आंबेडकर चौक, न्यू राजेंद्रनगर आदि क्षेत्रों में स्थित पवित्र जैतखाम में मंगल आरती, पहली आरती जगमग ज्योति.. हीरा पदारथ बरसे ला मोती की सामूहिक स्तुति करते हुए 269वीं जयंती के परिप्रेक्ष्य में 269 दीप प्रज्ज्वलित कर गुरुपर्व शुभारंभ दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। तत्पश्चात वहां उपस्थित समाजजनों ने भी जय-जय सतनाम का जयघोष करते हुए एक-एक दीप जलाकर पूरे जैतखाम परिसर को रोशनी से जगमग कर दिया।

बड़ी संख्या में लोग हुए शामिल

इस अवसर पर अकादमी के पदाधिकारियों ने प्रदेशवासियों से आव्हान किया कि समाज के लोग नशे व मांसाहार का त्याग कर सात्विक रूप से प्रतिदिन गुरुगद्दी व पवित्र जैतखाम की विशेष पूजा-अर्चना कर प्रभात फेरी, मंगल भजन व पंथी के माध्यम से गुरुजी की अमृतवाणियों को जन-जन तक पहुंचाएं। दीप प्रज्ज्वलन के अवसर पर आरके गेंदले, कपिल नारायण भारद्वाज, पं. अंजोरदास बंजारे, मदन मार्कंडेय, शिवनंदन बेरवंश, नरेंद्र कुर्रे, बंशी मारकंडे, ईश्वर जोगी, नंदू मार्कंडेय, गोकुल कुर्रे, डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज, डॉ. दुर्गा राय, योगिता सोनी, मीना मार्कंडेय, रुखमणी जोगी, शीला, खिलेश्वरी, नर्मदा, सुरूज बाई सहित बड़ी संख्या में सतनामी समाज के लोग शामिल हुए।

इंटर्नशिप से युवाओं को अनुसंधान, तकनीकी ज्ञान और राष्ट्रीय सुरक्षा को जानने के अवसर

रायपुर। सोमवार को एनआईटी में सेंटर ऑफ स्पेस एंड इंटरप्लेनेटरी एक्सप्लोरेशन (कोसाईन) सेल द्वारा विशेषज्ञ वक्ता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में एलआरडीई डीआरडीओ बेंगलुरु के उत्कृष्ट वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त) जयकुमार वेंकटरमण शामिल हुए। श्री वेंकटरमण ने अपने व्यक्तव्य में बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) भारत के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने समझाया कि डीआरडीओ स्वदेशी रक्षा तकनीकों के विकास, नवाचार और अनुसंधान के माध्यम से देश की सैन्य क्षमता को सशक्त बनाता है। उन्होंने रडार प्रणाली की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रडार रेडियो तरंगों की सहायता से वस्तुओं की दूरी, दिशा और गति का पता लगाता है, ठीक उसी प्रकार जैसे मनुष्य की आंखें प्रकाश के माध्यम से वस्तुओं को देखती हैं। उन्होंने डीआरडीओ के प्रमुख डोमेन एयरोनॉटिक्स, मिसाइल सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, नेवल सिस्टम और जीवन विज्ञान का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों की यांत्रिक डिजाइन में आने वाली चुनौतियों जैसे ताप प्रबंधन, कंपन, झटकों का सामना और सीमित स्थान में घटकों की व्यवस्था के महत्व को भी समझाया। थर्मल ऊर्जा के संदर्भ में उन्होंने इसके लाभ और सीमाओं पर चर्चा की, जिसमें पर्यावरण-अनुकूलता और स्थायित्व को लाभ तथा उच्च लागत और ताप नियंत्रण को चुनौतियां बताया।

प्रश्नोत्तरी में स्टूडेंट्स हुए इंट्रेक्ट

समारोह का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसका सभी उपस्थित सदस्यों ने लाभ लिया और जयकुमार वेंकटरमण ने उत्साह के साथ उनकी जिज्ञासा को शांत किया। इस दौरान निदेशक (प्रभारी) डॉ. राजेश कुमार त्रिपाठी, मेंटर (कोसाईन) डॉ. एस. सान्याल, मेम्बर (कोसाईन) डॉ. कपिल कुमार सोनी, डॉ. रम्या सेल्वाराज, फैकल्टी मेंबर्स एवं पीएचडी स्कॉलर उपस्थित रहे।

दिव्य भक्ति सत्संग की तैयारी देशभर से जुटेंगे हजारों गुरुभक्त

रायपुर। विश्व जागृति मिशन रायपुर मंडल की अगवानी में आगामी 4 से 7 दिसंबर के बीच इंडोर स्टेडियम में देशभर से जुटने वाले सात हजार से ज्यादा गुरुभक्तों का मेला लगने वाला है। संस्था के संस्थापक सद्गुरु सुधांशुजी महाराज के सानिध्य में दिव्य भक्ति सत्संग का आयोजन होने वाला है। इसके लिए तैयारियों का सिलसिला तेज हो गया है। यह जानकारी रायपुर के अध्यक्ष सुनील सचदेव, विनोद शर्मा, विनोद अग्रवाल, सुशील शर्मा, मीनलकांत अग्रवाल और मीडिया प्रभारी अश्विनी विग ने पत्रकारवार्ता में दी। गुरुजी महाराज चार दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ आएंगे। प्रबुद्धजनों, धर्म प्रेमियों, श्रद्धालुओं, समाजसेवियों को अपनी ओजस वाणी से सत्संग में संबोधित करेंगे। महाराज परसदा स्थित ब्रह्मलोक आश्रम में चल रहे श्री कैलाश मानसरोवर के निर्माण कार्यों का अवलोकन करने और दिशा निर्देश देने भी जाएंगे।

सोहागा मंदिर में देंगे आवास की सुविधा

उन्होंने बताया कि इसमें देश के अलग-अलग राज्यों और शहरों से भी गुरुभक्त आते हैं। ऐसे भक्तों के लिए आवास की सुविधा सोहागा मंदिर की धर्मशाला में दी जाएगी। इसके अलावा सामाजिक भवनों में भी रहने के लिए इंतजाम किए गए हैं। पहले दिन शाम 4.30 से 7.30 बजे तक सत्संग की श्रृंखला में गुरुभक्त जुड़ेंगे। इसके बाद 5 दिसंबर शुक्रवार से 7 दिसंबर रविवार तक प्रातः 9 बजे से 11.30 बजे तक और शाम 5 से 7.30 बजे तक दिव्य भक्ति सत्संग से लोग जुड़ सकेंगे।

कार्नर न्यूज

डॉक्टर्स, इंजीनियर्स और व्यापारियों के सहयोग से वृद्धाश्रम का कराया निर्माण

ऑर्टिस्टिक वाइस फाउंडेशन की पहल पर मनोहर जीवन कल्याण वृद्ध निवास में 13 दिसंबर को करेंगे प्रवेश

परिजनों से उपेक्षित बुजुर्गों के लिए दान में मिली जमीन पर बनाया 'वृद्ध निवास'

रायपुर। स्कूली शिक्षा के दौरान खाली समय में दादा-दादी, नाना-नानी जैसे रिश्तों की चाहत ने तृप्ति लुनिया और उनके चार दोस्तों को चितवन वृद्धाश्रम, लायंस वृद्धाश्रम से जोड़ दिया। इससे उनके साथ समय बिताने की आदत बन गई। विद्यालय की पढ़ाई पूरी करने के बाद सभी दोस्तों ने मिलकर बुजुर्गों को रहने और खाने की सुविधा देते हुए उनके साथ रहने का मन बनाया। इसके बाद एक-एक करके 15 बुजुर्ग माता-पिता वृद्ध निवास का हिस्सा बन गए। चार साल पहले दावड़ा कॉलोनी में किराए का मकान लेकर सहारा देना शुरू किया। तृप्ति ने बताया कि दो साल पहले पुरानी बस्ती के महामाई पारा स्थित 4 हजार वर्गफीट से ज्यादा जमीन क्षेत्र के एक दानदाता से मिली। इसके बाद मनोहर जीवन कल्याण वृद्ध निवास का निर्माण शुरू किया। फाउंडेशन से जुड़े 150 से ज्यादा डॉक्टर्स, इंजीनियर्स , बिजनेसमैन, नौकरीपेशा मेंबर्स और दानदाताओं की मदद से 20 लोगों के लिए सर्व सुविधायुक्त आशियाना बनाने का काम पूरा हो गया।

वृद्ध निवास की क्षमता बढ़ाने का प्रयास जारी

फाउंडेशन की प्रमुख तृप्ति ने बताया कि अभी जिन बुजुर्गों को किराए के मकान में रहने-खाने और इलाज की सुविधा दी जाती है। उनके लिए महामाई पारा में बनकर तैयार मनोहर जीवन कल्याण वृद्ध निवास का 13 दिसंबर को शुभारंभ किया जाएगा। आशियाने में दादा-दादी और नाना-नानी के लिए अलग-अलग बड़े हॉल बनाए गए हैं। एक किचन के साथ एक स्टोर रूम और एक आफिस पहले फेज में बनकर तैयार है। इसे फाउंडेशन के मेंबर समीर ने डिजाइन किया है। भविष्य में आशियाने में 100 बुजुर्गों को रहने की सुविधा देने के लिए प्रयास किया जा रहा है। अभी किराए के पैसे बचाने के लिए दान में मिली जमीन पर वृद्ध निवास बनवा पाए हैं। इसमें किराए के मकान से बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

परिजनों द्वारा बेघर किए गए बुजुर्गों की घर वापसी

बेसहारा बुजुर्गों का सहारा बनने का निर्णय लेने के बाद जब काम शुरू किया तो किराया, राशन, दवा और कपड़ों का खर्च संस्था से जुड़े मेंबर्स की भागीदारी से शुरू किया गया। बाद में जब लोगों को युवाओं की सोच और काम का पता चला तो वे दान देने के साथ तब खास अवसर पर भी परिवार के साथ वृद्ध निवास आने लगे। ऐसे लोगों की सहभागिता से पहले फेज का काम पूरा किया है। संस्था के प्रयास से अभी 15 बुजुर्गों को रहने, खाने, इलाज सहित एक गार्जियन की तरह सुविधा दी जा रही है। बेटे-बहू द्वारा बेघर किए गए 55 बुजुर्गों की काउंसिलिंग के माध्यम से उनकी घर वापसी भी हुई है। तृप्ति ने बताया कि वे समय निकालकर वृद्ध निवास मिलने आते हैं।

वृद्ध निवास कैंपस को दिया है आकर्षक स्वरूप

फाउंडेशन के मेंबर्स ने बताया कि नए आशियाने को तैयार करने में आपसी सहयोग, दानदाताओं की सहभागिता मिली। इससे किराए के मकान में एक तय दायरे में रहने वाले बुजुर्गों को अब बेहतर माहौल मिलने वाला है। अब नए भवन में उन्हें घर-परिवार में होने का भी एहसास होगा। उनके लिए वृद्ध निवास कैंपस को आकर्षक स्वरूप दिया गया है। जहां सुबह-शाम खाली समय बिता सकते हैं। उनके मनोरंजन के लिए मेंबर्स बच्चों को भी लेकर पहुंचते हैं। इससे उन्हें पारिवारिक माहौल भी देने का प्रयास किया जाएगा। जल्द ही बचे हुए निर्माण को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

सिटी लाइव

ब्वॉयज रिसर्च हॉस्टल कैंपस में अब मिलेगी खेल मैदान की नई सुविधा

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के ब्वॉयज रिसर्च हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों को अब खेल मैदान की नई सुविधा मिलेगी। इस खेल मैदान का भव्य उद्घाटन समारोह सोमवार को किया गया। इसमें शोध छात्रावास के विद्यार्थियों सहित विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने खेल मैदान का उद्घाटन करते हुए विद्यार्थियों को खेल, स्वास्थ्य और अनुशासन के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई इस सुविधा का पूर्ण रूप से लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. एके श्रीवास्तव, डीएसडब्ल्यू प्रो. राजीव चौधरी प्रमुख रूप से मौजूद थे। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा के लिए उत्तम स्वास्थ्य के लिए खेलने के लिए भी समय निकालने के लिए प्रेरक संदेश दिया।

टीम भावना को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगा

शोध छात्रावास के मार्गदर्शक, अनुशासन एवं सुव्यवस्था के प्रतीक वार्डन प्रो. बीएल सोनेकर की मौजूदगी में आयोजन किया गया। लिपिक रमेश वर्मा भी इस सफल आयोजन का हिस्सा बने। उन्होंने विद्यार्थियों को खेल एवं स्वास्थ्य से जुड़े उपयोगी सुझाव दिए। उद्घाटन समारोह में छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया और नए खेल मैदान के प्रति खुशी व्यक्त की। यह खेल मैदान विद्यार्थियों के शारीरिक विकास, स्वास्थ्य संवर्धन और टीम भावना को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगा। इसके पहले हॉस्टल में रहने वाले छात्रों को खेल मैदान की सुविधा नहीं मिल पाती थी। ज्यादातर लोग आसपास के खेल मैदानों में आते-जाते थे, अब उन्हें कैंपस में सुविधा मिलेगी।

धर्म लाइव

श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ में शामिल हुए राजेश्री महंत

रायपुर। पुरानी बस्ती टिल्लू चौक स्थित श्रीराम मंदिर में आयोजित श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ में छग राज्य गोसेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष, महामंडलेश्वर, राजेश्री महंत रामसुंदर दास महाराज शामिल हुए। व्यासपीठ पर युवराज पांडे महाराज विराजित हैं। वे श्रोताओं को श्रीमद भागवत महापुराण की कथा का रसपान करा रहे हैं। राजेश्री महंत रामसुंदर दास महाराज ने यहां पहुंच कर व्यासपीठ की पूजा अर्चना की।

श्रीमद भगवत चरित्र का गुणगान करने का अवसर

आचार्यजी ने भी अभिवादन कर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया और कहा कि छत्तीसगढ़ के किसी भी स्थान पर श्रीमद भगवत चरित्र का गुणगान करने का अवसर मिलता है, वहां पितातुल्य राजेश्री महंतजी महाराज मुझे आशीर्वाद प्रदान करने के लिए अवश्य पहुंच जाते हैं। उनका हम पर बहुत ही स्नेह है, उनका आभारी हूं। वे यहां पधारे हैं, संतों का आगमन अत्यंत शुभ माना जाता है। महाराज के साथ सुरेश शर्मा, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, रामलोचन दास सहित उपस्थित थे।

आराधना

नंदीकेश्वर महात्म्य एवं ज्योतिर्लिंग की दिव्य कथा का श्रद्धालुओं ने किया श्रवण

रायपुर। सोमवार को मुकुट नगर उद्यान में भव्य आध्यात्मिक कथा हुई। कथा में राष्ट्रीय संत राजीव नयन महाराज ने नंदीकेश्वर महात्म्य एवं ज्योतिर्लिंग के दिव्य महत्व पर अत्यंत मनोहर एवं प्रेरणादायी प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि नंदी भगवान शिव के प्रथम भक्त और अनन्य सेवक हैं, जिनकी भक्ति एवं सेवाभाव से आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। संत राजीव नयन महाराज ने कहा कि ज्योतिर्लिंगों का दर्शन और स्मरण मनुष्य के जीवन में पवित्रता, शांति और कल्याण का मार्ग खोलता है। उन्होंने बताया कि जो भी भक्त नंदी के कान में अपनी मनोकामना निवेदित करता है, वह सीधे भगवान शिव तक पहुंचती है और शीघ्र पूर्ण होती है। कथा के दौरान पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा और हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा। आयोजन समिति ने बताया कि कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हो रहे हैं और दिव्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

'शहर के आस्था केन्द्रों में गीता जयंती उत्सव भक्तिभाव से मनाई गई। मठ-मंदिरों में सुबह विधि-विधान से पारंपरिक तरीके से पूजा -अर्चना के बाद भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को युद्ध के मैदान में दिए गए गीता के उपदेश में निहित जीवन की महत्ता पर मंथन भी किया।इसमें भक्त परिवारों के साथ ही प्रबुद्धजनों ने भी शिरकत की। दूधाधारी मठ में सत्संग में प्रेरक संदेश देने के लिए महंत रामसुन्दर दास मौजूद थे। वहीं दूसरी ओर इस्कॉन मंदिर टाटीबंध के अध्यक्ष एच.एच सिद्धार्थ स्वामी के मार्गदर्शन में अपरान्ह तीन बजे जयस्तंभ चौक से अनुपम गार्डन तक श्रीमद्र गीता महोत्सव की श्रृंखला में भव्य हरिनाम संकीर्तन यात्रा निकाली गई। इसमें प्रभु भक्त उत्साह के साथ शामिल हुए।'

अर्जुन को दिए गए उपदेश में निहित महत्ता पर मंथन, फूलों से सजे रथ पर गीता के संदेश, जयंती पर हरिनाम संकीर्तन यात्रा

राजधानी के मठ-मंदिरों में पूजा-अर्चना के बाद सत्संग में दिया संदेश, इस्कॉन मंदिर से जुड़े भक्तों ने मनाया महोत्सव

रायपुर। पुरानीबस्ती स्थित श्री दूधाधारी मठ में गीता जयंती श्रद्धा भक्ति के साथ मनाई गई। श्रीमद् भगवद्गीता की स्थापना करके वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजा- अर्चना की गई। परायण के बाद पारंपरिक तरीके से श्रद्धालुओं को केला, मिश्री, नारियल का प्रसाद दिया गया। इसमें पूर्व राज्य गौसेवा आयोग के अध्यक्ष एवं श्री दूधाधारी मठ एवं श्री शिवरीनारायण मठ पीठाधीश्वर राजेश्री महंत रामसुन्दर दास महाराज प्रमुख रूप से शामिल हुए। सभी को गीता जयंती पर सत्संग से जोड़ते हुए कहा है कि श्रीमद् भागवत गीता विश्व के सर्वश्रेष्ठ धर्म ग्रंथो में से एक हैं। भगवान कृष्ण ने अर्जुन को माध्यम बनाकर लोक कल्याण के लिए गीता का उपदेश दिया। सनातन धर्मावलंबियों को इसका नियमित अध्ययन करना चाहिए। इसमें दिए गए उपदेशों को आत्मसात करके जीवन को कृतार्थ कर सकते हैं।

फूलों से सजाए गए आसन पर श्रीमद भागवत गीता

इस्कॉन मंदिर प्रमुख स्वामीजी के मार्गदर्शन में हर साल की तरह गीता जयंती महोत्सव को भक्तिभाव से मनाने की परंपरा निभाई गई।इस कड़ी में सैकड़ो प्रभु कृष्ण के अनुरागी जयस्तंभ चौक पर जुड़े। जहां से अपरान्ह तीन बजे के बाद निकाली गई हरिनाम संकीर्तन यात्रा में भक्ति में डूबे लोग संकीर्तन करते हुए अनुपम गार्डन पहुंचे। इस बीच इनके साथ गीता रथ में फूलों से सजाए गए आसन पर श्रीमद्र भागवत गीता स्थापित किया गया था। वहीं रथ के बाहरी हिस्से में कृष्ण द्वारा दिए गए उपदेश को पोस्टर पर लिखा गया था।इसके अलावा संकीर्तन यात्रा में श्री चैतन्य महाप्रभु एवं नित्यानंद महाप्रभु के श्री विग्रह को धारण करके आगे बढ़ रहे थे। इस महोत्सव में हर वर्ग के लोग शामिल हुए। हरिनाम संकीर्तन यात्रा के दौरान राहगीतों को गीता वितरित की जा रही थी। इसके साथ ही भजन-कीर्तन करते हुए श्रद्धालुओं की यात्रा आगे बढ़ी। इस यात्रा के संदर्भ में बताया गया कि इस तरह का आयोजन लोगों को परंपराओं से जोड़ने और धर्मग्रंथों में दी गई सिख को आत्मसात करने की भावना से प्रेरित करते हुए उपदेशों को जीवन का आदर्श बनाने के लिए प्रेरित करने वाले भजनों की संकीर्तन करते आगे बढ़े। आयोजन के समापन से पहले सत्संग में श्रीमद्र भागवत गीता में प्रभु द्वारा दिए गए संदेश से जुड़े प्रसंगों पर चर्चा की। इससे भारी तादाद में धर्मानुरागी परिवार भी जुड़े। शाम को की गई आरती के बाद प्रसाद वितरण के बाद महोत्सव का समापन किया गया।

जीने की कला सिखाने के लिए चुना युद्ध का मैदान

उन्होंने कहा कि दूधाधारी मठ में परंपरागत रूप से श्रीमद भगवदगीता जयंती हर वर्ष मनाई जाती है। इस वर्ष भी भक्ति भाव से उत्सव की तरह मनाने की परंपरा निभाई गई। इस अवसर पर विशेष रूप से मठ के मुख्तियार रामछबि दास, पुजारी राम अवतार दास, रामदेव दास, राम शिरोमणि दास, राम लोचन दास, हर्ष दुबे, राम तिलक दास, संस्कृत विद्यालय के आचार्य, कौशल साहू, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव सहित प्रमुख लोग शामिल हुए। उन्होंने गीता में दिए गए संदेश के सांसारिक भाव को व्यक्त करते हुए बताया कि भगवान ने अर्जुन के माध्यम से संसार को जीने की कला सिखाने के लिए युद्ध का मैदान चुना, जहां रिश्तों को भूलकर एक-दूसरे को मारने के लिए आतुर थे।

संस्कृति भारती की पहल पर मनाया गया उत्सव

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन...जैसे गीता के श्लोकों गूंज रही। संस्कृत भारती और सरस्वती ज्ञान मंदिर के प्रयासों से धूमधाम से गीता जयंती मनाई गई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में खेमलाल साहू एवं अतिथि के रूप में अशोक साहू तथा मुख्य वक्ता के रूप में सहायक प्राध्यापक प्रवीण झाड़ी एवं आत्माराम साहू ने चर्चा की। डॉ. नरेश राजपूत, विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश कुमार राजपूत ने गीता में भगवान कृष्ण द्वारा दिए गए उपदेश में निहित भावों को लेकर बात की। विद्यालय के छात्रों ने भी गीता के 12 अध्याय का सामूहिक सस्वर पाठ किया। मुख्य वक्ता प्रवीण झाड़ी के अनमोल वचनों ने लोगों को भावविभोर किया।

स्वदेशी मेले में इस बार 350 से अधिक स्टॉल, पारंपरिक व्यंजनों से लेकर हस्तशिल्प तक सबकुछ एक जगह

रायपुर। भारतीय विपणन विकास केंद्र का प्रतिष्ठित स्वदेशी मेला 2025-26 इस वर्ष 18 से 25 दिसंबर तक साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित होगा। मेले के आयोजन से पूर्व 1 दिसंबर की सुबह 9.30 बजे भूमिपूजन विधिवत सम्पन्न हुआ। इस दौरान गणमान्यजनों की उपस्थिति कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब तथा महापौर मीनल चौबे शामिल हुईं। मेला संयोजक केदारनाथ गुप्ता अपनी धर्मपत्नी के साथ भूमिपूजन में उपस्थित हुए। इसके अलावा सहसंयोजक जसप्रीत सिंह सलूजा, स्वागत समिति अध्यक्ष आनंद सिंघानिया, स्वागत समिति सचिव अमरजीत सिंह छाबड़ा, प्रांत संयोजक स्वदेशी जागरण मंच जगदीश पटेल, प्रांत मेला प्रमुख अमर बंसल, प्रबंधक भारतीय विपणन विकास केंद्र सुब्रत चाकी, महिला मेला प्रमुख आरती दुबे, सह महिला प्रमुख सीमा शर्मा, एवं सामाजिक–सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्यजन सम्मिलित हुए।

भूमिपूजन संपन्न, 18 से 25 दिसंबर तक साइंस कॉलेज ग्राउंड में लगेगा मेला

होंगी अनेक प्रतियोगिताएं

प्रबंधक सुब्रत चाकी ने बताया कि स्वदेशी मेला हर वर्ष की तरह इस बार भी भव्य स्वरूप में आयोजित होगा। मेले में 350 से अधिक स्वदेशी उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां सुई से लेकर बड़ी मशीनरी स्तर तक की वस्तुएं एक ही स्थान पर उपलब्ध रहेंगी। प्रतिदिन मेहंदी, रंगोली, चित्रकला, समूह नृत्य सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी। हजारों प्रतिभागियों को मंच प्रदान किया जाएगा। मेले में छत्तीसगढ़ के साथ गुजरात, राजस्थान, पंजाब, ओडिशा, आंध्रप्रदेश तथा अन्य राज्यों की संस्कृति, लोकनृत्य और पारंपरिक भोजन के विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। प्रतिदिन मंच पर लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मेले का विशेष आकर्षण होंगी।

सामाजिक भ्रांति दूर कर एचआईवी पीड़ितों के कानूनी अधिकारों का संरक्षण जरूरी

रायपुर। जिला एवं सत्र न्यायालय में एचआईवी एवं एड्स विषय पर जन-जागरूकता कार्यक्रम रखा गया। विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. युवराज कौशिक, सहायक प्राध्यापक, शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय ने एचआईवी एवं एड्स की रोकथाम, संक्रमण के मार्ग, परीक्षण की आवश्यकता तथा उपचार संबंधी नवीनतम जानकारियों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने तथा एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों के संरक्षण की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में एचआईवी एवं एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना, भेदभाव को कम करना तथा लोगों को उपलब्ध स्वास्थ्य एवं कानूनी सेवाओं की जानकारी प्रदान करना था। आयोजकों ने आगे भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के सचिव अविनाश कुमार पांडे, शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के पीजी स्कॉलर्स, पैरालीगल वॉलंटियर्स, न्यायालय के अन्य सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया। इस तरह से आयोजन में बड़े स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के पदाधिकारी शामिल होकर जन-जागरूकता व्याख्यान में सहयोग प्रदान किया। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

विश्व एड्स दिवस पर जिला एवं सत्र न्यायालय में जागरूकता कार्यक्रम

बीटीआई ग्राउंड में 17 दिवसीय गोंडवाना महोत्सव, हर दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्नर न्यूज

स्कूली बच्चों ने जीता दिल, छत्तीसगढ़ी गीतों और लोकनृत्य पर झूम उठे दर्शक

रायपुर। बीटीआई ग्राउंड में चल रहे गोंडवाना महोत्सव में सोमवार शाम स्कूली बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। विभिन्न जिलों से आए कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में मंच पर लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छत्तीसगढ़ी संस्कृति से सराबोर लोकनृत्य, मधुर वाद्ययंत्रों की धुनों और पारंपरिक गीतों ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। मेले में घूमने पहुंचे लोग भी कार्यक्रम स्थल पर रुककर प्रस्तुतियों का आनंद लेते नजर आए। बता दें कि महोत्सव में विभिन्न आयुवर्ग के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इच्छुक प्रतिभागी रजिस्ट्रेशन कर भाग ले सकते हैं। खास बात यह है कि बच्चों से लेकर महिलाओं तक के लिए अलग-अलग दिन खास प्रतियोगिताएं रखी गई हैं, जिससे सांस्कृतिक विविधता और प्रतिभा दोनों को मंच मिल रहा है। आयोजक वैभव सिंह सिसोदिया और सौरभ सिंह सिसोदिया ने बताया कि हर दिन हजारों लोग मेले में पहुंच रहे हैं। एक बड़ी वजह यह भी है कि यहां प्रवेश पूरी तरह निशुल्क है। साथ ही एक ही छत के नीचे देश-प्रदेश की हस्तशिल्प कलाकृतियां, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम लोगों को आकर्षित कर रहे हैं।

फिल्मी गीतों पर दी नृत्य की प्रस्तुति

गोंडवाना महोत्सव के रंगारंग मंच पर मून लाइट स्कूल के छात्रों ने जैसे ही कदम रखा, पूरे माहौल में उत्साह और ऊर्जा भर गई। पारंपरिक वेशभूषा में सजे बच्चों ने छत्तीसगढ़ी लोकगीतों के साथ-साथ लोकप्रिय फिल्मी गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुतियां दीं। बच्चों के मासूम हाव-भाव, लयबद्ध तालमेल और आत्मविश्वास से भरपूर मंच संचालन ने दर्शकों का दिल जीत लिया। उनके हर स्टेप पर ग्राउंड में मौजूद लोग तालियां बजाते और झूमते नजर आए। बच्चों की प्रस्तुतियों ने न सिर्फ सांस्कृतिक विविधता को दर्शाया, बल्कि यह भी दिखाया कि नई पीढ़ी किस तरह से अपनी परंपरा से जुड़ी हुई है। कार्यक्रम के दौरान पूरा ग्राउंड सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आया और बच्चों की ऊर्जावान प्रस्तुति ने गोंडवाना महोत्सव को और भी खास बना दिया।

ज्योतिष

12 महीने बाद बनेगा बुध व शुक्र का दुर्लभ संयोग, इनकी चमक सकती है किस्मत

वैदिक पंचांग के अनुसार 29 दिसंबर को धनु राशि में शुक्र और बुध का संयोग बनेगा। ऐसे में इस संयोग का प्रभाव सभी 12 राशियों पर देखने को मिलेगा। लेकिन 3 राशियां ऐसी हैं, जिनको इस समय आकस्मिक धनलाभ और करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं। साथ ही भौतिक सुखों की प्राप्ति हो सकती है। वहीं तनावमुक्त रहेंगे।

धनु राशि : यह संयोग आपकी राशि से प्रथम स्थान पर बनेगा। इसलिए इस दौरान आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। साथ ही आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। वहीं सामाजिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि होगी। इस अवधि में शादीशुदा लोगों का दांपत्य जीवन खुशनुमा रहेगा। साथ ही जीवनसाथी की इस समय तरक्की हो सकती है। वहीं अविवाहित लोगों की रिश्ता पक्का हो सकता है। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा और जीवन में खुशहाली आएगी।

कुंभ राशि : यह संयोग आपकी राशि के इनकम और लाभ स्थान पर बनेगा। इसलिए इस दौरान आपकी इनकम में जबरदस्त इजाफा होगा। साथ ही धन का आगमन अच्छा रहेगा। वहीं आमदनी बढ़ने से रुपए की चिंता खत्म होगी। वहीं आपको इस समय निवेश से लाभ के योग बन रहे हैं। आपके मान-सम्मान में वृद्धि और करियर में ग्रोथ मिलने की भी संभावना है। वहीं बुध ग्रह के प्रभाव से आपको इस समय शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में लाभ हो सकता है।

कन्या राशि : यह संयोग आपकी राशि से चतुर्थ भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस समय आपको भौतिक सुखों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही आप कोई वाहन और प्रापर्टी खरीदने की सोच सकते हैं। वहीं आपको अपने जरूरी कार्यों में सफलता मिलेगी और व्यावसायिक क्षेत्र में भी उन्नति के मार्ग मिलेंगे। सामाजिक क्षेत्र में आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही आपको पैतृक संपत्ति और धन की प्राप्ति हो सकती है। वहीं माता और ससुरालीजनों के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

50 साल बाद इन राशियों पर रहेगी सूर्य और शुक्र देव की विशेष कृपा

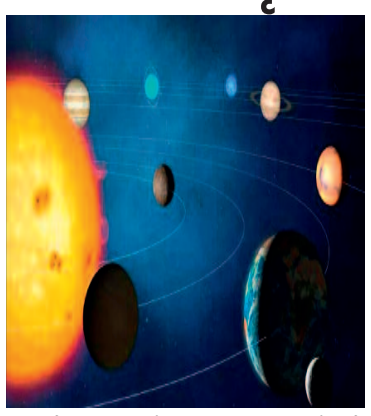

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक दिसंबर में ग्रहों के राजकुमार बुध और ग्रहों के राजा सूर्य धनु राशि में स्थित रहेंगे। वहीं इसके बाद मंगल और शुक्र भी सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे धनु राशि में चतुर्ग्रही योग बनेगा। जिससे कुछ राशियों का भाग्य चमक सकता है। साथ ही आय में वृद्धि और नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं। वहीं मन प्रसन्न रहेगा।

मेष राशि : आप लोगों के लिए चतुर्ग्रही योग अनुकूल सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह योग आपकी राशि से भाग्य स्थान पर बनेगा। इसलिए इस दौरान आपको भाग्य का साथ मिलेगा। साथ ही आप कोई धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। वहीं आप काम- कारोबार के संबंध से यात्रा कर सकते हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में भी उन्नति के मार्ग मिलेंगे। अधिकारों में वृद्धि होगी और जीवन में सुखद अनुभव प्राप्त होंगे। साथ ही इस दौरान छात्रों का विदेश में जाकर पढ़ाई करने की मुराद पूरी हो सकती है।

वृश्चिक राशि : यह योग आपकी राशि से धन भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस समय आपको समय- समय पर आकस्मिक धनलाभ हो सकता है। साथ ही आपके व्यक्तित्व में निखार होगा। वहीं विवाहित जातकों के भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और घर में शांति का माहौल कायम रहेगा। वहीं रुका हुआ पैसा मिलेगा और निवेश भी लाभदायक रहेगा। साथ ही इस समय आपकी वाणी में निखार आएगा।

मीन राशि : यह योग आपकी राशि से कर्म भाव पर बनेगा। इसलिए इस समय आपको काम- कारोबार में विशेष तरक्की मिलेगी। वहीं नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर जूनियर और सीनियर का साथ मिलेगा। साथ ही प्रमोशन मिलने और कमाई बढ़ने के योग भी बने हुए हैं, जिससे मन खुश रहेगा। वहीं व्यापारियों को अच्छा धनलाभ हो सकता है। साथ ही कोरोबार का विस्तार कर सकते हैं।

तासीर गर्म जो ठंड में सेहत के लिए बेहद फायदेमंद साबित होते हैं

सर्दियों में शरीर को गर्म और हेल्दी रखेंगे ये फल, जो ठंड में देंगे जबरदस्त एनर्जी

सर्दियों का मौसम आते ही लोग अपनी डाइट में ऐसी चीजें शामिल करने लगते हैं, जो शरीर को अंदर से गर्माहट दें और ठंड से बचाव करें। इस मौसम में जहां गुनगुने सूप और सूखे मेवे का सेवन बढ़ जाता है, वहीं कुछ फल ऐसे भी हैं जिनकी तासीर गर्म होती है और जो ठंड में सेहत के लिए बेहद फायदेमंद साबित होते हैं। आमतौर पर लोग मानते हैं कि फल ठंडी तासीर के होते हैं, लेकिन सर्दियों में कुछ खास फलों को डाइट में शामिल करने से न केवल शरीर गर्म रहता है बल्कि विटामिन, मिनरल और फाइबर की कमी भी पूरी होती है। आइए जानते हैं ऐसे फलों के बारे में जिन्हें इस मौसम में जरूर खाना चाहिए।

अंजीर

सर्दियों में अंजीर का सेवन शरीर को गर्माहट देता है। इसे ताज़ा या सूखा दोनों रूपों में खाया जा सकता है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के अनुसार, अंजीर में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, फॉस्फोरस, जिंक, कॉपर, मैग्नीज, आयरन और विटामिन सी व बी कॉम्प्लेक्स की अच्छी मात्रा होती है। यह पाचन को दुरुस्त रखता है और इम्युनिटी को मज़बूत करता है।

खजूर

खजूर की तासीर गर्म होती है और यह सर्दी में शरीर को तुरंत एनर्जी देता है। इसे दूध में उबालकर पीना बेहद फायदेमंद रहता है। रातभर भिगोकर सुबह खाली पेट खजूर खाने से पाचन सुधरता है और थकान दूर होती है। खजूर में आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन बी6 जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आप चाहें तो खजूर और ड्राई फ्रूट्स के लड्डू बनाकर भी खा सकते हैं।

चीकू

चीकू का स्वाद जितना मीठा होता है, उसके फायदे भी उतने ही बेहतरीन हैं। इसकी तासीर गर्म होती है और यह विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, कॉपर, आयरन और मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत है। सर्दियों में इसका सेवन पाचन तंत्र को मज़बूत बनाता है और थकान दूर करता है।

पपीता

पपीते की तासीर भी गर्म होती है। यह सर्दियों में पाचन को दुरुस्त रखने के साथ त्वचा को भी हेल्दी बनाए रखता है। इसमें विटामिन सी, प्रोटीन, फोलेट, पोटेशियम और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। नियमित रूप से पपीता खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और सर्दी-जुकाम से बचाव होता है।

फलों को खाने का समय दिन में बेहतर

सर्दियों में इन फलों को दिन में या दोपहर के समय खाना सबसे बेहतर होता है। ठंडी रातों में इनका सेवन सीमित मात्रा में करें ताकि पाचन पर असर न पड़े। सही डाइट और मौसमी फलों का सेवन न सिर्फ शरीर को ठंड से बचाता है बल्कि पूरे सीजन में ऊर्जा और तंदुरुस्ती बनाए रखता है।

किसी के यहां डिनर पर जा रहे हैं, इन बातों का रखें ध्यान तभी छोड़ पाएंगे अच्छा प्रभाव

डिनर किसी भी खास मौके का एक अहम हिस्सा होता है। इस दौरान कई बार हमें कुछ ऐसी बातें पता नहीं होतीं, जो हमें दूसरों के सामने अच्छा प्रभाव छोड़ने में मदद कर सकती हैं। आइए आज हम आपको डिनर से जुड़ी कुछ ऐसी जरूरी बातें बताते हैं, जिनसे आप शायद ही वाकिफ हों। इनसे न केवल आप अच्छा प्रभाव छोड़ पाएंगे, बल्कि आप दूसरों के सामने असहज भी महसूस नहीं करेंगे।

कपड़ों का चयन हो सही : डिनर के लिए कपड़े चुनते समय सबसे पहले इस बात का ध्यान रखें कि कपड़े साफ-सुथरे होने चाहिए, वहीं कपड़ों का रंग और डिजाइन भी साधारण होना चाहिए। अगर आप किसी खास जगह पर डिनर करने जा रहे हैं तो वहां के माहौल को देखते हुए कपड़े चुनें।उदाहरण के लिए अगर आप किसी महंगे रेस्टोरेंट में जा रहे हैं तो वहां की पोशाक के अनुसार कपड़े पहनें।

समय का रखें ध्यान : डिनर पर पहुंचने का समय बहुत अहम होता है। अगर आप किसी खास जगह पर डिनर के लिए जा रहे हैं तो समय पर पहुंचना जरूरी है। समय पर पहुंचने से आप न केवल अपने मेहमानों का सम्मान करते हैं, बल्कि आपको वहां के माहौल को समझने और आनंद लेने का भी मौका मिलता है। अगर आप देर से पहुंचते हैं तो आपके लिए वहां के माहौल को समझना और इसका मजा लेना मुश्किल हो सकता है।

मोबाइल का करें इस्तेमाल कम : डिनर के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल कम करना चाहिए। मोबाइल फोन को टेबल पर रखना या उसका बार-बार देखना आपके मेहमानों को असहज महसूस करा सकता है। अगर जरूरी हो तो थोड़ी देर के लिए मोबाइल को चुप मोड पर रख दें और कोशिश करें कि आप उसे कम से कम इस्तेमाल करें। इससे आप अपने मेहमानों के साथ पूरी तरह से समय बिता पाएंगे और उनका पूरा ध्यान दे पाएंगे।

खाने से पहले टेबल सेटअप को समझें

खाने से पहले टेबल सेटअप को समझना बहुत जरूरी होता है। अगर आप किसी महंगे रेस्तरां में डिनर के लिए जा रहे हैं तो वहां की टेबल सेटअप को ठीक से समझ लें। यह जान लें कि किस कांटे-चम्मच का इस्तेमाल कब करना है और किस प्लेट का इस्तेमाल करना है। इसके अलावा यह भी जान लें कि खाने के दौरान क्या-क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

ध्यान से बातचीत करें

डिनर के दौरान बातचीत करना भी अहम होता है। कोशिश करें कि आप अपने मेहमानों से हल्की-फुल्की बातें करें और उन पर ध्यान दें। अगर कोई मजेदार कहानी सुनाएं या किसी रोचक विषय पर चर्चा करें तो माहौल खुशनुमा रहेगा। इससे न केवल आपका समय अच्छा गुजरेगा बल्कि आपके मेहमान भी खुश रहेंगे और आपका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। इन बातों का ध्यान रखकर आप अपने डिनर को यादगार बना सकते हैं।

सर्दियों में स्वेटर पर आने वाले रोएं को हटाने जानें आसान घरेलू उपाय

सर्दियों का मौसम आते ही अलमारी नए–नए स्वेटरों से भर जाती है, लेकिन इन पर आने वाले रोएं पूरी लुक खराब कर देते हैं। छोटे-छोटे फाइबर बॉल्स स्वेटर को पुराना और डल दिखाने लगते हैं। अगर आपके पसंदीदा स्वेटर पर भी लिंट जम गया है, तो चिंता न करें। कुछ आसान घरेलू टिप्स से इसे मिनटों में साफ किया जा सकता है।

स्वेटर से रोएं हटाने के आसान और कारगर उपाय।

लिंट रिमूवर ब्रश का इस्तेमाल करें : मार्केट में मिलने वाला लिंट रिमूवर सबसे आसान और सुरक्षित विकल्प है। स्वेटर को फ्लैट सतह पर रखें। ब्रश को हल्के हाथों से ऊपर से नीचे की दिशा में चलाएं। कुछ ही मिनटों में फाइबर बॉल्स हट जाएंगे और स्वेटर फिर से नया दिखने लगेगा।

रेजर से हटाएं लिंट : रेजर लगभग हर घर में मौजूद होता है और इससे लिंट आसानी से निकल जाता है। स्वेटर को टेबल पर फैलाकर रखें। बहुत हल्के हाथों से एक ही दिशा में रेजर चलाएं। ध्यान रखें कि जोर से चलाने पर कपड़ा कट सकता है, इसलिए धीरे-धीरे साफ करें।

फैब्रिक शेवर का उपयोग करें : फैब्रिक शेवर बैटरी पर चलता है और लिंट हटाने का एक प्रोफेशनल तरीका है। इसे चलाना आसान होता है और यह जल्दी काम करता है। इस्तेमाल के बाद इसकी सफाई करना जरूरी है, ताकि अगली बार भी यह अच्छे से काम करे।

स्वेटर पर रोएं दोबारा न आएं इन बातों का रखें ध्यान

बड़े दांतों वाली कंघी या ब्रश का इस्तेमाल। हल्के हाथों से ट्राई करें, ये भी लिंट साफ करने में मददगार है। स्वेटर को उल्टा करके रखें।

इससे कपड़ा रगड़ से बचेगा और लिंट बनने की संभावना कम होगी।

हार्ड वॉशिंग पाउडर व मशीन वॉश से बचें : कपड़ों पर ज्यादा केमिकल पड़ने से फाइबर जल्दी टूटता है और लिंट बनता है। गर्म कपड़ों के लिए बने स्पेशल डिटर्जेंट का ही उपयोग करें। अगर मशीन में धोना जरूरी हो तो जेंटल मोड पर ही धोएं और स्वेटर को लॉन्ड्री बैग में डालें। थोड़ी सी सावधानी और सही तरीके अपनाकर स्वेटर पर आने वाले रोएं आसानी से हटाए जा सकते हैं और भविष्य में उनसे बचा भी जा सकता है। इन आसान घरेलू उपायों से आपके स्वेटर पूरी सर्दी नए जैसे और स्मार्ट दिखेंगे।

सर्दियों में बादाम या अंजीर, खाली पेट क्या खाना है ज्यादा फायदेमंद?

सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त गर्माहट और पोषण की जरूरत पड़ने लगती है। ऐसे में लोग ऐसी चीजें खाने की कोशिश करते हैं जो शरीर को अंदर से गर्म रखें और इम्यूनिटी को मजबूत बनाएं। नट्स, खासकर बादाम, अंजीर, किशमिश और छुहारा, ठंड में ऊर्जा और गर्माहट देने के लिए बेहतरीन माने जाते हैं। इनमें से बादाम और अंजीर सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं, लेकिन अक्सर लोग यह तय नहीं कर पाते कि खाली पेट किसका सेवन ज्यादा फायदेमंद है। ऐसे में आपकी उलझन दूर करने के लिए यहां हम विशेषज्ञ की राय, दोनों के न्यूट्रिशन और फायदे विस्तार से समझने जा रहे हैं।

अंजीर आयरन का बेहतरीन सोर्स

अंजीर पोषक तत्वों का खजाना है और खासकर आयरन से भरपूर होता है। इसकी तासीर गर्म मानी जाती है, इसलिए यह सर्दी के मौसम में खास फायदेमंद माना जाता है।

अंजीर के प्रमुख फायदे

आयरन से भरपूर होने के कारण एनीमिया वालों के लिए बेहद लाभकारी। पाचन शक्ति बढ़ाने में मदद। ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में सहायक। एंटीऑक्सीडेंट की अधिकता शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करती है। रेस्पिरेटरी सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक। अंजीर में फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन बी, विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट्स पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं।

बादाम फाइबर और हेल्दी फैट्स का पावरहाउस

बादाम को सुपरफूड कहा जाता है क्योंकि इसमें कई तरह के जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह भी गर्म तासीर वाले नट्स में शामिल है और सर्दियों में शरीर को ताकत देने के लिए बेहद फायदेमंद है।

बादाम के प्रमुख फायदे

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। लंबे समय तक भूख नहीं लगने देता, जिससे वेट कंट्रोल में मदद। याददाश्त बढ़ाने में सहायक। विटामिन ई से भरपूर, जो स्किन व बालों के लिए फायदेमंद। ऊर्जा बढ़ाने में मदद, कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में उपयोगी बादाम में फाइबर, प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

क्यों जेम्स हैं क्रिस्टोफर के भी आगे: आधुनिक सिनेमा की 5 दमदार वजहें

दुनिया इस साल के सबसे बड़े सिनेमाई आयोजन जेम्स कैमरून की अवतारः फायर एंड ऐश का इंतज़ार कर रही है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक वैश्विक घटना बनने जा रही है जो क्रिसमस पर पूरी दुनिया को अपनी ओर खींच लेगी. इसी ऐतिहासिक उत्साह के बीच हॉलीवुड में एक पुरानी बहस फिर तेज हो जाती हैः जेम्स कैमरून बनाम क्रिस्टोफ़र नोलन. दोनों ही असाधारण निर्देशक हैं, लेकिन जब बात आती है कल्पना की सीमाएं तोड़ने, तकनीकी क्रांति खड़ी करने और ऐसी फिल्में रचने की जिन्हें दर्शक घटना की तरह जीते हैं, जेम्स कैमरून का कद कहीं अधिक विशाल दिखाई देता है। जेम्स कैमरून अकेले ऐसे निर्देशक हैं जिनकी दो फिल्मों ने दुनिया के बॉक्स ऑफिस पर नंबर 1 का ताज पहना, टाइटैनिक और अवतार. नोलन की फिल्मों ने भी शानदार सफलता हासिल की है, लेकिन कैमरून की फिल्मों का प्रभाव ऐसा है जिसके सामने हर रिकॉर्ड छोटा पड़ जाता है। वे सिर्फ फिल्में नहीं बनाते, वे बॉक्स ऑफिस की दिशा बदल देते हैं। नोलन कहानी और संरचना के उस्ताद हैं, लेकिन कैमरून ने सिनेमा की तकनीक का भविष्य गढ़ा है। परफॉर्मेंस कैप्चर, उन्नत 3D, पानी के भीतर फिल्मांकन की तकनीक, सीजीआई के नए मानक आज इंडस्ट्री जिन तकनीकों पर चलती है, उनमें से अनेक की शुरुआत कैमरून ने की।

टॉलीवुड

ऑडिशन देने पहुंची थी हीरोइन फिर रोते हुए वापस लौटी थी घर

हीरोइन महेश बाबू की फिल्म के ऑडिशन में गईं और रोते हुए वापस लौटी थी। इस घटना को एक्ट्रेस ने हाल ही में साझा किया, जो अब चर्चा का विषय बन गया है। यह एक्ट्रेस साउथ इंडियन सिनेमा, खासकर तमिल फिल्मों की जानी-मानी स्टार रही है। उन्होंने बताया कि यह घटना साल 1998 में हुई थी।हम जिनकी बात रह रहे हैं, उनका नाम है समीरा रेड्डी। उन्होंने तमिल में सूर्या और अजीत जैसे सितारों के साथ काम किया है। उन्हें गौतम मेनन की फिल्म 'वरणम आयिरम' से सूर्या के साथ काम करके तमिल दर्शकों के बीच पहचान मिली थी। अपनी पहली ही फिल्म में शानदार अभिनय से उन्होंने दर्शकों के दिल में जगह बना ली थी। अजीत के साथ 'असाल' फिल्म में नजर आईं समीरा रेड्डी ने फिर से गौतम मेनन की 'नडुनिसी नायकल' में भी दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाया। हाल ही में एक इंटरव्यू में समीर रेड्डी ने किस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरा पहला फिल्म ऑडिशन था, जो 1998 में हुआ था. उस समय महेश बाबू की फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था. उस दिन मुझे बहुत डर लग रहा था। इसलिए ठीक से एक्टिंग नहीं कर पाई. रोते हुए घर लौट आई। इसके बाद हिम्मत जुटाकर एक म्यूजिक एल्बम में काम किया। कुछ समय पहले समीरा रेड्डी ने इंस्टाग्राम पर ट्रेडिशनल आउटफिट में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। उन्होंने बताया कि ये तस्वीरें 1998 में महेश बाबू की फिल्म के ऑडिशन के लिए ली गई थीं. उस दिन डर के कारण वे ठीक से एक्टिंग नहीं कर पाईं और रोते हुए घर लौट आई थीं।

भोजपुरी

पहली भोजपुरी फिल्म, 62 साल मनाई थी सिल्वर जुबली और ये रिकॉर्ड

यहां आपको भोजपुरी सिनेमा की पहली फिल्म के बारे में बता रहे हैं, जिसने 62 साल पहले इतिहास रच दिया था। फिल्म इतनी हिट थी कि लोग दूर-दूर से इसे देखने पहुंचे थे। टिकट नहीं मिलता था तो रातभर वहीं रुक जाते और अगले दिन फिल्म देखकर जाते थे। बॉलीवुड से लेकर साउथ में ऐसी कई फिल्में भरी पड़ी हैं, जिन्होंने कमाई के रिकॉर्ड बनाए, तो कुछ ऐसे कीर्तिमान भी स्थापित किए, जो आज तक नहीं टूट पाए। कई ऐसी फिल्में रहीं, जिन्होंने सिल्वर जुबली और गोल्डन जुबली बनाई। वहीं कुछ ऐसी फिल्में भी रहीं, जिन्हें देखने के लिए लोग बैलगाड़ियां और ट्रैक्टर में भरकर भी पहुंच जाते थे और थिएटर के बाहर चप्पलें उतारकर फिल्म देखते थे। ऐसी ही एक फिल्म भोजपुरी सिनेमा की भी रही, जिसने 62 साल पहले ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया कि सब देखते रह गए। भोजपुरी सिनेमा की शुरुआत देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के दिए हौसले के बाद एक्टर नजीर हुसैन ने की थी। वो ही भोजपुरी सिनेमा की पहली फिल्म में नजर भी आए थे, और इसने बंपर कमाई की थी। जानते हैं कि यह फिल्म कौन सी है? इस फिल्म का नाम है 'गंगा मैया तोहे पियरी चढ़ैबो', जिसे कुंदन कुमार ने डायरेक्ट किया था। यह साल 1963 में रिलीज हुई थी, और इसमें नजीर हुसैन के अलावा कुमकुम और आशिम कुमार जैसे कलाकार थे। इस फिल्म के गाने लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी ने गाए थे। 'गंगा मैया तोहे पियरी चढ़ैबो' की कहानी लेखक आचार्य शिवपूजन सहाय की शॉर्ट स्टोरी 'कहानी का प्लॉट' पर आधारित थी। 'गंगा मैया तोहे पियरी चढ़ैबो' को 22 फरवरी 1963 को पटना के वीणा सिनेमा में रिलीज किया गया था, और तब इसे देखने के लिए लोग बैलगाड़ियों में भरकर पहुंचे थे। बताया जाता है कि फिल्म का टिकट नहीं मिलता था तो लोग सिनेमाघर के पास ही रात बिताने रुक जाते थे और तब अगले दिन फिल्म देखते थे। इस फिल्म का म्यूजिक और गाने इतने हिट हो गए थे कि हर गली-नुक्कड़ पर सुनाई देते थे।

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने लॉस एंजेलिस में लिली सिंह की ऐनुअल दिवाली पार्टी में जो लुक कैरी किया, उसने इंटरनेट पर धमाल मचा दिया। भूमि ने पहना था डिजाइनर रितु कुमार का लेटेस्ट कूट्योर कलेक्शन 2025 से ज़रदोज़ी स्कर्ट-जैकेट सेट, जो इस शादी सीजन में ब्राइड्समेड्स और वेडिंग गेस्ट्स के लिए बेस्ट फैशन इंस्पिरेशन बन गया है। गोल्ड और नेवी ब्लू शेड के साथ वर्मिलियन (लाल-नारंगी) टच वाले इस क्रॉप जैकेट पर ज़रदोज़ी एम्ब्रॉयडरी की गई थी, जो देखने में बेहद रॉयल लग रही थी।

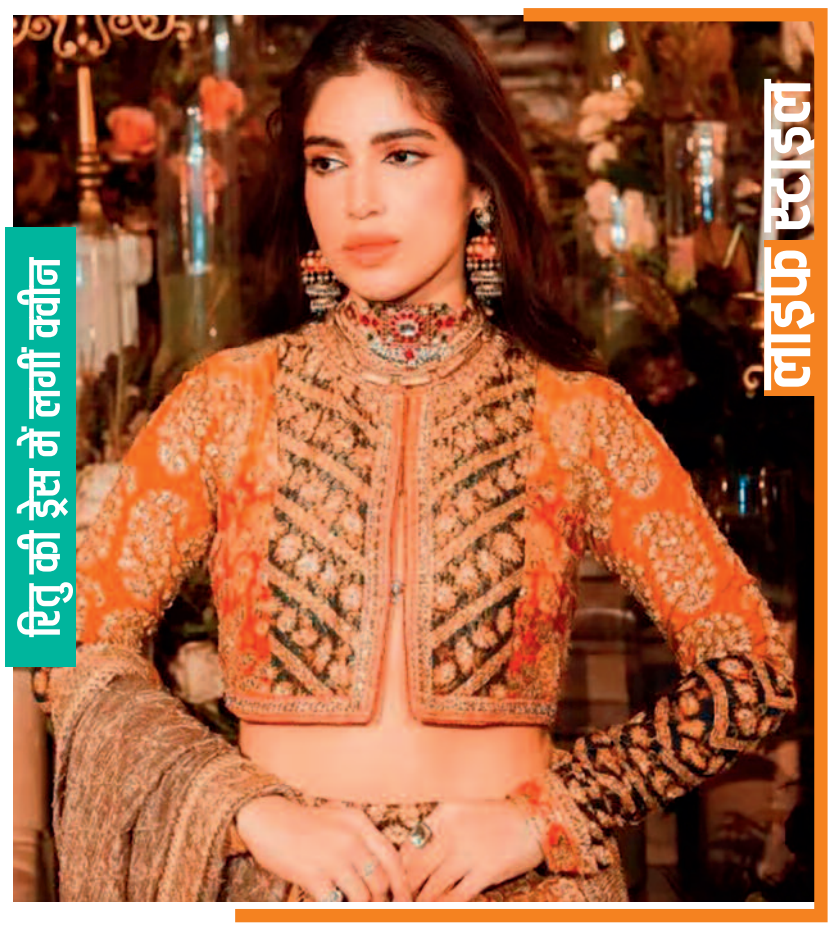

सर्दी के मौसम में आप चुन सकती हैं इन रंगों वाली नेल पॉलिश, हाथ लगेंगे सुंदर

महिलाएं जितना ध्यान अपने चेहरे के मेकअप पर देती हैं, उतना ही ख्याल अपने नाखूनों का भी रखती हैं। वे हर आउटफिट के साथ मेल खाती हुई नेल पॉलिश लगाती हैं, जो हाथों की खूबसूरती को बढ़ा देती हैं। हालांकि, रोजाना कपड़ों के हिसाब से नेल पॉलिश बदलने से बेहतर होता है मौसम के मुताबिक नेल पॉलिश चुनना। आज के मेकअप टिप्स में जानिए सर्दी के मौसम में किन रंगों वाली नेल पॉलिश का चलन रहने वाला है।

बरगंडी या चेरी लाल

सर्दी के मौसम में गहरे रंगों का ज्यादा चलन रहता है। इस दौरान लाल के गहरे शेड सबसे ज्यादा प्रचिलित रहते हैं। ऐसे में आपको अपने नाखूनों पर बरगंडी या चेरी लाल रंग की नेल पॉलिश लगानी चाहिए। बरगंडी रंग की नेल पॉलिश में भूरे और काले रंगों का भी स्पर्श आता है, जो हाथों को और भी सुंदर दिखा सकता है। वहीं, चेरी लाल रंग की नेल पॉलिश एक बोल्ड और शाही लुक प्रदान करती है।

नेवी नीला

इस साल सर्दियों के दौरान नीले के एक खास शेड

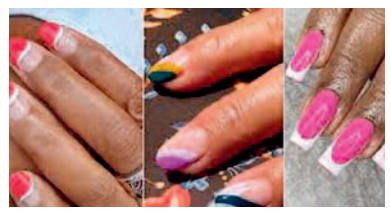

वाली नेल पॉलिश पसंद की जा रही है, जिसे नेवी कहा जाता है। यह नीले रंग का गहरा शेड होता है, जिसमें काले रंग का स्पर्श भी होता है। नेवी नीला रंग व्यावसायिकता, विलासिता और शांति को व्यक्त करता है। इस रंग की नेल पॉलिश लगाने से आप सर्दी के सार को भी बखूबी दर्शा पाएंगी, क्योंकि इसे बर्फ से भी जोड़ा जा सकता है।

जंगल वाला हरा

अगर आप क्रिसमस के सार को दर्शाने वाली नेल पॉलिश लगाना चाह रही हैं तो जंगल वाला हरा रंग चुनें। यह रंग नवीनीकरण, स्थिरता और प्रकृति से जुड़ाव को व्यक्त कर सकता है। इस रंग की नेल पॉलिश लगाने से आपके हाथ एलिगेंट और सादगी भरे लगेंगे। आप चाहें तो इस शेड की जगह हरे का पन्ना शेड भी चुन सकती हैं, जो कभी ट्रेंड से बाहर नहीं होता और सर्दियों के लिए आदर्श रहता है।

न्यूड गुलाबी

अगर आपको गहरे रंग वाली नेल पॉलिश लगाना पसंद नहीं है तो आप न्यूड रंग का चुनाव भी कर सकती हैं। मौसम को ध्यान में रखते हुए आपको न्यूड गुलाबी रंग ही चुनना चाहिए। यह हल्का शेड हर रंगत वाली महिला पर जंचता है और एक फेमिनिन लुक दे सकता है। यह रंग रोजाना के लिए सही भी रहता है, क्योंकि इसमें हाथ भड़कीले नहीं लगते। इस रंग वाली नेल पॉलिश लगाकर आप एक प्राकृतिक लुक पाएंगी।

चॉकलेट भूरा

सर्दियों के दौरान भूरा बहुत चलन में रहता है, जिस रंग की नेल पॉलिश हाथों पर जंचेगी। इस मौसम में सूखे हुए पेड़ों पर यही रंग दिखाई देता है। इसके लिए चॉकलेट भूरे रंग वाली नेल पेंट चुनें, जो गहरा शेड होता है। आप भूरे रंग के अलग-अलग शेड की नेल पॉलिश इस्तेमाल करके सुंदर डिजाइन या कला भी बना सकती हैं।

फैशन में इस तरह करें बैलेंस, इस तरीके से बनाएं अपने लुक को स्टाइलिश

फैशन में लोगों को लगता है कि सिर्फ ट्रेंड फॉलो कर लेंगे तो वो स्टाइलिश लगने लगेंगे, लेकिन इसके लिए रंगों का चुनाव भी जरूरी होता है। वहीं कलर ब्लॉकिंग से आप अपने लुक में संतुलन लाकर स्टाइलिश और प्रोफेशनल दिख सकते हैं। स्टाइलिश दिखने के लिए महंगे कपड़े या ट्रेंड फॉलो करना ही काफी नहीं होता। इसके लिए फैशन की सेंस भी समझना उतना ही जरूरी है। इन्हीं में से एक कलर ब्लॉकिंग है। कलर ब्लॉकिंग न केवल आपको फैशनेबल बनाता है बल्कि आपके फिगर में भी नेचुरल बैलेंस लाने में मदद करता है।

कलर ब्लॉकिंग

फैशन में कलर ब्लॉकिंग अब सिर्फ एक ट्रेंडी टेक्निक नहीं रही बल्कि यह आपके लुक को संतुलित करने का एक बढ़िया तरीका है। वहीं जब सही रंगों का सही जगह पर इस्तेमाल होता है तो यह आपकी बॉडी शेप को भी प्रोफेशनल दिखाने में मदद करता है। वहीं खासतौर पर उन लोगों के लिए जो जो ऊपर या नीचे से भारी नजर आते हैं। ऐसे में यह स्टाइलिंग तरीका काफी असरदार साबित हो सकता है।

बॉडी शेप के हिसाब से चुने

अगर आपकी बॉडी ऊपर से हैवी है तो आप टॉप के लिए डार्क शेड जैसे नेवी, ब्लैक या डीप ग्रीन सेलेक्ट करें। वहीं बॉटम में हल्के या ब्राइट कलर जैसे व्हाइट, पाउडर, ब्लू या पीला पहन सकते हैं। वही बॉटम में हल्के या ब्राइट कलर जैसे व्हाइट, पाउडर, ब्लू या पीला पहन सकते हैं। इसके अगर आपकी लोअर बॉडी ज्यादा हैवी है तो नीचे डार्क शेड्स और ऊपर लाइट कलर्स का इस्तेमाल करें।

हर रंग की कहानी

आप किसी तरह का इंपैक्ट डालना चाहते हैं जैसे सिंपल, बोर्ड या एलिगेंट दिखना चाहते हैं तो यह तय करता है कि आप कौन से रंगों को किस जगह प्लेस करते हैं। कलर ब्लॉकिंग न सिर्फ आपकी पर्सनालिटी को रिफ्लेक्ट करता है बल्कि फैशन में आपकी समझ और आत्मविश्वास भी दर्शाता है।

ओवरसाइज्ड कोट को ऐसे करें स्टाइल ठंड से भी हो बचाव और लगें भी फैशनेबल

ओवरसाइज्ड कोट न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि सर्दियों के मौसम में स्टाइलिश दिखने का एक बेहतरीन विकल्प भी प्रदान करते हैं। इन कोट्स को सही तरीके से पहनने पर आप न केवल ठंड से बच सकती हैं, बल्कि फैशनेबल भी लगेंगी।

जींस के साथ पहनें : जींस के साथ ओवरसाइज्ड कोट पहनना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। यह कपड़े का मेल न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपको एक स्मार्ट लुक भी देता है। आप अपनी पसंदीदा जींस के साथ एक हल्के रंग का कोट चुन सकती हैं, जो आपके पूरे लुक को निखार देगा। इसके साथ सफेद जूते पहनें ताकि आपका लुक और भी खास लगे और आप ठंड से भी सुरक्षित रहें।

स्कर्ट के साथ करें मेल : अगर आप स्कर्ट पहनने की सोच रही हैं तो ओवरसाइज्ड कोट उसके साथ बहुत अच्छी लगेगी। आप अपनी लंबी स्कर्ट के ऊपर एक बेल्ट लगाकर उसे थोड़ा टाइट कर सकती हैं, जिससे आपकी कमर का आकार भी दिखेगा और लुक भी खास लगेगा। इसके अलावा आप चाहें तो

स्कर्ट के साथ लंबे जूते भी पहन सकती हैं, जो आपके पूरे लुक को और भी आकर्षक बनाएगा। इस तरह आप ठंड से भी बच सकती हैं और स्टाइलिश दिखेंगी।

ड्रेस के साथ टिमअप करें : ओवरसाइज्ड कोट ड्रेस के साथ भी बहुत अच्छा लगता है। अगर आपकी ड्रेस थोड़ी छोटी या मिडी लंबाई की हो तो ऊपर से एक ओवरसाइज्ड कोट पहनें। इससे आपका लुक न केवल फैशनेबल लगेगा बल्कि आपको ठंड से भी बचाएगा। इसके अलावा आप चाहें तो कोट के बटन खोलकर अंदर की ड्रेस दिखा सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

बाल रूखे हो रहे हैं तो इन चीजों का करें इस्तेमाल, बालों को मिलेगी भरपूर नमी

बालों की नमी को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से हाइड्रेटिंग मास्क का इस्तेमाल करना जरूरी है। यह नमी को बरकरार रखने के साथ-साथ बालों को पोषण और सुरक्षा भी प्रदान करता है। हाइड्रेटिंग मास्क का सही चयन करना अहम है क्योंकि यह आपके बालों के प्रकार और स्थिति पर निर्भर करता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें आजमाकर बालों को भरपूर नमी मिल सकती है।

एवोकाडो और जैतून के तेल का मिश्रण : एवोकाडो में मौजूद पोषक तत्व और फैटी एसिड बालों को गहराई से पोषण देते हैं। जैतून का तेल भी बालों को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। इन दोनों को मिलाकर एक पेस्ट बना लें और इसे

अपने सिर पर लगाएं। 20-30 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद हल्के शैंपू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें। यह उपाय बालों को मुलायम और चमकदार बनाएगा।

केला और शहद का मिश्रण : केला प्राकृतिक नमी देने वाला होता है और शहद में मौजूद गुण बालों को मजबूत बनाते हैं। एक पके केले को मैश कर लें और उसमें एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपने सिर पर लगाएं और 15-20 मिनट तक छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद हल्के शैंपू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें।

नारियल तेल और दूध का मिश्रण : नारियल तेल बालों को गहराई से पोषण देता है और दूध में मौजूद प्रोटीन उन्हें मजबूती प्रदान करती है। एक कप नारियल तेल में थोड़ा-सा दूध मिलाएं, फिर इस मिश्रण को हल्का गर्म करें। अब इसे अपने सिर पर लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद हल्के शैंपू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें। यह उपाय बालों को मुलायम और चमकदार बनाएगा।

कार्नर न्यूज

एड़ियां फटने पर कभी-कभी दर्द और खून निकलने तक की नौबत आ जाती है

सर्दियां आते ही फटी एड़ियों से हो जाते हैं परेशान तो घर पर इन नुस्खों से पाएं मुलायम और सुंदर पैर

जैसे ही ठंड का मौसम शुरू होता है, त्वचा की नमी कम होने लगती है और इसका सबसे ज्यादा असर पैरों की एड़ियों पर दिखता है। सर्दियों की शुष्क हवा और त्वचा के रूखेपन से एड़ियां फटने लगती हैं। कभी-कभी इनमें दरारें इतनी गहरी हो जाती हैं कि दर्द और खून निकलने तक की नौबत आ जाती है। लेकिन अच्छी बात यह है कि आप बिना किसी महंगे प्रोडक्ट के घर पर ही कुछ प्राकृतिक उपायों से फटी एड़ियों को ठीक कर सकती हैं। खासतौर पर नारियल तेल, फटी एड़ियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

नारियल तेल का सही इस्तेमाल

नारियल तेल में मौजूद फैटी एसिड्स और एंटीबैक्टीरियल गुण फटी एड़ियों को भरने और त्वचा को मुलायम बनाने में मदद करते हैं। हालांकि, इसे लगाने का तरीका सही होना बहुत जरूरी है।

कैसे लगाएं: सबसे पहले अपने पैरों को गर्म पानी में 5 से 10 मिनट तक भिगोकर रखें। इससे स्किन की डेड सेल्स नरम हो जाएंगी। अब हल्के गर्म नारियल तेल को एड़ियों पर अच्छे से मालिश करते हुए लगाएं। इसके बाद कॉटन की जुराबें पहन लें ताकि तेल रातभर अपना असर दिखा सके। रोजाना रात में ऐसा करने से कुछ ही दिनों में एड़ियां मुलायम और साफ नजर आने लगेंगी।

केला और शहद मास्क

एक पका हुआ केला मसलकर उसमें एक चम्मच शहद मिलाएं। इस पेस्ट को एड़ियों पर 20–25 मिनट लगाकर रखें और फिर धो लें। हफ्ते में 2–3 बार यह उपाय करने से एड़ियों की त्वचा मुलायम हो जाती है। केला त्वचा को पोषण देता है और शहद उसे हाइड्रेट रखता है।

पपीता और नींबू पेस्ट

एक कटोरी में मसलकर रखा पपीता लें और उसमें आधा नींबू निचोड़ें। इस मिश्रण को फटी एड़ियों पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। पपीते में मौजूद एंजाइम डेड स्किन हटाते हैं और नींबू एड़ियों को साफ और चमकदार बनाता है।

अनानास का छिलका उपाय

अनानास के छिलके को फटी एड़ियों पर रखें और ऊपर से जुराब पहन लें। इसे एक से डेढ़ घंटे तक लगा रहने दें। अनानास का छिलका प्राकृतिक एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है और त्वचा को हाइड्रेट रखता है।

अतिरिक्त सुझाव

फटी एड़ियों को कभी अनदेखा न करें, क्योंकि ये संक्रमण का कारण बन सकती हैं। रोजाना पैर धोने और मॉइस्चराइज करने की आदत डालें। हार्श साबुन या केमिकल बेस्ड क्रीम का उपयोग न करें। सर्दियों में पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है, ताकि शरीर अंदर से हाइड्रेट रहे। अगर इन घरेलू उपायों को नियमित रूप से अपनाया जाए तो सर्दियों में भी आपके पैर रहेंगे मुलायम, खूबसूरत और स्वस्थ।